हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025
भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

#GJ Advertisers 9179009179

खबर संक्षेप

जिला न्यायालय में ग्रीन दीपावली मनाने कार्यशाला आयोजित

दुर्ग। उच्चतम न्यायालय एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के द्वारा ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने के समय-समय पर दिशा-निर्देश दिए जाते रहे हैं, जिससे प्रेरित होकर 16 अक्टूबर को जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों व पैरालीगल वॉलेंटियर्स हेतु ग्रीन दीपावली मनाएं. प्रदूषण मुक्त दीप जलाएं विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने ग्रीन दीपावली मनाने का संकल्प लिया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारीगण, न्यायालयीन कर्मचारीगण तथा पैरालीगल वॉलेंटियर्स बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यशाला में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश थॉमस एक्का तथा जिला न्यायालय के उच्च न्यायिक सेवा अधिकारी प्रशांत पाराशर के द्वारा दीपावली में तेज आवाज वाले फटाखों तथा धुएं से होने वाले ध्वनि तथा वायु प्रदूषण से पशु, पक्षियों, बच्चों एवं वरिष्ठजनों को होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में अवगत कराते हुए ग्रीन दीपावली मनाए जाने के लिए प्रेरित किया। उनके द्वारा यह भी विदित किया गया कि दीपावली के दौरान फोड़े जाने वाले फटाखों के धुएं से पीएम 2.5 गंभीर वायु प्रदूषण का स्तर दस गुना तक बढ़ जाता है।

साहित्य अपने युग का दस्तावेज : पटेल

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा रूसा 2.0 योजनानुरूप व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दो व्याख्यान हिन्दी साहित्य का इतिहास पढ़ना क्यों जरूरी है, तथा हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी की डिजिटल दुनिया, विषय पर सम्पन्न हुआ। जिसमें अतिथि वक्ता डॉ अभिषेक कुमार पटेल, सहायक प्राध्यापक, शासकीय शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुण्डरदेही तथा अधिवक्ता व ब्लागर संजीव तिवारी के विचारों से विद्यार्थी लाभन्वित हुए।

प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेद के विषय में ज्ञान होना आवश्यक : राठौर

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग में स्वास्थ्य ज्ञान यज्ञ संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

धन्वंतरि स्वास्थ्य सप्ताह पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य ज्ञान यज्ञ संगोष्ठी का आयोजन शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राधाकृष्णन हॉल में किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय योग विज्ञान की तरह भारतीय चिकित्सा विज्ञान आयुर्वेद स्वास्थ्य संरक्षण के अनूठे विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाना हैं।

साथ ही यह संगोष्ठी स्वस्थ रहने के सहज, सरल विज्ञान को विस्तार से समझने, स्वस्थ समाज निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने, विभिन्न प्रकार की बीमारियों पर रोक लगाने में एक महती भूमिका निभाएगी। धन्वंतरि जयंती के अवसर पर स्वास्थ्य जागरण, आयुर्वेदिक ज्ञान का प्रसार करने के हेतु स्वास्थ्य ज्ञान संगोष्ठी का आयोजन एक मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्य अतिथि दुर्ग संभाग के संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी संगोष्ठियाँ शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ रहने के बारे में जानकारी और जागरूकता फैलाने पर केन्द्रित होती है। उन्होंने आगे बताया कि कोरोना काल में किस प्रकार आयुर्वेद चिकित्सा ज्ञान ने न केवल उन्हें बल्कि पूरे परिवार को भी सुरक्षित रखा। प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेद के विषय में ज्ञान होना आवश्यक है। जिससे न केवल हमारा परिवार बल्कि समाज भी स्वस्थ एवं प्रतिस्पर्धी बनेगा और भारत के विश्व गुरू बनने का भी सपना पूरा हो सकेगा।

आयुर्वेद का अर्थ, आयु को बढ़ाना : कुलपति

हेमचंद यादव विश्वविद्यालयए दुर्ग कुलपति प्रो डॉ संजय कुमार तिवारी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद का अर्थ है आयु को बढ़ाने वाला ज्ञान। उन्होंने आगे बताते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने आयुर्वेद विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए एक नया मंत्रालय आयुष मंत्रालय के रूप में स्थापित किया। भारत सरकार ने आयुर्वेद पद्धति को बढ़ावा देते हुए ऐलोपैथी चिकित्सा पद्धति का इसे एक उपयुक्त विकल्प मानते हुए इस हेतु बजट के आकार में वृद्धि की है। इससे न सिर्फ हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को बल मिलेगा बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य लाभ भी मिलेगा।

समय पर नहीं, भूख लगने पर खाना उचित

संगोष्ठी के मुख्यवक्ता डॉ मनोहर लहेजा, प्रांताध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद परिषद् ने आयुर्वेद के विषय में गूढ़ जानकारी दी और कहा कि ज्यादा से ज्यादा प्राकृतिक खाद्य पदार्थों का सेवन करना उचित होता है। प्रत्येक व्यक्ति को समय देखकर नहीं बल्कि भूख लगने पर उचित खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। डॉ राजेन्द्र अग्रवाल, प्रांत उपाध्यक्ष, आरोग्य भारती ने व्याख्यान में कहा कि विभिन्न जड़ी-बूटियों की जानकारी दी जो शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ शरीर को स्वस्थ भी रखता है। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजय कुमार सिंह ने स्वागत संबोधन दिया। सहायक कुल सचिव दिग्विजय कुमार सिंह ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

दुर्ग निगम क्षेत्र की 7 जगहों पर अवैध प्लाटिंग करने वाले बिल्डरों को नोटिस

न बिजली न पानी, आने-जाने के लिए मार्ग भी नहीं, ऐसी जगहों पर धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग

राज्य शासन के आदेश के बाद स्थानीय निकायों ने कसा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिले में पिछले करीब तीन सालों से प्रशासन के नाक से नीचे धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग का खेल चल रहा है। राजस्व महकमें, स्थानीय निकायों और प्रशासनिक तंत्रों के संरक्षण के चलते पिछले कुछ समय में यह कारोबार तेजी से फलभूल रहा है। इसे लेकर अब तक हुई शिकायतों पर सिर्फ कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हुई है। इतना ही नहीं शासन के आदेश भी दरकिनार किए गए हैं। पिछले दिनों कलेक्टर जनदर्शन में कुछ पार्षदों ने इस मामले को लेकर शिकायत की। इधर राज्य शासन ने पुनः अवैध प्लाटिंग करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद दुर्ग निगम ने शहर के आउटर कॉलोनियों में जांच शुरू की। इस दौरान 7 से ज्यादा जगहों पर अवैध प्लाटिंग की शिकायत सामने आई है। खास बात यह है कि इन जगहों न पर न ही पेयजल के इंतजाम हैं, न ही बिजली सप्लाई है। आवागमन के लिए सड़क तक नहीं है। जगह का डायवर्सन तक नहीं कराया गया है। जमीन खरीदारों को गुमराह कर गलत जानकारी देकर जमीन बेचा जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक इन भूमाफियाओं के चंगुल में पिछले कुछ समय में 1 हजार से ज्यादा ऐसे लोग फंसे हैं, जिन्होंने भरोसा कर पैसा लगाया। अब बिल्डर और जमीन दलालों के चक्कर काट रहे हैं। इसे देखते हुए ही प्रशासन ने ऐसे बिल्डर, कॉलोनाइजर, जमीन दलाल और भूमाफियाओं के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

नहीं है कोई डर, चल रहा बेखौफ कारोबार, शिकायत का असर नहीं

निगम प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित बिल्डर की होगी। इस कार्रवाई को लेकर शहर में चर्चा है कि लंबे समय से अवैध प्लाटिंग पर आंख मूंदे बैठे अधिकारियों ने आखिरकार जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के दबाव में कदम उठाया है। अब देखना यह होगा कि क्या निगम वास्तव में इन अवैध कॉलोनियों पर रोक लगाता है या यह कार्रवाई सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाएगी। खास बात यह है कि अवैध प्लॉटिंग करने वालों को कोई डर नहीं है। वे किसी ने नहीं डर रहे हैं। बेखौफ होकर कारोबार संचालित कर रहे हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों पूर्व प्रशासन ने ऐसे कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की। कब्जे तोड़, बावजूद इसके अवैध प्लाटिंग का यह खेल अब भी जारी है।

अहिवारा, जामुल, भिलाई-चरोदा क्षेत्र में भी प्लॉटिंग

दुर्ग के अलावा जामुल के शिवपुरी में सरकारी जमीन पर ही अवैध प्लाटिंग शुरू कर दी गई है। राजनीतिक संरक्षण में यह खेल चल रहा है। जामुल के कई इलाकों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के संरक्षण में प्लाटिंग हो रही है। इसी प्रकार भिलाई-चरोदा,कैलाशनगर, शांतिनगर, कुम्हारी, ग्राम चोरहा, नेहरूनगर, जेवरा-सिरसा, समोदा, चिखली के आसपास, बेलौदी रोड पर अवैध प्लाटिंग हो रही है। इन सारी जगहों पर सारे नियम कायदों को ताक पर रखकर प्लाटिंग हो रही है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी महकमें से मिली भगत कर यह कारोबार चलाया जा रहा है।

बोरसी, हनोदा, धनोरा, पोटिया, पुलगांव, बेलौदी में चल रहा खेल

जानकारी के मुताबिक दुर्ग शहर के बोरसी, हनोदा, धनोरा, पोटिया, पुलगांव, बेलौदी, चिखली, उरला, मोहलाई, अंजोरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग का खेल चल रहा है। सस्ते दरों में प्लॉट उपलब्ध कराए जाने का झांसा देकर लोगों को प्लॉट बेचे जा रहे हैं। रोड-रास्ता बताकर जमीन का सौदा कर रहे हैं। दुर्ग निगम ने श्रीराम बिल्डर, आरवी हाउसिंग, अष्ट विनायक हाउसिंग, कुमावत बिल्डर, राधा बिल्डर, बत्रा बिल्डर, मल्हार बिल्डर, बालाजी बिल्डर और तिरुपति विहार सहित कई अन्य बिल्डरों को नियमों की अनदेखी कर भूखंड बेचने और मकान निर्माण करने की शिकायतों के बाद नोटिस जारी किया है। इन बिल्डरों के खिलाफ लिखित शिकायत की गई थी। शिकायत में कहा गया था कि बोरसी, पोटिया, पटरी पार और नदी रोड क्षेत्र में बिना किसी वैधानिक अनुमति के कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं, जहां सड़क, नाली, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। नोटिस में कहा गया है कि बिल्डर द्वारा नगर एवं ग्राम निवेश विभाग और नगर निगम से अनुमति लिए बिना मकान निर्माण और विक्रय किया जा रहा है, जो नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के प्रावधानों का उल्लंघन है। निगम ने बिल्डर से स्वीकृत लेआउट, भवन निर्माण अनुमति, कॉलोनाइजर लाइसेंस, कॉलोनी विकास अनुमति और भूमि स्वामित्व से संबंधित सभी दस्तावेज प्रस्तुत करें।

एडीआरएम पहुंचे भिलाई तीन, लोगों से पूछी जरूरतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के रायपुर डिवीजन भिलाई रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एडीआरएम बजरंग अग्रवाल अमृत संवाद करने भिलाई तीन रेलवे स्टेशन पहुंचे। अमृत संवाद कार्यक्रम विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत आयोजित किया।

इस दौरान एडीआरएम बजरंग अग्रवाल ने मौके पर जुटे जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से भिलाई रेलवे स्टेशन की जरुरतों के बारे में पूछा। जिसे लेकर एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टापेज और स्टेशन पर दूसरे प्रवेश द्वार समेत रेलवे कालोनी से जुड़ी मांगों की ओर एडीआरएम का ध्यानाकर्षण कराया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के मद्देनजर अमृत भारत योजना के तहत विकसित स्टेशनों पर अमृत संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एडीआरएम रायपुर बजरंग अग्रवाल मौजूद थे। एसीएम शेषमणि पाण्डेय और चीफ स्टेशन मास्टर दुर्ग लखबीर सिंह मुंगेड़ा भी थे। श्री अग्रवाल ने बताया कि भिलाई स्टेशन का अमृत भारत योजना के तहत कायाकल्प किया गया है। स्टेशन का जो विकास हुआ है वह कितना कारगर है। इसके अलावा क्या प्राथमिक होनी चाहिए, इसलिए यह अमृत संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

जनप्रतिनिधियों ने रखी मांग

मौके पर जुटे जनप्रतिनिधियों ने भिलाई स्टेशन के विकास की सराहना करते हुए उत्तर एवं दक्षिण भारत के लिए चलने वाली कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टापेज देने की मांग की है। पूर्व पार्षद लावेश मदनकर ने रेलवे कालोनी में बिजली, पानी और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग रखी। उन्होंने रेलवे कालोनी के जर्जर आवासों की ओर भी ध्यानाकर्षण कराया। पुरैना की पार्षद रंजीता बेनुआ ने पुरैना से भिलाई-3 आने जाने के लिए ओएचई आफिस के पास से ओवरब्रिज निर्माण किए जाने की मांग रखी। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता गणेश शुक्ला ने किया।

ट्रैफिक पुलिस ने बस यूनियन प्रतिनिधि की बैठक ली, अनुशासन व जिम्मेदारी को लेकर जोर दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

ट्रैफिक पुलिस ने नेहरू नगर दुर्ग में बस यूनियन के पदाधिकारियों, बस स्वामियों, चालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक एएसपी ट्रैफिक रिचा मिश्रा ने लिया। इस दौरान अनुशासन व जिम्मेदारी पर जोर दिया गया। सड़क सुरक्षा को

■ हादसों में कमी लाने का बड़ा अभियान

सुदृढ़ बनाने ट्रैफिक पुलिस काम कर रही है। बस यूनियन अपने चालकों को यह सुनश्चित कराया गया कि किसी भी स्थिति में नशे की हालत में वाहन संचालन न करें। चालक की स्थिति जांचकर ही बस का संचालन शुरु करे। बसें केवल निर्धारित मार्गों पर मुख्य सड़कों से ही संचालित हों। सर्विस रोड अथवा गलत साइड में बसें चलाने परदंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बिना परमिट या वैध दस्तावेजों के बस संचालन को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। ऑटो चालकों को भी निर्देशित किया गया है कि वे सड़कों के बीच या मुख्य मार्गों पर वाहन खड़ा न करें। यात्रियों को केवल निर्धारित ऑटो स्टैंड या किनारे पर ही चढ़ाएं। चालकों से यह भी कहा गया कि वे गति सीमा, ट्रैफिक सिग्नल, लेन अनुशासन और नो पार्किंग नियमों का कड़ाई से पालन करें। एएसपी सुश्री मिश्रा ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा और अनुशासन को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं। शहर के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रतिदिन चेकिंग टीमों की तैनाती, वाहन चालकों की जागरूकता काउंसलिंग तथा स्कूल, कालेजों में ट्रेफिक वर्कशॉप आयोजित की जा रही है।

नियंत्रण एवं जिम्मेदारी की भावना

ट्रैफिक एएसपी ने बताया कि इन प्रयासों का उद्देश्य चालकों में नियंत्रण एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है ताकि दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सके और आम नागरिक सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें। ट्रैफिक अनुशासन केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जनसुरक्षा की जिम्मेदारी है। हर चालक, वाहन स्वामी, नागरिक यदि अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभाए तो हादसों में कमी लाई जा सकती है। ट्रैफिक पुलिस की अपील है कि वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग करें। नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा दूसरों को भी ऐसा करने से रोकें। ट्रैफिक पुलिस ने बस यूनियन प्रतिनिधियों की बैठक ली।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित ने रसमड़ा स्कूल की छात्राओं को बांटी साइकिलें

दुर्ग। ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रसमड़ा की छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती सायकिल योजना के तहत सायकिल का वितरण किया। छात्राओं को तिलक लगाकर मिठाई खिलाया और साइकिल वितरण किया गया। साथ ही कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान श्रुति वर्मा, द्वितीय कु प्रिंशी शर्मा व कक्षा 12 वीं में प्रथम स्थान अभिषेक वैष्णव प्राप्त किया थी जिसे प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया

इस अवसर पर साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राएं रश्मि पटेल व तनुष्का निर्मलकर बताती है कि एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था, लेकिन सायकिल मिलने से अब पैदल चलना नहीं पड़ेगा। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बताया छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं में प्रवेश लेने वाली उन सभी छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती सायकल वितरण योजना के अंतर्गत निःशुल्क सायकल प्रदान किया जाता है, जो अनुसूचित जाति एवं जन जाति वर्ग की बालिकाएं होती है।

छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 के लिए मिलेगी छात्रवृत्ति

दुर्ग। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके तहत राज्य के प्रतिभावान निम्न आय वर्ग के विद्यार्थी जो कि राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यवसायिक संस्थानों जैसे आईआईटी, एम्स, आईआईएम, एनएलयू, एमबीबीएस जैसे संस्थाओं में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन कर रहे हैं उन्हे तात्कालिक सहायता प्रदान की जाएगी। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त योजना के तहत आमंत्रण करने विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना चाहिए।

पीएम आवास : अंतिम पात्र-अपात्रों की सूची जारी

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत मोर मकान मोर आस अंतर्गत आपत्ति दावा की प्रक्रिया के संपादन पश्चात अंतिम पात्र अपात्र की सूची प्रकाशित की जा रही है। इस सूची को विभागीय वेबसाईड पर देखा जा सकता है तथा यह सूची नगर निगम के मुख्य कार्यालय में एवं डाटा सेंटर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में चस्पा किया गया है।

कामधेनु विवि में कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण का समापन

दुर्ग। दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विष्वविद्यालय, दुर्ग में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के घटक स्ट्रेन्दनिंग एग्ज़सिटिंग ए.आई. सेंटर्स के उपघटक रिफ्रेशर ट्रेनिंग ऑफ अदर एग्ज़सिटिंग ए.आई. वर्कर्स के अंतर्गत छ.ग. के सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी का पांच दिवसीय कृत्रिम गर्भाधान रिफ्रेशर प्रशिक्षण कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण संस्थान, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा,

दुर्ग में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से कुल 48 सहायक पशुचिकित्सा क्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में गायों एवं भैंसों के साथ-साथ बकरी में भी कृत्रिम गर्भाधान का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में कृत्रिम गर्भाधान की नवीन तकनीक, बीज संग्रहण एवं संरक्षण तथा सफल निषेचन की उन्नत विधियों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति ने कृत्रिम गर्भाधान की पुरानी तकनीक को प्रदेष के किसानों एवं पषु पालकों तक अधिक प्रभावी रूप से पहुँचाने हेतु प्रेरित किया ताकि छत्तीसगढ़ का दुग्ध उत्पादन राष्ट्रीय औसत तक पहुंच सके।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

जागरुकता के प्रयासों से गर्भवती का सुधरा स्वास्थ्य

अंडा। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला दुर्ग द्वारा 2025 के दौरान सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में थीम आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शिशु और छोटे बच्चे के स्तनपान (आईवाईसीएफ) थीम के आधार पर प्रथम प्रसव से जन्मे बच्चे की माता एवं परिवार को सतत स्तनपान के उद्देश्यो के आधार पर गृहभेंट के माध्यम से स्तनपान के महत्व पर समझाईश दी जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम भानपुरी आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 में नियमित गृहभेट और पोषण खजानी के खाने के तरीके की लगातार व प्रभावी समझाइश से नई बहु पुष्पा ठाकुर पति केवल ठाकुर दंपति के यहां 2.700 किलो की बच्ची ने जन्म लिया है।

निधन

सुशीला देवी उमरे

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री उमरे बाड़ा कसारीडीह दुर्ग निवासी सुशीला देवी उमरे पति स्वर्गीय जयकुमार उमरे 79 वर्ष का निधन 17 अक्टूबर को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 18 अक्टूबर को शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे प्रोफेसर रजनीश कुमार उमरे, माया कौशिक, मधु उमरे, मुक्ता सेन व प्रोफेसर रितु उमरे की मां थीं।

मुरमुन्दा में जिला स्तरीय किसान सम्मेलन में बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता

दलहन-तिलहन को बढ़ावा देने किसानों से आह्वान, मक्का की खेती की सलाह भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमधा

अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के मुरमुन्दा गांव में शुक्रवार को जिला स्तरीय किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न योजनाओं का लाभ लिया। मुख्य अतिथि अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाडा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के उत्थान और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि हर किसान आत्मनिर्भर बने और आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ उठाए।

आयोजन में विशेष अतिथि तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नटवर ताम्रकार, विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू औ्रर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा किरण कौशिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर किसानों को खेती के लिए ऋण की राशि का वितरण किया गया। वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों एवं कृषक समूहों को सम्मानित किया गया। इनमें दलहन और तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा देने और ग्रीष्म कालीन धान के बजाय मक्का की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया।कृषि विशेषज्ञों ने इन फसलों की बेहतर उत्पादन तकनीक, उच्च गुणवत्ता वाले बीजों और विपणन के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मेले में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं ग्रामीण उद्योग विभागों के जानकारी पूर्ण स्टॉल लगाए गए, जहाँ किसानों को सरकारी योजनाओं की सब्सिडी, आधुनिक यंत्रों, ट्रैक्टरों और कृषि उपकरणों की जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना,कृषक उन्नति योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि यांत्रिकीकरण योजना और किसान क्रेडिट कार्ड योजना जैसी केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र किसानों को लाभ भी वितरित किया गया। मुरमुन्दा ग्राम के सरपंच पुष्पा परमानन्द साहू ने कहा कि "यह आयोजन प्रदेश के नेतृत्व के सुशासन का परिणाम है, जिसके कारण आज किसानों के चेहरों पर खुशी झलक रही है।" वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी धमधा विजय लहरे और एसडीओ कृषि सौरभ वर्मा ने किसानों का आभार प्रकट किया।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने राज्य शासन का प्रयास : कोर्सेवाड़ा

दिवाली के माहौल में गांव-गांव में सजने लगे फड़, सक्रिय हुए जुआरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

दीपावली का त्यौहार आते ही पाटन तहसील और इसके आसपास के गांवों में जुआ खेलने का दौर तेजी से बढ़ गया है। दीपावली के इस पर्व के साथ ही गांव-गांव में जुआ के फड़ सजने लगे हैं।

रात के अंधेरे में फार्म हाउस, चौपालों और सुने मकानों में ताश के पत्ते खुल रहे हैं और बड़ी मात्रा में नगदी का लेन-देन जाम के हो रहा है। यहां तक जुआ के फड़ में लाखों रुपए के दाव लग रहे हैं। बताया जाता है की राजनीतिक दलों के छुट भैय्या नेता जम कर जुआ के फड़ में बढ़ चढ के हिस्सा ले रहे है। दीपावली के बहाने कुछ लोग इसे मनोरंजन बताते हैं, लेकिन असल में यह अवैध जुआ कारोबार अब एक संगठित रूप ले चुका है पाटन पुलिस को कई बार इसकी सूचना और शिकायतें मिल चुकी हैं, परंतु कार्रवाई न होने से जुआरियों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस कभी-कभी छापामार कार्रवाई करती है, लेकिन मुखबिरी या पहले से जानकारी लीक होने के कारण जुआरी मौके से भाग निकलते हैं।

सूचना मिलने पर होगी कार्रवाई

सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई होगी अभी अमलेश्वर में कार्रवाई की गई है।हमारी टीम रात में पेट्रोलिंग कर रही है।

अनूप कुमार लकड़ा, एसडीओपी पाटन

ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों जुआ खेलों के साथ शराबखोरी और आपसी विवाद की घटनाएँ भी बढ़ रही हैं। इससे गांवों में अशांति का माहौल बनता जा रहा है। कई परिवारों में जुए में हारने के कारण आर्थिक नुकसान और झगड़े जैसी स्थितियाँ पैदा हो रही हैं नगरवासियों ने प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि पुलिस नियमित निगरानी और अचानक छापेमारी करे तो इस अवैध गतिविधि पर रोक लगाई जा सकती है। दीपावली की रौनक के बीच यह जुआ अब सामाजिक समस्या का रूप ले रहा है। लोग चाहते हैं कि पाटन क्षेत्र को जुए का अड्डा बनने से बचाया जाए और त्योहार की खुशियां और अनुशासन के साथ मनाई जाएं।

डुंडेरा राशन दुकान में नहीं पहुंचा एपीएल हितग्राहियों का चावल

हरिभूमि न्यूज ⏭ उतई

नगर पालिक नगर रिसाली के ग्राम डुंडेरा के राशन दुकान में इस माह के एपीएल कोटे का चावल अभी तक नहीं पहुंचा हैं जिसे लेकर नगर निगम रिसाली के पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे ने खाद्य अधिकारी से मुलाकात कर अवगत कराया है। तरुण बंजारे ने बताया कि डुंडेरा के राशन दुकान में आधा महीना बीत जाने के बाद भी एपीएल हितग्राहियों का चावल नहीं पहुंचा है जिसके कारण हितग्राही राशन दुकान का चक्कर लगाकर वापस लौट रहे हैं। दो दिन में दीपावली का त्योहार है और अभी तक चावल नहीं पहुंचा है जो एक गंभीर विषय है जिसे लेकर खाद्य अधिकारी को अवगत कराया गया है और मांग की गई है कि जल्द से जल्द राशन दुकान में चावल की व्यवस्था कराई जाए ताकि ग्रामीणों को त्यौहार में असुविधा का सामना न करना पड़े।

गांवों की गलियों में घरों के सामने सुमधुर आवाज में गूंजने लगे सुआ गीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जामगांव आर

दीपोत्सव पर्व का आगाज कराने वाले सुआ गीत की सु मधुर आवाज और नृत्य का मनभावन दृश्य घरों के प्रांगण में गूंजने लगा है। कुम्हारी एरिया थर्ड जेंडर समूह ने पहली बार जामगांव आर में सुआ नृत्य की प्रस्तुति दी। इनके अलावा शुक्रवार को जामगांव आर मिडिल स्कूल की छात्राएं काजल ठाकुर, लोमिता ठाकुर गेमेश्वरी ठाकुर, आंचल कुम्हार, प्राथमिक छात्रा योगिता ठाकुर, चंचल धीवर और मुक्ता निर्मलकर ने संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन करते हुए घर घर जाकर सुवा गीत नृत्य का मनभावन प्रदर्शन किया।टोकनी में प्रतीकात्मक सुआ रख कर गीत नृत्य की परंपरा छत्तीसगढ़ में सदियों से चली आ रही है।

तापमान

अधिकतम 31 डिग्री

न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025

02 न बिजली न पानी, आने-जाने के लिए मार्ग भी नहीं, ऐसी जगहों पर धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग

खबर संक्षेप

मामूली विवाद पर दादी सास की हत्या, बहू हुई गिरफ्तार

भिलाई। घर के मामूली विवाद को लेकर बहु ने अपनी दादी सास की हत्या कर दी है। खबर लगने पर पुलिस ने बहु को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि ग्राम गोढ़ी निवासी उर्मिला वर्मा और बहू रोशनी वर्मा घटना के समय घर पर थे। घर के अन्य सदस्य काम पर गए हुए थे। पड़ोसी ने फोन कर पीड़ित सुरेन्द्र वर्मा को घटना की सूचना दी। परेशान होकर तुरंत सुरेन्द्र घर पहुंचा तो उसकी मां बेडरूम में खून से सनी पड़ी थी, उसके सिर में गंभीर चोट था। सूचना पर नंदिनी थाना प्रभारी पारसराम ठाकुर अपनी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचकर रोशनी वर्मा को पकड़ा । पूछताछ करने पर बहु ने बताया कि दादी सास उर्मिला के व्दारा उसे खाना बनाने के नाम पर ताना कसती थी। इसी को लेकर विवाद हुआ आकोश में आकर बेडरूम में रखे लोहे के हथौड़े से दादी सास उर्मिला के सिर में वार कर दिया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। निशानदेही पर लोहे का हथौड़ा पुलिस ने जब्त किया।

कल्याण कॉलेज ग्राउण्ड में बनाया जाएगा इंडोर स्टेडियम

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 5 अंतर्गत सेक्टर 7 छठ तालाब, कल्याण कालेज ग्राउण्ड, सड़क 9 उद्यान, जयंती स्टेडियम के पीछे तालाब का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा सेक्टर 7 छठ तालाब का निरीक्षण किया गया। छठ त्यौहार हेतु तालाब की साफ-सफाई व्यवस्था को देखे और कार्य की प्रशंसा किए। सेक्टर 7 कल्याण कालेज ग्राउण्ड का निरीक्षण किया गया । ग्राउण्ड के भीतर इंडोर स्टेडियम का प्रस्ताव तैयार करने सहायक अभियंता प्रिया करसे को निर्देशित किए हैं। समीपस्थ सड़क 9 स्थित उद्यान की साफ-सफाई का अवलोकन किया गया, उद्यान के भीतर का फव्वारा बंद पड़ा है, जिसका संधारण कर चालू करने निर्देशित किया गया है। छठ को दृष्टिगत करते हुए जयंती स्टेडियम के पीछे बने तालाब की सफाई जल्द से जल्द कराने जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे को निर्देशित किए है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, स्वच्छता निरीक्षक, सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी करने वाले चार को पुलिस ने पकड़ा

भिलाई। गांजा की तस्करी करने वाले चार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि उतई पुलिस को मुखबिर की सूचना पर ग्राम डुण्डेरा मोरिद रोड गार्डन में दो युवक बाइक सीजी 07 एल 4595 में सवार होकर अवैध गांजा बेचने ग्राहक की तलाश कर रहे थे। पुलिस मौके पर पहुंची और दो युवक को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ करने पर युवको ने अपना नाम ग्राम डुण्डेरा निवासी सिद्धार्थ मेश्राम, यंशु वर्मा बताया है। बाइक की तलाशी लिये जाने पर पर वाहन के डिक्की से गांजा बरामद किया गया। गांजा 1 किलो 408 ग्राम, मोबाईल फोन, बाइक जब्त किया गया। पदार्थ गांजा को ग्राम मटिया से विजयकांत वर्मा गांजा को लाया था। आरोपी विजयकांत वर्मा को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि गांजा को ग्राम बठैना निवासी संजीव वर्मा से खरीदा था। जब्त सामानों में बाइक 40 हजार, गांजा 13 हजार और 13 मोबाइल 35 हजार रुपए का आंका गया है। चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। कार्रवाई में उतई निरीक्षक महेश ध्रुव समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

भिलाई निगम की सामान्य सभा में प्रस्तुत 24 एजेंडे पर नहीं हो पाई चर्चा

खुर्सीपार में निजी हॉस्पिटल संचालन, मेरिज पैलेस का कब्जा, नाली व पेवर ब्लॉक में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जमकर हंगामा, सदन स्थगित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

गुरुवार को भिलाई निगम की सामान्य सभा हंगामे के बीच स्थगित कर दी गई। सत्ता पक्ष ने इस बीच एजेंडे को एकतरफा पारित करने की कोशिश की लेकिन विपक्ष के कड़े तेवर की वजह से सभापति गिरवर बंटी साहू ने सभा को आगामी दिनों के लिए स्थगित कर दी। शुरूआत से ही विपक्ष और पक्ष के पार्षदों ने सबसे पहले निगम आयुक्त राजीव पांडेय के दौरे को लेकर सदन में हंगामा शुरू किया। पार्षदों का कहना था कि जोन आयुक्त या निगम आयुक्त जिस वार्ड में दौरा करने जाएं वहां के पार्षद को सूचित कर दें और साथ लेकर जाएं। उनके द्वारा पार्षदों का फोन नहीं उठाए जाने पर भी हंगामा चला। इस पर सभापति ने कहा कि जोन आयुक्त व आयुक्त पार्षदों का फोन रिसीव करें और दौरा के पहले पार्षदों को सूचित करें। सदन में खुर्सीपार स्थित आईएमआई हॉस्पिटल के संचालन, मैरिज पैलेस द्वारा नालियों पर कब्जा, भिलाई विधानसभा के सेक्टर क्षेत्र में पेवर ब्लॉक और जीई रोड किनारे बनाए जा रहे निकासी नाली में भष्ट्राचार जैसे मुद्दे पर सदन पूरे समय तक गरमाया रहा।

पहला- सामाजिक भवनों को हटाना

सदन में पार्षद महेश वर्मा ने साहू समाज, देवांगन समाज के भवनों को निगम द्वारा बिना सूचना के तोड़ने पर आपत्ति उठाई। वर्मा ने कहा कि इन समाजों द्वारा पिछले 40 साल से यहां सामाजिक गतिविधियां संचालित हो रही थी। इस मुद्दे पर निगम आयुक्त राजीव पांडेय ने जवाब दिया कि यहां पर वर्ष 2023 सामान्य सभा में प्रस्ताव लिया गया है कि मंडी बनाया जाए। इसलिए हटाने की कार्रवाई की गई।

दूसरा- शराब दुकान खोलने पर हंगामा

जोन अध्यक्ष भूपेंद्र यादव ने पं. दीनदयाल खेल परिसर खुर्सीपार की दुकान में शराब दुकान खोले जाने का मुद्दा उठाया। उन्होने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के गाइड लाइन का पालन नहीं किया जा रहा है। इसे रद्द किया जाए। इस पर जोन अधिकारी ने बताया कि आबकारी विभाग से पत्र प्राप्त हुआ था इसलिए प्रकरण एमआईसी में प्रस्तुत किया और वहां से पारित किया गया है। उसके बाद महापौर नीरज पाल ने सदन को बताया कि पहले की शराब दुकान मुहल्ले के भीतर थी। घटनाएं हो रही थी जिसकी वजह से महिलाएं प्रदर्शन कर रही थी। कलेक्टर ने उन्हे अस्थाई रूप स्थान मांगा है इसलिए दिया गया है। इस बीच एमआईसी सदस्य ने यह कहकर सदन को चौंका दिया कि यह प्रस्ताव एमआईसी में आया ही नहीं है। जिसे लेकर विपक्षी पार्षदों ने जमकर हंगामा खड़ा कर दिया।

तीसरा- आधा किलोमीटर नाली पर कब्जा

पार्षद हरिओम तिवारी ने केपीएस स्कूल से लेकर शिवाजी चौक तक तीन होटलों द्वारा नालियों के ऊपर हुए कब्जे को सदन में रखा। उन्होने कहा कि पिछली सामान्य सभा में इसे हटाने की कार्रवाई करने मिनिट्स में दर्ज किया गया था लेकिन अब तक कार्रवाई क्यों नही की गई। एमआईसी सदस्य सीजू एंथोनी सहित कई पार्षद इस पर एक राय हुए। सभापति गिरवर साहू ने निगम आयुक्त को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

चौथा- हॉस्पिटल - मैरिज पैलेस पर हो कार्रवाई

सदन में खुर्सीपार स्थित एक निजी हॉस्पिटल का संचालन अवैध होने का मुद्दा रखा गया। पार्षद सीजू एंथोनी ने पिछली सामान्य सभा का हवाला देते हुए मैरिज पैलस पर कार्रवाई नहीं होना बताया। इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने भी जवाब मांगा। जवाब में निगम आयुक्त राजीव पांडेय ने बताया कि हॉस्पिटल संबंध में सीएमएचओ को पत्र भेजा गया है।

निगम में भ्रष्टाचार के ये मुद्दे गूंजे

जीई रोड किनारे निकासी नाली निर्माण

उपनेता प्रतिपक्ष दयासिंह ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री हॉस्पिटल के सामने जीई रोड किनारे नाली निर्माण की गुणवत्ता पर निगम ने जांच टीम बनाई। निर्माण में बेस में 12 इंच की लेयर की जगह 5 इंच लेयर है। सीमेंट भी कम डला है। अधीक्षण यंत्री ने रिपोर्ट दी लेकिन एक महीने से ज्यादा हो गया लिफाफा ही नहीं खोला गया। दया ने कहा कि जांच हुई तो काम क्यों नहीं रोका गया।यह काम अभी भी चल रहा है। ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड क्यों नहीं किया। आयुक्त ने जवाब में कहा कि ठेकेदार का भुगतान रोकने की कार्रवाई की गई।

1100 की जगह 6 हजार वर्गफीट की आईडी बनी

नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिंन्हा ने भष्ट्राचार का बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वार्ड क्रमांक 3 में एक व्यवसाई की 1100 वर्गफीट की रजिस्ट्री जमीन खसरा नंबर 766 है। उसने बाजू में खसरा क्रमांक 768 है। इस खसरा नंबर में 4900 वर्गफीट जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। इसकी बकायदा निगम ने आईडी भी बना दी। 5 करोड़ की भूमि पर कब्जा कर लिया है। इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। सत्ता पक्ष के पार्षदों ने जांच और कार्रवाई की जरूरत बताई। सभापति ने निगम आयुक्त को जांच शुरू करने कहा।

महिला पार्षद के कथन पर हंगामा और सदन स्थगित

पार्षद नेहा साहू ने सदन में जोन दो आयुक्त के द्वारा निगम के वाहन में अपने घर रायपुर तक सामान ढ़ोने का मुद्दा उठाया और कहा कि इस पर कार्रवाई की जाए। इसी दौरान हंगामा होने लगा तो पार्षद नेहा ने यह कह दिया कि विपक्षी पार्षद भी भष्ट्राचार में मिले हुए हैं। इस कथन से जमकर हंगामा मचा और माफी मांगने पर पार्षद अड़ गए। हो हल्ला के बीच सभापति ने सचिव से एजेंडा पढ़ने कह दिया। एजेंडा सचिव पढ़ने लगे तो पार्षद पीयूष मिश्रा सहित अन्य ने सभापति पर ही आरोप लगाना शुरू कर दिया। आखिरकार सदन स्थगित कर दी गई।

धनतेरस पर आज खरीदारी का शुभ संयोग, शहर में सजे बाजार

बाजार गुलजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

मां लक्ष्मी के पूजन के पर्व दीपावली से दो दिन पहले पड़ने वाला धनतेरस का त्योहार देवताओं के वैद्य धनवंतरी और लक्ष्मीजी व कुबेर को याद करने का दिन है। पर्व की शुरुआत 18 अक्टूबर से शुरू हो रही है। इसे लेकर शुक्रवार को ही बाजार गुलजार नजर आया। ज्योतिषों के अनुसार धनतेरस मंगलवार सुबह से प्रारंभ होकर बुधवार सुबह 9 बजे तक रहेगी। दीवाली से पहले कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाए जाने वाले धनतेरस को धनवंतरी त्रयोदशी भी कहा जाता है। इस दिन सोने, चांदी की कोई चीज या नए बर्तन खरीदने को शुभ माना गया है। ऑटोमोबाइल मार्केट में भी शुभ बिक्री के लिए शोरूम को आकर्षक रूप से सजाया गया है।धनतेरस पर 50 करोड़ से ज्यादा के कारोबार होने का अनुमान लगाया गया है। ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि मंगलवार को त्रयोदशी रहेगी। धनतेरस के दिन बर्तन व अन्य कई तरह की चीजें खरीदने की परंपरा और मान्यता है, वहीं इस दिन सोने की खरीदारी करना सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार धनतेरस के दिन लक्ष्मी के साथ धनवंतरी की पूजा की जाती है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन समुद्र मंथन से धनवंतरी प्रकट हुए थे। उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था। इधर त्योहार को लेकर फूलों का भी बाजार सज गया है। मौसमी फूलों की खासी डिमांड है। लाइट, झालर, बर्तन, कपड़े, पटाखे से लेकर अन्य दुकानों में भीड़ उमड़ रही है।

गर्भवती महिला शिक्षिका से डॉक्टर ने की छेड़खानी, आरोपी हुआ फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

गर्भवती महिला शिक्षिका के साथ डॉयग्नोस्टिक सेंटर में डॉक्टर ने छेड़खानी करने का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ अपराध कायम कर दिया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि महिला नौ माह की गर्भवती है। अपनी सास के साथ नेहरू नगर चौक सुपेला के पास स्थित डॉग्नोस्टिक पैथालॉजी सेंटर में महिला पहुंची थी। जहां के डॉ. गिरीश वर्मा ने महिला के साथ छेड़खानी कर दी। घटना 16 अक्टूबर की बताई जा रही है। महिला अपने देवर और सास के साथ अल्ट्रासाउंड जांच कराने के लिए सेंटर पहुंचीं थीं। जांच के दौरान डॉ. गिरिश वर्मा ने उन्हें अपने चेंबर में बुलाया। जहां शुरुआत में एक नर्स भी मौजूद थी, लेकिन कुछ देर बाद नर्स कमरे से बाहर निकल गई। महिला ने पुलिस को बताया कि अल्ट्रासाउंड के दौरान डॉक्टर ने बुरी नीयत से छेड़छाड़ की और उनके साथ अभद्र हरकत करने का प्रयास किया। महिला ने डर के कारण घटना के समय किसी को कुछ नहीं बता पाई। जांच के बाद बाहर निकली तो परिजनों को डॉक्टर के हरकत को लेकर पति, सास और देवर को बताई। परिजनों ने डॉ के खिलाफ शिकायत करने थाने पहुंचे थे। इस मामले में डॉ. गिरीश वर्मा का कहना है कि महिला जांच कराने आई थी। उसने कहा कि वह अगले महीने खुशी की मिठाई लेकर आएगी। अचानक उसने यह आरोप लगाया। उनके ऊपर लगाए गए सारे आरोप गलत और निराधार हैं।

70 खाद्य सामग्रियों के लिए सैंपल, दो प्रतिष्ठानों पर 50 हजार का जुर्माना

दुर्ग। खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों ने जिले के होटल, ढाबा, किराना, डेयरी, मिठाई शॉप ईत्यादि प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का सघन निरीक्षण किया। 70 खाद्य सैंपल लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीर सागर पटेल ने मिथ्याचार अवमानक तथा अनुज्ञप्ति नवीनीकरण न कराने वाले प्रकरण में क्वालिटी मसाला धमधा को पर 20 हजार का जुर्माना लगाया। अन्य जगहों पर भी 50 हजार का जुर्माना वसूला।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, शनिवार 18 अक्टूबर 2025
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
7747020002, Message at - 9755819129

लाइव इवेंट

किशोर के चुलबुले, खुशी और दर्द भरे सदाबहार नगमों से सजी महफिल

भिलाई। स्वर सम्राट एवं अभिनेता किशोर कुमार की 39वीं पुण्यतिथि पर सेक्टर 5 स्थित ज्ञानगंगा ऑडिटोरियम में 'किशोर स्मृति संध्या' आयोजित की गई। रागमंजरी म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने पार्श्व गायक को श्रद्धांजलि के तौर पर उनके गाए रूमानी, चुलबुले, खुशी, जुदाई, दर्द जैसे उतार-चढ़ाव वाले विविध रंगों से सजे सदाबहार नगमे पेश कर श्रोताओं को सुरमयी एहसास कराया। गायक-गायिकाओं ने कार्यक्रम में ऐसा समां बांधा कि श्रोतागण कार्यक्रम के समापन तक अपनी सीटों पर जमे रहे।

- **किशोर दा की पुण्यतिथि पर रागमंजरी ने सदाबहार गीतों से दी स्वरांजलि**

इस गीत-संगीत कार्यक्रम में तपन नाथ, देबाशीष बिस्वास, शेखर गोखले, शिमु घोष, शर्मिला दत्त, जाह्नवी दत्ता, जीवनंदन वर्मा, प्रमोद ताम्रकार, पॉली घोष, जगदीश बामनिया, अजय कौशल और अखिलेश वर्मा ने सुरीली आवाज में गाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं किशोर दा के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। श्रोताओं से भरे ऑडिटोरियम में जब एक के बाद एक कलाकारों ने किशोर के अमर गीत प्रस्तुत किए, तो माहौल भावनाओं और यादों से सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम की एंकरिंग अखिलेश वर्मा ने की। जबकि साउंड संचालन की जिम्मेदारी संदीप सुर मिलन ने निभाई। इस अवसर पर एकांश बंछोर के प्रतिनिधि तोषु वर्मा ने कहा कि किशोर दा के गीतों में जीवन के हर रंग झलकते हैं और रागमंजरी ग्रुप का यह प्रयास भावनाओं को फिर से जीवंत कर गया। अंत में तपन नाथ ने सभी अतिथियों, कलाकारों और श्रोताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगीत आत्मा की भाषा है, और किशोर दा की स्मृति में यह संध्या हमारे हृदय में सदैव गूंजती रहेगी।

सिटी इवेंट

लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी ने सेवा सप्ताह में किए उत्कृष्ट कार्य

भिलाई। लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी द्वारा सेवा सप्ताह मनाया गया। इस दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन सरकारी अस्पताल जिला दुर्ग में किया गया और वहां नवजात शिशुओं को आवश्यक सामग्री किट के रूप में बांटी गई। गांधी प्रतिमा और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा में माल्यार्पण कर मिठाई बांटकर राष्ट्रभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्था द्वारा संचालित मानवता शाला बोरसी में किया गया। जिसमें खालसा पब्लिक स्कूल प्रथम व केंद्रीय विद्यालय द्वितीय रहे। तीसरे दिन जिला जेल में कैदियों को मेंटल हेल्थ जागरूकता और चरित्र निर्माण पर डॉ. संतोष राय द्वारा एक सेमिनार आयोजित किया गया। इस दौरान मुस्कान फाउंडेशन के फाउंडर मेंबर का सम्मान किया गया। डायबिटीज व रक्तचाप जॉच की शिविर और पोटिया कला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जहां 120 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। पोटिया प्राथमिक शाला में संस्कार शिक्षा पर सेमिनार के आयोजन में खेल सामग्री का वितरण किया गया। सातवें दिन सेक्टर-9 महाविद्यालय में मेंटल हेल्थ अवेयरनेस पर कार्यशाला आयोजित की गई। सेवा सप्ताह का समापन व रीजन चेयर पर्सन लायन एमजेएफ राजकुमार शर्मा की आधिकारिक यात्रा संपन्न कराई गई। सेवा सप्ताह में सहयोग किए गए सदस्यों व नागरिकों का सम्मान भी किया गया। इस दौरान लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी की अध्यक्ष अकांक्षा मिश्रा, सचिव हरमीत सिंह भाटिया, कोषाध्यक्ष अनिता तिवारी के अलावा अन्य लायन सदस्यों ने सेवा कार्यों में योगदान दिया।

● ट्विनसिटी के थोक और रिटेल मार्केट में धनतेरस से जुड़ी उम्मीद, सोने-चांदी के भाव बढ़ने का भी असर नहीं

ट्रेडिशनल बर्तनों की ओर बढ़ा रुझान, तांबा, पीतल-कांसे के बर्तनों का सजा बाजार, देवी- देवताओं की मूर्तियों को खरीदने का क्रेज

त्यौहारों के सीजन आते ही बाजारों में प्राचीन भारतीय परंपरा दिखाई देने लगी है। धनतेरस पर लोग इलेक्ट्रानिक सामान के साथ ही पुराने समय के ट्रेडिशनल बर्तनों की डिमांड करने लगे है। जिसमें तांबा, पीतल-कांसे के बर्तनों और देवी- देवताओं की मूर्तियों को खरीदने का क्रेज दिखाई दे रहा है। 'फेस्टिवल सीजन के लिए आज से तांबे, पीतल और कांसे का बर्तन बाजार लोगों की दस्तक से गुलजार होंगे। सोने-चांदी के बढ़े हुए भाव को देखते हुए एक बड़ा वर्ग धनतेरस पर घरेलू बर्तन के साथ आराध्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को घर ले जाने का विकल्प भी बाजार में में तलाशने के लिए निकलने लगा है। तांबे, पीतल और कांसे के बर्तन रिटेलर्स भी अब धनतेरस को खास बनाने के लिए बल्क में बुकिंग भी करवा लिये हैं। इससे शहर के प्रमुख बाजारों में आज ग्राहकों की आवाजाही से रौनक भी बढ़ेगी।

भिलाई। इस दिवाली को खास बनाने के लिए पावरहाउस थोक बर्तन बाजार में रौनक बढ़ने लगी है। प्रदेशभर में दुकानों का संचालन करने वाले व्यापारियों की माने तो इस फेस्टिवल सीजन में कारोबार बूम करने वाला है। इसकी बड़ी वजह त्योहार से पहले सोने और चांदी के भाव में आई तेजी है। इसे देखते हुए तांबा, कांसा और पीतल के व्यवसाय से जुड़े लोगों में धनतेरस पर जरूरी सामान खरीदने की परंपरा निभाने के लिए एक बड़ा वर्ग बर्तन बाजार का रूख करेगा, यह उम्मीद है। कारोबारी बताते है कि इस फेस्टिवल सीजन में प्रदेशभर में सिर्फ बर्तन मार्केट में ही 20 करोड़ से ज्यादा का व्यवसाय करने की आस जुड़ी हुई है। इसके लिए दुकान संचालकों ने लोगों की जरूरत और पसंद को ध्यान में रखते हुए बर्तनों की विशाल श्रृंखला अपने शॉप में सजाई हैं।

इन बर्तनों की रिटेलर्स सजा रहे हैं श्रृंखला

धनतेरस पर अच्छी ग्राहकी के लिए तांबे की बाल्टी, लोटा, गिलास, थाली की डिमांड रिटेलर्स का एक बड़ा वर्ग श्रृंखला सजाने के लिए बल्क में आर्डर बुक करवा चुके है। इसी तरह कांसे और पीतल के बर्तनों की पूछ परख भी दुकानों में बढ़ी है। इस बार रेट में ज्यादा अंतर नहीं होने से लोग धनतेरस को खास बनाने के लिए किचन में जरूरी सामानों में गुंडी, लोटा, थाली, गिलास, परात सहित बाल्टी और पेयजल रखने के लिए होला भी खरीदने में रुचि ले रहे हैं। इसे देखते हुए रिटेलर्स ने धनतेरस के लिए बर्तनों की श्रृंखला भी दुकानों में ग्राहकी बढ़ाने के लिए सजा चुके है।

पूजा के लिए देवी-देवताओं की मूर्ति खास

त्योहारी सीजन में ही नहीं, बल्कि सामान्य दिनों में भी धातु से निर्मित देवी-देवताओं की मूर्तियों के लिए ग्राहक आते हैं। ज्यादातर लोग धनतेरस और दिवाली की रात परिवार के लिए सजाए गए पूजाघर में आराध्य देवों की नई मूर्ति को स्थापित करने के लिए पूछ परख करते हैं। इस बार लक्ष्मी, गणेश और सरस्वती की संयुक्त मूर्तियों का क्रेज ज्यादा है। अब लोग मिट्टी की मूर्तियों के स्थान पर तांबा-कांसा और पीतल से निर्मित मूर्तियों को खरीदना पसंद करते हैं। लड्डू गोपाल, नारायण और लक्ष्मी, ब्रम्हा और गौरी-गणेश की मूर्तियों के लिए लोग वजन के हिसाब से आर्डर भी करते हैं।

नए-पुराने बर्तनों के लिए रेट में अंतर कम

दुकान संचालकों ने बताया कि थोक बाजार में तांबे के नए बर्तन को 1500 से दो हजार रुपए की रेंज में बेचा जा रहा है, जबकि पुराने बर्तन को एक हजार रुपए में वापस भी लिया जा रहा है। कांसे का रेट भी लगभग तांबे के बर्तन जैसा ही है। केवल पीतल के बर्तनों की खरीदी 700 से 1200 रुपए प्रति किलो में की जा रही है। पुराने बर्तनों को 500 रुपए प्रति किलो की दर से दुकानदार वापस भी ले रहे हैं। सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि ज्यादातर लोग पुराने बर्तन को बदलने के बाद और पैसे लगाकर नए बर्तन को धनतेरस के दिन खरीदना पसंद करते हैं। ग्राहकों की पसंद के लिहाज से तैयारी की गई है।

जागृति का संदेश: एड्स के कारणों, मिथक और वास्तविकताओं की दी जानकारी

भिलाई। डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय जामुल के राष्ट्रीय सेवा योजना रासेयो और रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में स्वयंसेवकों द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुरडुंग में एक दिवसीय एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन प्राचार्य डॉ. रमाशंकर सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया। अभियान के संचालन में रेड रिबन क्लब के अधिकारी डॉ. रमेश कुमार मेश्राम और राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी विनिता परगनिहा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को एड्स जैसी गंभीर बीमारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रिंस यादव, बीएससी तृतीय सेमेस्टर के स्वयंसेवक ने एड्स क्या है और इसके प्राथमिक लक्षणों के बारे में विस्तार से बताया। बीकॉम तृतीय सेमेस्टर नीतू निषाद ने एड्स के फैलने के कारणों पर प्रकाश डालते हुए मिथकों और वास्तविकताओं के बीच का अंतर स्पष्ट किया। बीएससी तृतीय सेमेस्टर की स्वयंसेविका ईशा साहू ने एड्स से बचाव एवं रोकथाम के सरल और प्रभावी उपायों की जानकारी दी, जिससे स्वस्थ और सुरक्षित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिल सके। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक गजेंद्र कश्यप, पी हेमा राव, छात्र-छात्राओं में रिया साहू, सानिया साहू, हिमांशु गायकवाड, टिकेश्वर राकेश निर्मलकर, जसमीत कौर, रूपेश कुमार की विशेष भूमिका रही। यह जागरूकता अभियान किशोर और युवा वर्ग को एड्स के प्रति जागरूक करने और उन्हें सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए किया गया था। कार्यक्रम में सुरडुंग विद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दीपावली उत्सव में बांटी मिठाई मेधावी बच्चों को दी गई छात्रवृत्ति

भिलाई। दीपावली के अवसर पर भिलाई महिला समाज द्वारा अपने सभी वर्कर्स को बोनस, मिठाई और मेधावी बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस दौरान सभी के चेहरे खुशी से खिल उठे। खुशियों की दिवाली का यह आयोजन समाज की संवेदनशीलता और अपने कर्मचारियों के प्रति अपनत्व का प्रतीक रहा। इस अवसर पर समाज की अध्यक्ष स्मिता गिरी, उपाध्यक्ष छवि निगम, आशा रानी, महासचिव सोनाली रथ, सह सचिव चैती पाल, कोषाध्यक्ष शिखा जैन, सह सचिव रीता तिवारी, वर्किंग कमेटी सदस्य रूखसाना शेख, सुषमा सलवटकर, सुधा शर्मा, रागिनी शर्मा सहित सभी मैनेजर, सुपरवाइजर और वर्कर्स उपस्थित रहे।

गूंजा लोकल बाजार से खरीदारी का संदेश, बढ़ी बाजारों में रौनक

आया त्योहार, चलो बाजार अभियान में लोगों को किया जागरूक, खुशियां मिलती हैं बाजारों में... दिया संदेश

कार्नर न्यूज

भिलाई। भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा चलाए जा रहे "आया त्योहार चलो बाजार" अभियान का समापन किया गया। इस अभियान के द्वारा आम जनता को जागरूक करने ऑनलाइन खरीदी के बजाय स्थानीय बाजारों से खरीदारी करने जागरुक किया गया।

"खुशियां मिलती हैं बाजारों में" के अंतर्गत महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि अभियान के दौरान चेम्बर की टीम ने बाजारों, सोसायटियों, मोहल्लों और कोचिंग सेंटरों में जाकर नागरिकों और युवाओं को जागरूक किया। उन्हें समझाया कि इस दीपावली स्थानीय दुकानों से खरीदारी करें, ताकि स्थानीय व्यापार को बल मिले और शहर की अर्थव्यवस्था सशक्त बने। इस जन जागरूकता अभियान का व्यापक असर शहर भर में दिखाई दिया। बाजारों में भीड़ और रौनक बढ़ी है, जिससे स्पष्ट होता है कि लोगों ने "चलो बाजार" के संदेश को हृदय से स्वीकार किया।

दिया गया स्वदेशी अपनाओ, स्थानीय को बढ़ाओ का संदेश

भिलाई चेम्बर के अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने बताया कि यह अभियान व्यापारी और उपभोक्ता के बीच विश्वास और अपनत्व का सेतु बना है। उन्होंने कहा कि चेम्बर का उद्देश्य न केवल व्यापार को बढ़ावा देना है, बल्कि समाज में "स्वदेशी अपनाओ, स्थानीय को बढ़ाओ" का भाव भी मजबूत करना है। इस अभियान के तहत जी एस टी के संशोधन मूल्य पर बाजारों में दुकानदार बिक्री कर रहे है। भिलाई चेम्बर के चेयरमैन दिनकर बासोतिया ने कहा कि अभियान के अंतर्गत सभी बाजारों में पार्किंग व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई, जिससे ग्राहकों को सुविधा मिली और खरीदारी का अनुभव सहज बना। इस अभियान जे तहत सिक्के वितरण का कार्यक्रम भी किया गया। जिससे चिल्हर की किल्लत समाप्त हुई। सिक्का वितरण में मुख्य रूप से राम ओबेरॉय, दर्शन खटवानी और मनोहर कृष्णानी मौजूद रहे।

बाजारों में व्यवस्था हुई दुरुस्त

इस अभियान के तहत प्रशासन नगर निगम अधिकारियों से मुलाकात कर बाजारों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त की गई एवं बाजारों में अतिक्रमण व रोड में दुकान लगाने वालों पर कार्यवाही कर व्यवस्था सही की गई। इस व्यवस्था के लिए दिलीप केसरवानी, शिवराज शर्मा, निरंकार सिंह ने ने बताया कि कलेक्टर और पुलिस विभाग से संपर्क कर बाजार की सुरक्षा सुदृढ़ की गई और बाजारों में प्रकाश व्यवस्था भी ठीक की गई।

जारी रहेंगे जनहितकारी अभियान

चेम्बर के पदाधिकारियों ने शहरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से यह अभियान सफल रहा और आने वाले समय में भी ऐसे जनहितकारी अभियान जारी रहेंगे। अभियान में सुनील मिश्रा, महिला चेम्बर की अध्यक्ष सुमन कन्नोजे, प्रभारी सरोजनी पाणिग्रही, सविता शर्मा, पवन जिंदल, चिन्ना राव, रितेश अग्रवाल, विकास जायसवाल, अखिलेश सिंह, विजय मिश्रा, विकास पांचाल और शंकर सचदेव की विशेष भूमिका रही।

समस्त प्रदेशवासियों को
धनतेरस, दीपावली
गोवर्धन पूजा, मातर
एवं भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं...
शुभ दीपावली
ललित चन्द्राकर
विधायक दुर्ग ग्रामीण - 63
उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा)
छ.ग. राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग
क्षेत्र विकास प्राधिकरण
छत्तीसगढ़ शासन रायपुर
मनोज (गोलू) चंद्राकर
सांसद प्रतिनिधि अंडा

BMC
विद्या ददाति विनयम्

बी.एम. कॉलेज

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) से संबद्ध

BCA BBA PGDCA B.Ed. CODE 114336

बी.एम. आई.टी.आई.

एनसीवीटी दिल्ली एवं छ.ग. शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

- इलेक्ट्रिशियन
- कोपा (कम्प्यूटर)
- डीजल मैकेनिक
- फायर टेक्नालॉजी
- स्टेनो (हिन्दी)
- हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर

iti Industrial Training Institute
Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

TOPPER LIST

P.G.D.C.A.

BHUNESHWARI 1ST Rank (66.50%)
NEHA 2ND Rank (65.90%)
TIKESHWARI 3RD Rank (64.90%)

B.ED.

VINITA 1ST Rank (80.24%)
LAXMI SUDHAKAR 2ND Rank (79.41%)
POOJA DEWANGAN 3RD Rank (78.59%)

TOPPER LIST I.T.I.

ELECTRICIAN

KIRAN NISHAD 1ST Rank (88.75%)
SUMIT SAHU 2ND Rank (86.34%)
VIDHYADHAR HARPAL 3RD Rank (85.16%)

COPA

SHALINI SAHU 1ST Rank (94.17%)
YUSHI SAHU 2ND Rank (91.17%)
ANJU TIGGA 3RD Rank (88.00%)

STENO (HINDI)

YUGALKISHOR 1ST Rank (97.33%)
PRAVEEN 2ND Rank (96.33%)
PRASHANT 3RD Rank (96.00%)

DIESEL MECHANIC

NITISH KUMAR 1ST Rank (92.66%)
MD. NAYYAR RAZA 2ND Rank (82.33%)
AASHISH 2ND Rank (92.33%)
LUCKY SAHU 3RD Rank (92.16%)

FIRE & INDUSTRIAL SAFETY MANAGEMENT

RAKESH KERKETTA 1ST Rank (91.33%)
SONU KUMAR 2ND Rank (89.67%)
BHUPESH 3RD Rank (89.50%)

HEALTH & SANITARY INSPECTOR

LEELARAM 1ST Rank (95.67%)
TARUN KUMAR 2ND Rank (92.50%)

OTHER ACTIVITY

गोकुल नगर, पुलगाँव, (शासकीय आई.टी.आई. के पीछे) दुर्ग (छ.ग.)
मो. : 8770638793, 9340311314, 9303893829, 9300850065

समर्थ डेव्हलपर्स एंड बिल्डर्स

प्लाट, मकान, फ्लैट, खेत, फार्म हाउस

लुचकी चौक, तमेर पारा, दुर्ग (छ.ग.), मो. 93038-93829, 70007-86118

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025
[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

न्यु ओम ज्वेलर्स
हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री
शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता
टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध
जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाउस, भिलाई SUNDAY OPEN
शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है
▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री
संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

नया राज्य बनने के 25 साल पूरे होने पर इस बार रहेगा दीयों का विशेष त्योहार

इस बार छत्तीसगढ़ मनाएगा दीपावली की सिलवर जुबली

दीपावली का त्योहार शुख समृद्धि के साथ लोगों को खुशियों की बड़ी सौगात दे रहा है। अभिभाजित मध्य प्रदेश से अलग होने के बाद अब छत्तीसगढ़ 25 साल का हो गया है। इस बार राज्य की जनता सिलवर जुबली दीपावली मनाकर 25वें साल के दिये जलाएगी। छत्तीसगढ़ बंटवारे के बाद अबकी बार यह बड़ी बात है जब छत्तीसगढ़ 25 साल का हो गया है। उसके स्वागत में पूरे छत्तीसगढ़ में दीप जलाए जा रहे हैं। यह संयोग नहीं छत्तीसगढ़ को विकास की डगर पर ले जाने का एक संकल्प भी है।

हर घर में नई उमंग और उत्साह के साथ लक्ष्मीपूजा का उत्सव मनाने की चल रही तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

राज्य के कुछ समाजसेवी और जनता प्रदेश के विकास का संकल्प दोहराते हुए एक दीया 25वें साल का नाम से दिया जला रहे हैं। छत्तीसगढ़ के हर घर में खुशियां लेकर लक्ष्मी जी आएं। उनका मानना है कि पूरा साल खुशियों से भरा रहे इस कामना के साथ सभी लोगों ने अपने अपने घरों की दहलीज पर मन्नत के कई दीये जलाये हैं। प्रदेश की जनता की हर मन्नत पूरी हो इसके लिए एक दीया राज्य के विकास के नाम पर सभी को रोशन करना चाहिए। अपना छत्तीसगढ़ शुक्रवार को 25वें साल में प्रवेश करने जा रहा है। छत्तीसगढ़ के विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम एक दीया जरूर जलाना है। नक्सलवाद के खात्मे और विकास के बढ़ते बस्तर में कदम को इस्तकबाल करने का वक्त है। हमें ये प्रण करना चाहिए की हमारे एक दीये की रोशनी से विकास का उजियारा फैलेगा, भय का अंधेरा खत्म होगा।

पहले से अधिक बेहतर चिकित्सा व्यवस्था

जब छत्तीसगढ़ 25वें साल में प्रवेश करते हुए सिलवर जुबली दिवासी मना रहा है। तो ऐसे में विकास की रफ्तार में भी वो आगे बढ़ा है। पहले की मुकाबले यहां चिकित्सा सुविधाएं बेहतर हुई हैं। खासकर दीपावली के त्यौहार की बात करें तो इस बार बर्न यूनिट को अपडेट किया गया है। डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है। दवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। लोगों को निशुल्क और कम खर्च में बेहतर सुविधाएं मिलें इसके लिए राशन कार्ड, स्मार्ट कार्ड व अन्य सुविधाओं के जरिए इलाज मुहैय्या कराया जा रहा है।

पुलिस व्यवस्था दुरुस्त

त्यौहार में किसी तरह की कोई अनहोनी ना हो इसको रोकने के लिए पुलिस व्यवस्था दुरुस्त की गई है। हर चौक चौहारे में पुलिस का पहरा होगा। पेट्रोलिंग पार्टियां भी मूव करती रहेंगी। दुर्ग जिले के एसएसपी विजय अग्रवाल ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरा प्लान तैयार किया है और उसके तहत ही सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने की बात कही है।

धनतेरस एवं दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
CLASSIC
INTERIOR/ EXTERIOR DECOR & SMRITI POTS
कॉस्टमीज्ड आर्टिफिशियल ट्री, आर्टिफिशियल फ्लॉवर, प्लान्ट्स, डिजायनर फाउन्टेन, वर्ल्ड क्लास एक्वेरियम, वर्टीकल गार्डिन आयटम, इन्टोर/आऊटडोर डेकोरेटिव आयटम घर, फार्म हाऊस, बंगलो, शॉप, मैरिज हॉल को सजाने के लिए बहुत सारे आयटम उपलब्ध है। हरा घास, पीला घास, नीला घास और अन्य साज-सज्जा के बहुत सारे कलेक्शन उपलब्ध है।
हम आपके सपनों को डिजाइन करते हैं
सभी प्रकार के स्मृति पॉट्स, पॉट्स फाइबर, ग्लास, वूडन, सिरेमिक, डेकोरेटिव आयटम, ब्लू पोटेटरी, मेटल, प्लास्टिक के डेकोरेटिव आयटम इन्डोर/आऊटडोर प्लान्ट्स

गील कॉम्प्लेक्स 1st फ्लोर यशोदा नंदन हॉस्पिटल के पास, गुरुद्वारा रोड स्टेशन रोड, दुर्ग, फोन : 9826707244, 9399445171, 7879714628

HAPPY Diwali

SWIMMING POOL FOR IN HOUSE GUEST
छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं
Hotel Amit International
Next Maurya Talkies, Supela Bhilai Chhattisgarh-490023, 0788-403664 +91 9617787475
Hotel Amit Park International
Beside Bhilai Nagar Nigam, G.E. Road Supela, Bhilai, (C.G) 490023 +91 9174001910

Book Your Hotel Stay
Amit Group of Hotels
Where Hospitality Meets Excellence
Hotel Facilities:
- All Air-Conditioned Specious & Well- Furnished Rooms
- Fine Dining Restaurants
- Banquet Halls for Weddings & Conferences.
- Buffer Breakfast, Premium WiFi
- Swimming Pool & Gymnasium for in -house guest.
- Business Centre & Travel Assistance
- 24x7 Room Service
- Valet Parking

Standard Room
Banquet Halls
Restaurants
+91-9174001910 +91-9174001901 Supela, Bhilai (C.G.)

घर को सजाने के लिए सोशल मीडिया पर भी दिए जा रहे अलग-अलग टिप्स

दिवाली के लिए घर को कैसे सजाएं

दिवाली हिंदुओं का एक बड़ा त्योहार है, जिसका आध्यात्मिक महत्व है। दशहरे के बाद दिवाली के लिए लोग तैयारियां करने शुरू कर देते हैं। दिवाली रोशनी, घर की साफ-सफाई, घर को सजाने के लिए चीजों की खरीदारी, यानी दिवाली का घर की डेकोरेशन से गहरा नाता है। आपका घर छोटा हो या बड़ा, चाहे आप किराये के मकान में रहते हों, लेकिन दिवाली के मौके पर घर की सजावट करने से घर में लक्ष्मी आती है और घर को हम फेस्टिव और कोजी बना सकते हैं। दिवाली पर घर को सजाना एक ऐसा काम है, जिसमें परिवार का हर सदस्य भागीदारी करता है, घर की साफ-सफाई हो या अंदर-बाहर लाइटिंग लगाना। घर की इंटीरियर हो या मंदिर की सजावट, घर का हर सदस्य उत्साह के साथ दिवाली पर घर को सजाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इस बार इस फेस्टिव सीजन में कैसे घर को सजाएं, आइए जानें।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

मुख्य द्वार की सजावटः दिवाली के लिए मुख्य द्वार सजाना यानी घर के भीतर-बाहर से आने वाले को अच्छेपन का एहसास कराना है। दरवाजे के लिए लाइटिंग करें और दरवाजे को फूल और आम के पत्तों के साथ पारंपरिक रूप से सजाएं।

प्रवेश द्वार के आगे अगर पर्याप्त स्थान है, तो वहां दीये, फ्लोटिंग मोमबत्तियां रखकर उसे भव्यता प्रदान करें। प्रवेश द्वार को सजाने के लिए प्राकृतिक फूलों का इस्तेमाल करें, जो घर की नकारात्मकता को दूर करके हमारे मूड को बेहतर बनाते हैं। इसके लिए नारंगी और पीले रंगों को शुभ माना जाता है।

इंडोर प्लांट्स से करें सजावट

घर के गमलों को दिवाली से पहले ही सुंदर पेंट से सजाकर, इनमें लगे इंडोर प्लांट्स की अच्छी तरह सफाई करके इनसे पर्यावरण अनुकूल तरीके से घर को सजाया जा सकता है। छोटे फर्न, बोंजाई और मनी प्लांट लगाएं। इन्हें रैक में रखें या घर के अलग-अलग कोनों में रखकर इन्हें लाइटिंग से सजाएं।

रग्सः

घर के सोफा सेट में सजावटी कुशन कवर, चमकीले गलीचे और रग्स व पायदान आपके घर की लुक को पूरी तरह से बदल देते हैं। इस त्योहारी मौसम के लिए अलग ब्राइट कलर के रग्स खरीदकर, उन्हें दीवारों और फर्नीचर के साथ कंपेयर या कंट्रास्ट करके सजा सकते हैं।

पूजा कक्ष की सजावट

दिवाली के लिए पूजा कक्ष की सजावट भी नए तरीके से कर सकते हैं। अगर मंदिर नए सिरे से बनाना या लेना है, तो अच्छा, टिकाऊ,

मजबूत और कलात्मक मंदिर का चयन करें और उनमें पीतल या दूसरे मैटेरियल की मूर्तियां सजाएं। मंदिर को फूलों, दीयों से सजाएं और सजावट के सामान और मूर्तियों को रखने के लिए पीले या लाल, चमकीले, गोटे वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। इन्हें घर में भी बना सकते हैं या बाजार से भी ले सकते हैं।

घर के पर्दे

दिवाली के अवसर पर अगर बजट है, तो पर्दों में भी विकल्प चुने जा सकते हैं। अपनी जरूरतों के मुताबिक गहरे या हल्के रंग के पर्दों का चयन करें। इस सीजन में बाजार में काफी वैरायटी मिलती है। इसके लिए पारंपरिक ब्राउन या मैरून का चयन कर सकते हैं। पर्दों के साथ-साथ उन पर लाइट भी लटका सकते हैं, जिससे कमरों में रोशनी हो। अगर कमरे में बड़ी खिड़कियां हैं, तो उनके भी पर्दों में लाइटिंग इफेक्ट देकर इसे सुंदर बना सकते हैं।

सेंटर टेबल

दिवाली के त्योहार पर सेंटर टेबल को नए तरीके से सजाया जा सकता है। इन पर हरे पौधे, लाइटिंग, डेकोरेटिव दीये, फ्लावर पॉट, कलात्मक मूर्तियां रखकर घर के खाली कोनों में भी छोटी टेबल बनाकर नया लुक क्रिएट किया जा सकता है। दोस्तों और परिवार के साथ डाइनिंग टेबल पर खाने के लिए बैठने से पहले इसकी भी सजावट अलग तरह से कर सकते हैं। रोजमर्रा के इस्तेमाल की कटलरी की बजाए नई कटलरी का इस्तेमाल करें। पॉटरी से रोजमर्रा के बर्तनों से अलग हटकर कुछ अलग कर सकते हैं। डाइनिंग टेबल के बीच में फ्लोटिंग कैंडल्स रखी जा सकती हैं।

प्रवेश द्वार पर रंगोली

रंगोली के बिना दिवाली का जश्न अधूरा होता है। अगर घर के सामने की सीढ़ियों पर दीये रखने हैं, तो प्रवेश द्वार के आगे की तरफ खूबसूरत सी रंगोली बनाएं। रंगोली के डिजाइन बाजार में बने-बनाए भी मिलते हैं। रंगोली डिजाइन को फूलों और सजावटी दीयों के इस्तेमाल से और ज्यादा आकर्षक बना सकते हैं।

सजावटी दीये

दिवाली त्योहार है रोशनी का, घर के अंदर और बाहर, आंगन, बालकनी, हर दिशा में पारंपरिक सादे दीयों की बजाय सजावटी और कलात्मक दीयों का इस्तेमाल करें। हिंदू पौराणिक मान्यताओं के अनुसार घर के अलग-अलग कोनों में कम से कम हमें 13 दीये जलाकर घर के अलग-अलग हिस्सों को रोशन करना चाहिए। घर में अगर सीढ़ी है, तो उसका भी इस्तेमाल सजावट के लिए किया जा सकता है। इन पर सुंदर कलाकृतियां

जीवन का तम हर लेंगे ये पंचदीप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दिवाली अंधेरे पर उजाले, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय का त्यौहार है। इस अवसर पर हर व्यक्ति अपनी समृद्धि और सफलता की कामना करता है। अगर आपके जीवन में कहीं अंधेरा नजर आ रहा हो तो उसे अपनी लगन, मेहनत, जुनून और उम्मीद के दीए जलाकर दूर करें और अपने जीवन को जगमग कर लें।

उम्मीद का दीया

कई बार जीवन की शुरूआत बहुत संघर्षमय होती है। मुसीबत से लड़ते-लड़ते काफी समय बीत जाता है। ऐसे में अतीत की कड़वी यादें और जीवन का अत्यधिक समय नष्ट हो जाने पर मन में नकारात्मकता का भाव आने लगता है। आप हर किसी से अपनी बीमारी, संघर्ष या असफलता का जिक्र करने लगते हैं। आप लोगों से कहने लगते हैं कि आप भीतर से टूट चुके हैं। ऐसा न करें। पुराने अनुभवों से सबक सीखें और आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। जब तक सांस तब तक आस। इस वाक्य को अपना मंत्र बना ले उम्मीदों का उम्मीद के यह दीप एक न एक दिन आपके जीवन को अवश्य रोशन करेंगे।

संभावनाओं का दीया

जब हम चौतरफा मुसीबत से घिर जाते हैं तो कई बार बिना लड़े ही हार मान लेते हैं। होता यह है कि हम खुद ही नहीं समझ पाते कि हम बेचैन क्यों हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि हम अपनी छिपी हुई भावनाओं को पहचानें। पुस्तक 'योर हिडेन पोटेंशियल' में लिखा है जैसे-जैसे आप अपनी छिपी हुई क्षमताओं, संभावनाओं और कौशल को स्वीकार कर पाएंगे वैसे-वैसे उनका बेहतर उपयोग भी कर पाएंगे। कोई और नहीं आप खुद ही तय करते हैं कि अपने जीवन के साथ क्या करना है।

विनम्रता का दीया

मन खराब रहने की स्थिति में हमारा स्वभाव जरा चिड़चिड़ा हो जाता है। हमें लगता है कि लोग हमारी मदद नहीं कर रहे और साथ नहीं दे रहे। ऐसे में हम लोगों के साथ उग्रता या कड़वाहट के साथ पेश आने लगते हैं। हमें समझना होगा कि हमारे कटु वचन बोलने या चिढ़ने से जो मदद करना भी चाहेंगे वह बिल्कुल नहीं करेंगे। साथ ही आपकी छवि भी खराब होगी। जान लें कि कोई व्यक्ति अकेले समृद्ध नहीं हो सकता। हम अकेले जीने के लिए नहीं बने हैं। बेहतर होगा कि जीवन में उजियारे के लिए अच्छी संगत, उदारता, विनम्रता और मिलनसारिता के दीपक जलाएं।

उत्साह का दीया

जो भी काम करें, दृढ़ संकल्पित होकर करें। काम पूरी निरंतरता, परिश्रम और सक्रियता से करें। यह उत्साह आपके जीवन को प्रकाशमान कर देगा। सकारात्मक विचार वाले लोगों में नित नई जानकारी हासिल करने और पॉजिटिव तरीके से सोचने के कारण मुश्किलें हल करने का अद्भुत कौशल विकसित हो जाता है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि ऐसे लोगों में काम के प्रति उत्साह और ऊर्जा होती है। प्रोफेसर बारबरा फ्रेडिक्शन ने अपनी पुस्तक 'पॉजिटिविटी' में कहा है कि सकारात्मकता रोशनी की तरह है, उसका एक कतरा ही काफी होता है नेगेटिविटी के अंधकार को दूर करने के लिए। इसी प्रकार टाल-मटोली करने की आदत आपको लगातार पीछे धकेलती है। बेहतर होगा कि आप सक्रियता और सकारात्मक का दिया जलाएं और जीवन को प्रकाशमान बनाएं।

आस्था का दीया

आध्यात्मिक शक्ति की ताकत हमें तमाम नकारात्मक परिस्थितियों से उबरने में सक्षम है। ईश्वर या किसी भी अदृश्य शक्ति पर आपका अटूट भरोसा आपको यह विश्वास दिलाता है कि आप एक दिन कामयाब जरूर होंगे और इस ब्रह्मांड में कोई अच्छी ताकत है।

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025
[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

घर की सफाई और रंग-रोगन करने को लेकर दिखा रहा उत्साह

घर जब चमकेगा तभी तो त्योहार दमकेगा

दशहरे का उत्सव खत्म होते ही लोग दिवाली की तैयारी करना शुरू कर देते हैं। दिवाली की साफ-सफाई एक लंबा काम होता है। अगर इसे दशहरे के बाद से तुरंत शुरू कर दिया जाए, तो एक-एक दिन कैसे गुजर जाता है, पता ही नहीं चलता और सफाई का काम इतना ज्यादा फैल जाता है कि दीपावली तक वह पूरा भी नहीं हो पाता। अगर आप भी अपने घर की सफाई शुरू करने वाले हैं, तो कैसे स्मार्टली घर की पूरी साफ-सफाई करें ताकि समझदारी से सही समय पर शुरू करके इसे क्रमबद्ध तरीके से करके आप कम मेहनत में घर को फटाफट साफ कर सकें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

वाइटवॉश अगर कराना है

इस सीजन में अगर आपको लगता है कि घर की वाइटवॉशिंग जरूरी है, तो इसके लिए तुरंत तैयारी कर लें। क्योंकि घर अगर बड़ा है, तो इसमें काफी समय लग सकता है। वाइटवॉश कराने से पहले घर के भीतर या बाहरी हिस्सों में टूट-फूट को पहले दुरुस्त करवा लें ताकि वाइटवॉश का काम समय पर हो सके।

घर का बेकार सामान बेचें

घर में पुराने पड़े इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, पुराने बर्तन, बेकार कूलर और दूसरा कबाड़ साथ के साथ बेचते रहें। पुरानी किताबें, कॉपियां, अखबार की रद्दी, इनको भी तुरंत घर से बाहर करें ताकि वाइटवॉश के बाद अलमारियों में नई चीजों के लिए जगह बनाई जा सके।

अलमारी के कपड़ों और बिस्तरों को धूप लगवाएं:

अक्टूबर माह की अच्छी कड़क धूप में घर के बिस्तर, कंबल, अलमारियों के कपड़े, साड़ियां, गर्म कपड़े, सभी को एक-एक करके बाहर धूप में सुखाएं। सुखाने के बाद उनमें फिनाइल की गोलियां डालकर रखें।

किचन की साफ-सफाई

घर की साफ-सफाई में सबसे ज्यादा काम किचन की सफाई का होता है। अगर किचन ज्यादा गंदी हो और घर के बाकी हिस्से साफ-सुथरे हैं, तो किचन की वाइटवॉश करवा लें। किचन में अगर वुडन अलमारियां हैं, तो इनकी सफाई ज्यादा अच्छी तरह से करनी होती है, क्योंकि इनमें तेल और गंदगी की वजह से कीड़े-मकोड़े पैदा होने का खतरा रहता है। किचन में भी पुराने और टूट-फूटे बर्तनों को रसोई से बाहर करें। स्टील के बर्तनों को बेचकर उनकी जगह पर नए बर्तन भी लिए जा सकते हैं।

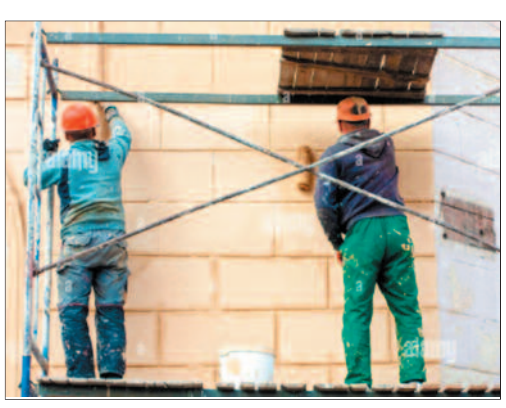

दरवाजे, खिड़कियां साफ करें

जिस दौरान घर के जालों की सफाई कर रहे हों, तो साथ के साथ दरवाजे और खिड़कियों के ऊपर जमा धूल-मिट्टी अच्छी तरह साफ कर लें और उनके ग्रिल और हैंडल पर लगी गंदगी की भी अच्छी तरह सफाई करें। जिस दिन घर के पर्दों की धुलाई की जानी है, दरवाजे और खिड़कियों को भी उसी दिन अच्छी तरह साफ कर लें।

बाथरूम की सफाई

बाथरूम की नियमित सफाई करते रहना चाहिए ताकि दिवाली के अवसर पर बहुत ज्यादा गंदे बाथरूमों की सफाई न करनी पड़े। इसके लिए सफाई में इस्तेमाल होने वाला टाइल क्लीनर इस्तेमाल करें। बाथरूम की टाइलों को अच्छी तरह साफ करने के बाद नलों पर जमा गंदगी और वॉशबेसिन की भी अच्छी तरह सफाई करें। इसके लिए सफेद सिरका और बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकते हैं।

फर्श की सफाई

जिस समय कमरे की सफाई कर रहे हों, साथ के साथ आयरन स्क्रबर और क्लीनर से फर्श की सफाई करते रहें। कमरे के एक हिस्से की फर्श की सफाई करने के बाद सामान साफ किए हुए हिस्से में रखकर दूसरी जगह पर इसी तरीके से सफाई करें ताकि पूरे घर की फर्श अच्छी तरह साफ हो जाए। फर्श की सफाई सबसे आखिर में करें और प्रतिदिन इन्हें रगड़कर साफ करें।

एक-एक कमरे से शुरुआत करें

सफाई के लिए इस काम को कहीं से भी शुरू करने की बजाए बारी-बारी से एक कमरे की सफाई करें। कमरे में सबसे पहले उस हिस्से की सफाई करें, जहां सबसे ज्यादा गंदगी रहती है, जैसे स्टोर रूम या कॉमन रूम। इन जगहों के वार्डरोब के कपड़ों को अच्छी तरह धूप दिखाकर समेटते जाएं और पुराने कपड़ों को, जिनका इस्तेमाल लंबे समय से नहीं कर रहे हैं, उन्हें भी घर से बाहर करें। क्योंकि कपड़ों को संभालना भी एक बड़ा टास्क होता है।

अलमारियों को करें व्यवस्थित

अगर आप वाइटवॉश करवा रहे हैं, तो अलमारियां वुडन हों या स्टील वाली, उनको भीतर से अगर पेंट या पॉलिश करा लिया जाए, तो उनमें दीमक लगने का खतरा कम रहता है। घर की सफाई में सबसे पहले अलमारियों को व्यवस्थित करें। अलमारियों में रखी बेकार चीजों को निकालकर फेंक दें या किसी जरूरतमंद को दे दें। अलमारियों में सामान ऑर्गनाइजर्स के जरिए लगाएं। अगर कबर्ड में ही सामान रखना है, तो नीचे प्लास्टिक की शीट बिछा दें।

गार्डन की भी करें सफाई

दीपावली का मौका हो और घर की साफ-सफाई के साथ-साथ गार्डन की अच्छी तरह सफाई करना भी लाजिमी हो जाता है। इसके लिए पुराने, टूटे-फूटे गमलों को हटाकर नए गमलों से गार्डन को सजाएं। बारिश के बाद पौधों की प्रूनिंग करें और गार्डन के पौधों और गमलों की जगह में भी परिवर्तन करें। क्योंकि मौसम बदलने के साथ-साथ अब गार्डन की सेटिंग भी बदल डालें।

पर्दे, चादर व कुशन कवर की करें धुलाई

घर में अलग-अलग जगहों पर लगे पर्दे, सोफा कवर, कुशन कवर, इन सभी को धीरे-धीरे करके धोएं। इन सबको एक साथ धोने से पूरा घर अव्यवस्थित हो सकता है।

रंग : बिरंगी रंगोली से सजाएं आंगन

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

दीपावली की सजावट में आंगन-द्वार पर सजी रंगोली से अलग ही रौनक दिखती हैं हम यहां आपको बता रहे हैं कुछ आसान-आकर्षक रंगोली डिजाइन के बारें में। दीपावली पर देवी लक्ष्मी का स्वागत बिना रंगोली के अधूरा होता है। दीपावली के पांचों दिन आंगन में रंगोली सजी हो, तो किसे अच्छा नहीं लगेगा। इस बार क्यों न दिवाली पर अलग तरह से रंगोली बनाकर अपने घर-आंगन को खुशियों के रंगों से भर दें।

ट्रेडिशनल बिंदु वाली रंगोली

ट्रेडिशनल बिंदु वाली रंगोली दिवाली पर हमेशा से ही पसंद की जाती हैं। इसे बनाना शुभ माना जाता हैं। भले ही इसे बनाने में समय लगता है पर तैयार होने पर बेहद खूबसूरत लगती हैं। अगर आप बिगनर्स हैं तो इस तरह की रंगोली बना सकती हैं। इसमें बिंदु या बिंदु छाप या सफेद चाक की मदद से खूबसूरत पैटर्न बनाए जाते हैं। इसमें ज्यादातर कृष्ण जी, गणेश जी, लक्ष्मी चरण, स्वास्तिक, स्टार, फूल, दीपक, जिओमैट्रिकल, मोर या दक्षिण भारतीय जैसी पैटर्न बनाए जाते हैं, कभी यह सीधी एक भी घुमावदार डिजाइन में भी बनाई जाती हैं। आप इसे केवल सफेद आउटलाइन के रूप में छोड़ सकती हैं या रंगोली पाउडर, हल्दी चावल और रंग-बिरंगे अनाज से रंग भरकर और आकर्षक बना सकती हैं।

फूलों वाली रंगोली

इस तरह की रंगोली जल्दी बन जाती है और इसे सजाने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं लगती। दिवाली पर इस तरह की रंगोली भी बना सकती हैं। इसे बनाने के लिए आप अलग-अलग तरह के ताजे फूल, सूखे फूल, पेटल्स और पत्तियों का इस्तेमाल करके शानदार रंग-बिरंगे पैटर्न और डिजाइन बना सकते हैं। आप इसे किसी भी आकार में बना सकती हैं गोल, चौकोर, साइड में। बीच में छोटे दिए रख दें। जब इस रंगोली पर दीयों की रोशनी चमकती हैं तो यह और भी खूबसूरत लगती हैं।

रेडीमेड रंगोली

अगर आप रंगोली बनाने में एक्सपर्ट नहीं हैं, आजकल बाजार में रेडीमेड रंगोली स्टेंसिल मौजूद हैं। ये स्टेंसिल आप कई बार इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इनमें आपको अलग-अलग डिजाइन और शेप मिलते हैं। जैसे धार्मिक चित्र, ॐ, स्वास्तिक और फेस्टिवल के अनुसार डिजाइन। आप अपनी क्रिएटिविटी अनुसार इन स्टेंसिल का उपयोग करके रंगोली को और भी खास बना सकते हैं। साथ ही इन दिनो डी.आई.वाई.रंगोली किट भी ट्रेंड में हैं। इस तरह की किट में डिजाइन शीट, कलर और सजावट का समान एक साथ आता हैं। बस आपको इसमें रंग भरना होता हैं और मिनटों में सुंदर रंगोली रेडी हो जाती हैं।

पानी पर रंगोली

अगर आप कुछ नया और अलग आजमाना चाहती हैं तो इस बार पानी पर रंगोली बनाना एक बेहतर विकल्प है। पानी पर बनी रंगोली न केवल आकर्षक दिखती हैं बल्कि इसे संभालना और सजाना आसान होता हैं। इसके लिए किसी चौड़े बर्तन या थाली में पानी भरें और ऊपर से कुछ बूंदे तेल की डालें, ताकि रंग पानी में फैलें नहीं। आप चाहें तो थाली के अंदर की सतह पर पहले हल्का तेल लगा सकती हैं। इससे रंगोली ज्यादा देर तक टिकती हैं। फिर धीरे-धीरे रंग या फूलों के पेटल्स से अपनी पसंद का पैटर्न बना लें। इसे और आकर्षक बनाने के लिए आप इसमें फ्लोटिंग दीयों या अरोमा केंड्ल्स से भी सजा सकती हैं।

दुर्ग-भिलाई के बाजारों में होगी जमकर धन वर्षा

धनतेरस में जमकर बरसेगा धन, चमका बाजार सरफा बाजार की उम्मीदें पहले से अधिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

दुर्ग जिले में धनतेरस के दिन जमकर धन बरसेगा। इस धन को अधिक से अधिक समेटने के लिए बाजार पूरी तरह से गुलजार हो चुके हैं। भले ही सोने और चांदी के भाव आसमान छू रहे हैं, लेकिन साराफा कारोबारियों की उम्मीदें पहले से अधिक व्यापार होने की है। इसे लेकर आकर्षक डिजाइन वाली ज्वेलरी से बाजार सज गया है।

भिलाई और दुर्ग जिले की बात करें तो यहां धनतेरस से दो दिन पहले गुरुवार को ही बाजारों में खासी रौनक देखने को मिली। बाजार में जमकर भीड़ देखी गई। मानो हर कोई लक्ष्मी आगमन की तैयारी में जुटा हो। दीपोत्सव के त्योहार पर शनिवार को धनतेरस से ही जिले के बाजारों में करोड़ों रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। शनिवार को धनतेरस के शुभ मुहूर्त में लोग चांदी, सोना, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं खरीदेंगे। व्यापारियों के चेहरों पर भी उत्साह छलक रहा है। अकेले दुर्ग भिलाई में ही धनतेरस पर करीब 150 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। यहां हलवाइयों की दुकानों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, आटो मोबाइल, ज्वेलर्स, कपड़ा और अन्य बाजार पूरी तरह से ग्राहकों को अपनी ओर लुभाने के लिए तैयार हैं। दुकानों के आगे टेंट लगना शुरू हो गया है। दुकानों पर रंग-बिरंगी झालरें, सुनहरी सजावट और डिस्काउंट ऑफर्स ने ग्राहकों का मन मोहने की तैयारी चल रही थी। सोने-चांदी के शोरूमों पर खरीदारों की लंबी कतारें नजर आईं। दुकानदारों ने खास धनतेरस सेल के तहत आकर्षक ऑफर्स और उपहारों से लुभा रहे थे। सोने-चांदी के दाम बढ़ने से के बावजूद मांग में कमी नहीं आई। लोग शगुन के लिए चांदी का सिक्का और आभूषण खरीदने पर अधिक जोर दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि घर की परंपरा निभाने के साथ निवेश का भी यही सबसे शुभ दिन माना जाता है।

आभूषणों से लेकर ऑटोमोबाइल तक सबकी बिक्री बढ़ी

इस बार सोने-चांदी के बाजार के साथ ही ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी धनवर्षा की उम्मीद है। इनसे जुड़े शो-रूमों में ग्राहकों की भीड़ गुरुवार से शाम से ही बढ़ गई थी। नए दोपहिया वाहनों की बुकिंग के साथ डिलीवरी का दौर जारी है। धनतेरस पर नया वाहन खरीदना सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। एक शोरूम संचालक ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री में 25 फीसदी बढ़ोतरी के आसार हैं। इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। एलईडी टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मोबाइल की भी बिक्री बढ़ने का अनुमान है। जीएसटी कम होने से वाहनों की बुकिंग अधिकइस बार वाहनों पर लगने वाली जीएसटी में छूट दिए जाने से लोगों की वाहन खरीदने में अधिक रुचि देखी जा रही है। खासकर धनतेरस पर दो पहिया वाहन खरीदने वाले लोगों की वाहन बुकिंग कराने में होड़ मची हुई है। एक फाइनेंस कम्पनी के प्रतिनिधि ने बताया कि जिन लोगों की वाहन नकद लेने की क्षमता नहीं है वे डाउन पैमेंट जमा करा कर वाहन बुकिंग करवा रहे हैं।

धनतेरस और दिवाली से पहले ऑटोमोबाइल सेक्टर में बूम, फोर और टू व्हीलर गाड़ियों की जबरदस्त बुकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

कारोबारियों का कहना है कि गाड़ियों की बिक्री में इस बार 35 से 40 फीसदी ग्रोथ

नए जीएसटी रिफॉर्म के आने के बाद से ऑटोमोबाइल सेक्टर में बूम है। धनतेरस और दीपावली से पहले लोग बड़ी संख्या में गाड़ियों की खरीदी और बुकिंग कर रहे हैं। दुर्ग व भिलाई शहर के कारोबारियों का कहना है कि 22 सितंबर से जीएसटी रिफॉर्म लागू हुआ है। उसका फायदा खरीदार जमकर उठा रहे हैं। किसी भी गाड़ी की खरीदी में ग्राहक को 7 हजार से लेकर 25 हजार तक की बचत हो रही है। कारोबारियों की मानें तो ऑटोमोबाइल सेक्टर में 35 से 40 प्रतिशत का ग्रोथ इस साल दिख रहा है।

गाड़ियों की बुकिंग की बात की जाए तो पूरे प्रदेश में अब तक 2 पहिया वाहनों की 50 प्रतिशत बुकिंग पूरी हो चुकी है। वहीं 4 पहिया वाहनों की बुकिंग 80 प्रतिशत तक पूरी हो चुकी है। पब्लिक धनतेरस से लेकर दिवाली तक 2 पहिया और 4 पहिया वाहनों की खरीदी करेंगे। जीएसटी रिफॉर्म आने के बाद 2 पहिया वाहनों में लगभग 7 हजार से लेकर 17 हजार तक की बचत होगी। वहीं 4 पहिया वाहनों की बात की जाए तो चार पहिया वाहनों में 25 हजार तक की बचत होगी। जबकि करोड़ों की कीमत वाली फोर व्हीलर लग्जरी गाड़ियों में 25 लाख तक की बचत खरीदारों को होगी।

इस बार की दिवाली बहुत शानदार हो रही है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में धनतेरस और दीपावली को लेकर जो बुकिंग का रुझान देखा जा रहा है, जिसमें दो पहिया और चार पहिया वाहनों के डीलर भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। जो भी डीलर नवरात्रि के बाद गाड़ी की बिक्री कर रहे हैं इसके साथ ही जीएसटी में जो रिफॉर्म आया है उसमें 35% का ग्रोथ दिख रहा है। कुछ गाड़ियों के कलर और शॉर्टेज की वजह से डीलर को भी थोड़ी परेशानी हो रही है। यह ग्रोथ 35 से बढ़कर 50 प्रतिशत हो सकती है।

चैंबर ऑफर कामर्स के पदाधिकारियों का कहना है कि इस साल पूरे छत्तीसगढ़ में ऑटोमोबाइल सेक्टर का बाजार काफी अच्छा रहने वाला है। 22 सितंबर से जीएसटी रिफॉर्म आने के बाद ऑटोमोबाइल सेक्टर में बूम देखने को मिल रहा है। गाड़ियों की बुकिंग करने के लिए लोगों की लंबी-लंबी लाइन भी देखने को मिल रही है। लोग दुपहिया और चार पहिया वाहनों की बुकिंग पिछले एक महीने से शुरू कर दिए हैं।

धनतेरस व दिवाली पर होगी जोरदार बिक्री

कारोबारियों का कहना है कि इस बार धनतेरस से लेकर दिवाली तक दो पहिया वाहन लगभग 1 हजार से भी अधिक संख्या में बिकेंगे। इसी तरह पूरे छत्तीसगढ़ में धनतेरस और दीपावली में दो पहिया वाहनों की बिक्री की बात की जाए तो इसकी संख्या 50 हजार को भी पार कर सकती है। वहीं चार पहिया वाहन लगभग ढाई से 3 हजार की संख्या में बिक सकते हैं और छत्तीसगढ़ में यह बिक्री 13 हजार तक बिकने का अनुमान है।

जीएसटी रिफॉर्म का बाजार पर असर

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी गार्गी मिश्रा ने बताया कि 22 सितंबर को जीएसटी रिफॉर्म आने के बाद ऑटोमोबाइल सेक्टर में लगभग 50 प्रतिशत की ग्रोथ उसी दिन देखने को मिली थी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस साल दिवाली में 50 प्रतिशत का ग्रोथ ऑटोमोबाइल सेक्टर में देखने को मिलेगा।

पहले से अधिक उत्साह

धनतेरस और दिवाली को लेकर इस बार पहले से अधिक उत्साह ऑटोमोबाइल मार्केट में दिख रहा है। जीएसटी रिफॉर्म में टैक्स 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत किया गया है। इससे 2 पहिया वाहनों में 7 हजार से लेकर 17 हजार तक वाहनों में बचत हो रही है। पिछले साल से तुलना की जाए तो इस बार 30 प्रतिशत ग्रोथ दिख रहा है। 2 पहिया वाहनों की बुकिंग के बारे में उन्होंने बताया कि अब तक 90 प्रतिशत बुकिंग पूरी कर ली गई है। और आने वाले दिनों में 10 प्रतिशत बुकिंग और हो जाएगी। सबसे ज्यादा गाड़ियां धनतेरस के दिन बिकनी हैं। इसके बाद दिवाली में भी काफी गाड़ियों की डिलिवरी दी जाएगी।

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025
[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नाकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए

फायर एवं सेफ्टी औद्योगिक प्रशिक्षण

हेतु प्रवेश प्रारंभ

(2025-2026)

AVAILABLE COURSES

- Fire Technology & Industrial Safety
- Industrial Safety Management
- Health Sanitary Inspector
- Sub Fire Officer
- B.sc in Fire, safety
- PG in Fire Technology & Industrial Safety
- Certificate in Fireman
- (PDIS) POST DIPLOMA in Industrial safety
- (ADIS) ADVANCE DIPLOMA in Industrial safety

सभी जाति वर्ग के छात्रों को
प्रशिक्षण शुल्क में छूट दी जायेगी

एडमिशन हेल्पलाइन :
76972-12782

FSDMI
अहं अस्मि रक्षकः

फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट

मान्यता प्राप्त संस्था | भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) | निजी प्रशिक्षण संस्थान

1- FSDMI कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, गदा चौक, नजदीक अंबेडकर चौक, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़

fsdmi cg | fsdmi bhilai | fsdmi_bhilai

12 वर्षों से आपकी सेवा में

दीपावली के त्योहार पर मिट्टी के दीयों का बाजार सजा

स्वदेशी की धमक और दीए की चमक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दीप पर्व दिवाली का छोटा सा दीया अपनी टिमर-टिमर रोशनी के साथ बहुत बड़ा संदेश देता है। नन्हा-सा दीपक कहता है कि दीपावली, प्रकाश का पर्व है। हर दीया संदेश देता है कि जीवन में सबके साथ हिलमिल कर रहने, खुशियों की रोशनी बांटने, सबके जीवन में सुख का उजास भरने और सबको मधुरता का अहसास कराने का ही दूसरा नाम है दीवाली। यह व्यष्टि नहीं समझती का पर्व है, यानी अकेले आप कितना चमकें, कितना जलें, पर दीवाली नहीं बन सकती। समष्टि, व्यष्टि और देश व समाज की खुशहाली का महापर्व है दीपावली। जो एक नहीं, अनेक संदेश लेकर आता है।

सर्वजन हिताए का भाव: दीवाली का पर्व संदेश देता है कि जैसे दीपक प्रकाश के लिए है, वैसे ही व्यक्ति समाजहित के लिए है। यदि दीया प्रकाश बांटने में कोई योगदान नहीं करता है, तो महज मिट्टी का आग में पका पिंड मात्र है, उसकी कोई महत्ता नहीं है। इसी प्रकार यदि व्यक्ति भी केवल अपने तक सीमित है, वह राष्ट्र, धर्म और समाज के लिए कुछ नहीं कर रहा है, तो उसका भी होना न होना बराबर है।

पांचों तत्वों का समभाव: इतना ही नहीं, हिल

मिलकर रहने के संदेश के रूप में दीया यह इंगित करता है कि उसकी महत्ता महज उसकी वजह से नहीं, बल्कि बाती और तेल के कारण है। जब तक ये तीनों हिल-मिलकर रहते और कार्य करते हैं, तभी तक समाज को रोशन कर सकते हैं। तीनों एक दूसरे के बिना अधूरे हैं। साथ-साथ हों तब भी बात नहीं बनती, उसके लिए भी अग्नि चाहिए, तूलिका चाहिए। यानी प्रकाश अपने आप में जीवन के पांच तत्वों को समेटे है, जो प्रतीक रूप में जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं, दीए, तेल, बाती, आग और तूलिका के रूप में।

बांटें हर्ष और प्रकाश

यदि हम देश, समाज और जरूरतमंदों के लिए कुछ नहीं करते, तो सब व्यर्थ है। अर्थ होने पर भी अर्थहीन है। समाज के लिए कुछ नहीं करने वाला व्यक्ति। पर क्या आज इस छिपे संदेश को हम पढ़ और समझ पा रहे हैं? अगर समझते, तो दिखावे पर धन न फूंकते, दुखियों के दुख को देख कर भी अनदेखा न करते, अपितु दीए की तरह खुशियां बांटते।

समष्टि के प्रकाश का पर्व

दीपावली में 'पांच' का बड़ा महत्व है। यह सृष्टि के पंचतत्वों, पंचपुण्यों, पंचविकारों, मिष्टान्नों और पांच दीयों से शुरू होने वाला पर्व है। कार्तिक मास की अमावस्या को हम समष्टि के प्रकाश का पर्व बना सकते हैं। मिल-जुलकर रहने का संदेश दे सकते हैं। जैसे प्रकाश पर्व अकेला नहीं आता, बल्कि अपने साथ पांच पर्व, धनतेरस, रूपचतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और यमद्वितीया लेकर आता है। वैसे ही हम भी सात्विक विचारों और गुणों को जोड़कर, खुद दीए जैसे बनकर, दीवाली की रोशनी को कहीं ज्यादा सार्थक बना सकते हैं।

मिलकर दें झिलमिल प्रकाश

मिथकों में कहा गया है कि इन पांचों पर्वों की पूजा से चंचला लक्ष्मी स्थिर रूप से उस घर में विराजती हैं, जहां कम से कम पांच लोग मिलकर पूजा करते हैं। धन, यश, वैभव, ज्ञान और बुद्धि की प्राप्ति के लिए दीवाली मनाने का उल्लेख वेदों में है। इससे भी सबक लें हम। धर्म, जातिवाद, संप्रदायवाद, क्षेत्रियतावाद, संकीर्णता और सामाजिक कुरीतियों को नष्ट कर अपनी लक्ष्मी को स्थिर करने का प्रण लें इस बार दीवाली पर।

जोड़ें राम आयाम: दिवाली

हिंदुओं का पर्व है और हिंदू इसे अपने तौर-तरीकों, रीति-रिवाजों और संस्कृति के अनुसार मनाने के लिए स्वतंत्र हैं। उनके लिए राम के अयोध्या लौटने का बड़ा महत्व है। रावण का वध करके दशरथ पुत्र राम अयोध्या वापस आते हैं और बाद में उसे समृद्ध व आदर्श राज्य बनाते हैं। उसी तरह हम भी दिवाली के पर्व पर राम को महज दशरथ पुत्र राम की वापसी न मानकर, राम रूपी तत्व में नए आयाम जोड़कर कुछ इस तरह मनाएं कि सत्य, न्याय, मर्यादा, संस्कृति और अच्छाइयों का रामराज्य स्थापित हो सके। इसके लिए हमें अपने अंदर के उस रावण को मारना होगा जो हमारी नैतिकता, उज्ज्वल चरित्र और अच्छे विचारों को मार रहा है।

प्रदर्शन नहीं, दर्शन

दिवाली पर हम मिट्टी के दीए जलाकर गरीबों के घर में दिवाली का प्रकाश भेजें, जो हमारी ओर आशा भरी निगाहों से निहारते हैं। संपन्नता का प्रदर्शन भारत में कभी भी अच्छा नहीं माना गया है। हम संपन्न हों, लक्ष्मीपुत्र बनें, इसमें बुराई नहीं है, लेकिन अगर हम अपने आसपास के दुखी लोगों के चेहरों पर एक मुस्कान ला सकें, तो इससे बड़ी संपन्नता और आत्म-संतुष्टि दूसरी नहीं हो सकती।

सूरज न सही, जुगनू तो बनें

जैसे एक छोटा सा दीप घनघोर अंधेरे में जलता है और जितना हो सके प्रकाश करके अंधकार को लगातार चुनौती देता है, उसी तरह हम भी अपनी जिजीविषा और नेक कमाई के जरिए इस घने अंधेरे में एक दीपक बनकर किसी के जीवन में चमक ला सकते हैं। सूरज न सही, जुगनू तो बन ही सकते हैं।

दीप नहीं, दीपमाला बनें

यह सोचना कि एक अकेले से भला क्या होने वाला है, उचित नहीं है। क्योंकि अगर हर दीया यह सोचने लगे कि उस अकेले के जलने से क्या होगा, तो फिर दीपावली यानी दीपमाला अथवा

दीयों की सजावट करें कुछ अलग तरीके से

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दिवाली के मौके पर घर को सजाने का सबसे सुंदर और ट्रेडिशनल तरीका होता हैं मिट्टी के दीये। इनकी रोशनी से पूरा घर आंगन जगमगा उठता हैं। बाजार में डिजाइनर दीये आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन अपने हाथों से सजाएं गए दीयों की बात की अलग होती हैं। आइए जानते इन दीयों को सजाने के ट्रेंड के बारें में।

दिवाली में मिट्टी के दीये न केवल परंपरा का प्रतीक हैं बल्कि आज के ट्रेंड में यह स्टाइलिश डेकोरेशन आइटम भी बन चुके हैं। पहले इन्हें घरों में सिंपल तरीकों से सजाया जाता था, लेकिन आजकल मार्केट में डिफ्रेंट तरह से डिजाइनर दीये और उन्हें सजाने के नए-नए तरीके देखने को मिलते हैं। अगर आप इस बार की दिवाली में अपने घर को कुछ अलग अंदाज में सजाना चाहती हैं, तो मिट्टी के दीयों को खुद घर पर खूबसूरत तरीकों से सजाना एक बढ़िया आइडिया हैं। इससे आपका घर तो जगमगाएगा ही, साथी ही आपकी क्रिएटिविटी भी निखरेगी।

पेंटेड दीये

दिवाली पर पेंटेड दीये हमेशा से ही ट्रेंड में रहते हैं और दिखने में बेहद खूबसूरत होते हैं जो दीयों को आर्टवर्क जैसी सुंदरता देते हैं। इसके लिए दीयों को अच्छी तरह से साफ करके अपने पसंद के कलर से ऐक्रिलिक कलर से पेंट कर लें। बेस कलर सूखने के बाद दीयों पर दूसरे कलर से किनारों पर, अंदर की तरफ छोटे फूल, ॐ, मंडला पैटर्न, फ्लोरल जैसे मोटिफ डिजाइन बना लें। बॉर्डर पर गोल्ड या सिल्वर आउटलाइन बनाकर हल्का ग्लिटर पाउडर भी छिड़क सकते हैं। पूजा घर के लिए व्हाइट और गोल्डन, बालकनी या गार्डन या कॉर्नर के लिए ग्रीन और ब्लू, ड्राइंग रूम के किए रेड और गोल्ड जैसे कलर कॉम्बिनेशन चुन सकते हैं।

स्टोन वाले स्टिकर से सजाएं

रंग-बिरंगे स्टोन वाले स्टिकर दिये आजकल ज्यादा पसंद किए जा रहें हैं। इनमें पहले से गोंद लगा होता हैं, जिससे इन्हें दियों पर चिपकाना बहुत ही आसान हो जाता हैं। ये स्टिकर कई रंगों, शेप और डिजाइन में अवेलेबल हैं जिन्हें आप दियों पर अपनी थीम के अनुसार चुन सकती हैं। छोटे स्टीकर्स को दीयों के किनारों पर या ऊपर सजाएं जबकि बड़े या फूल जैसे डिजाइन वाले स्टिकर्स को बीच में या चारों और लगाया जा सकता हैं। अंदर वाले हिस्से में भी छोटे-छोटे स्टोन लगाकर दीयों को खास बना सकती हैं। चाहें तो अलग-अलग आकार के स्टोन मिलाकर आप दीयों को और भी क्रिएटिव और ट्रेंडी बना सकती हैं। स्टीकर लगाने के बाद हल्का-सा वार्निश जरूर लगाएं। ताकि दिये लंबे समय तक बने रहें।

कुल्हड़ के साथ सजे दीये

कुल्हड़ व दियों के कॉम्बिनेशन से सजे दीये दिवाली पर घर को नया और यूनिक देंगे। इसके लिए आप पहले कुल्हड़ को अपनी पसंद के किसी भी रंग से रंग दें। इसमें क्रिएटिविटी के अनुसार गणेश, लक्ष्मी जी, आदमी, औरत, फूल, पत्ती जैसे डिजाइन बना सकते हैं। इसके बाद आप कुल्हड़ की डिजाइन के अनुसार दिये को रंग दें, फिर इसे कुल्हड़ के ऊपर चिपका दें। आप चाहें तो दीये को बिना चिपकाए स्टैंड की तरह उपयोग भी कर सकते हैं।

ग्लिटर कुन्दन-मोती से सजाएं

इस तरह से सजाएं गए दीये भी बहुत आकर्षक लगते हैं। इसके लिए अलग-अलग रंग के चमकीले ग्लिटर लें और दीयों के किनारों पर पूरे दीये पर लगाएं। आप चाहे तो दो-तीन शेड्स को मिलाकर ओंब्रे इफेक्ट भी दे सकती हैं। जैसे लाल से सुनहरा या नीला से सिल्वर। इसके बाद इसे कुन्दन और मोती से सजा दें। इस तरह के दीये खास कर ड्राइंग रूम साइड टेबल डेकोरेशन के लिए बेस्ट लगते हैं। इन दिनों गोल्डन ग्लिटर और कुन्दन मोती वर्क वाले दीये सेट्स काफी ट्रेंड में हैं।

डिफ्रेंट आकार वाले दीये

आजकल मार्केट में ट्रेडिशनल गोल दीये साथ टेराकोटा के हैंडमेड दीये भी तरह-तरह के आकार में आवेलेबल हैं, जैसे मटकी के आकार में फूल, पत्ती, दिल, स्टार और कई क्रिएटिव शेप्स में मौजूद हैं। इन दीयों को और आप अपनी थीम क्रिएटिविटी के अनुसार या बताए तरीकों के अनुसार डेकोरेट कर सकती हैं जिन्हें आप अपने घर के किसी भी कोने में सजा सकती हैं। साथ ही आप इन्हें टी-लाइट दिया होल्डर्स में रखकर भी खूबसूरती से सजा सकती हैं।

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025
[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

पटाखों के तेज आवाज, धुआं और प्रदूषण से त्वचा, आंख और सेहत को बचाने रखें ध्यान

रखें अपना ध्यान, मनाएं स्वस्थ और सुरक्षित दीपावली

दीपावली हर्षोल्लास का त्योहार है, पर इस दौरान सेहत की सुरक्षा का ध्यान रखना भी जरूरी है। दीपावली मनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, जानने के लिए पढ़ें यह लेख। दीपावली एक ऐसा त्योहार है, जिसका पूरे साल सभी को इंतजार रहता है। केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि बड़े भी बड़े भी बेसब्री से इसका इंतजार करते हैं, लेकिन इस उत्सव के दौरान कुछ दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। मसलन, धुआं, धूल और पटाखों की वजह से त्वचा और आंखों को होने वाला नुकसान। इसके अलावा अस्थमा के मरीजों और बच्चों की सेहत के लिए भी आतिशबाजी नुकसानदेह साबित होती है। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से श्वसन संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। पटाखों से जलने या एलर्जी का खतरा रहता है। इसलिए इस त्योहार के दौरान सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

त्वचा की देखभाल

दीपावली के दौरान वायु प्रदूषण, पटाखों का धुआं और मेकअप का अधिक उपयोग त्वचा को प्रभावित करता है। प्रदूषण की वजह से त्वचा पर गंदगी जमा हो जाती है, जो मुंहासे, ड्राईनेस या एलर्जी का कारण बन सकती है। इसलिए, त्वचा की देखभाल के लिए कुछ सरल उपाय अपनाएं।

- रोजाना रात को सोने से पहले माइल्ड क्लींजर से स्किन को साफ करें, ताकि स्किन पर चिपके धूलकण हट सकें। त्योहार के दो सप्ताह पहले से ही एक्सफोलिएशन शुरू करें, जो मृत त्वचा को हटाता है और चमक बढ़ाता है।
- हाइड्रेशन भी बहुत जरूरी है। रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं और मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। अगर त्वचा शुष्क है, तो नारियल तेल या जोजोबा ऑयल लगाएं। मेकअप लगाने से पहले प्राइमर का इस्तेमाल करें और रात को मिल्क क्लिंजर से मेकअप हटाएं।
- पटाखे जलाते समय फुल स्लीव्स के कपड़े पहनें ताकि जलने से बचाव हो। अगर शरीर का कोई हिस्सा जल जाए, तो उसे ठंडे पानी से धोएं।
- रंगोली बनाते समय दस्ताने पहनें ताकि रंगों से एलर्जी न हो।
- दीपावली के बाद सप्ताह में दो बार 30 मिनट के लिए शीट मास्क का उपयोग करें, जो हाइड्रेटिंग हो। स्वस्थ आहार लें। अपनी डाइट में फलों और सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं, ऐसी चीजें त्वचा को अंदर से पोषण देती हैं।

आंखों की देखभाल

आंखें हमारे शरीर का सबसे संवेदनशील हिस्सा हैं। दीपावली में पटाखों से निकलने वाला धुआं या चिंगारी आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे जलन, लालिमा या गंभीर चोट लग सकती है। इसलिए, पटाखे जलाते समय सन ग्लासेज चश्मा पहनें, जो आंखों को चिंगारी से बचाएं। फुलझड़ी जैसे स्पार्कल्स को जलाते समय सावधानी बरतें, अन्यथा इसकी चिंगारी आंखों को नुकसान पहुंचा सकती है।

- पटाखे चलाते समय सही फिटिंग वाले कपड़े पहनें।
- पटाखे जलाने के बाद हाथ धोएं और आंखों को छूने से बचें। अगर कोई कण आंख में चला जाए, तो रगड़ें नहीं, साफ पानी से धोएं और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- जब बच्चे पटाखे चला रहे हों, तो हमेशा उनके आसपास रहें।
- अगर आंखों में जलन हो, तो डॉक्टर की सलाह से आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करें।

अस्थमा के मरीज रहें सतर्क

अगर आपके घर में किसी को अस्थमा की समस्या है, तो विशेष सावधानी बरतें। पटाखों का धुआं और प्रदूषण श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। इससे सांस लेने में तकलीफ और खांसी का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, धुएं और धूल से दूर रहें, पटाखे न जलाएं और बाहर कम समय बिताएं। सही समय पर दवाएं लें और इनहेलर हमेशा साथ रखें। घर की सफाई करते समय मास्क पहनें। हाइड्रेटेड रहें, गुनगुना पानी पिएं। इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए मौसमी फलों और सब्जियों का भरपूर मात्रा में सेवन करें। अगर प्रदूषण अधिक हो, तो बाहर न निकलें और घर के दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें। अगर कोई तकलीफ हो, तो बिना देर किए डॉक्टर से संपर्क करें।

बच्चों की देखभाल

- दीपावली के त्योहार पर बच्चे सबसे ज्यादा खुश होते हैं, लेकिन इस दौरान उनकी सुरक्षा का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। अगर आपके बच्चे को अस्थमा की समस्या हो, तो उसे समझाएं कि आतिशबाजी उसके लिए बहुत नुकसानदेह है, ऐसे में आप उसे घर पर ही दीये जलाने और रंगोली बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अगर आपके बच्चे को श्वसन तंत्र से संबंधित कोई भी समस्या हो, तो सुगंधित कैंडल्स-या स्पार्कलर्स घर के भीतर न जलाएं। बच्चे को घर से बाहर ले जाते समय उसे मास्क जरूर पहनाएं।
- त्योहार के दौरान बच्चों को डाइट में फाइबर को प्रमुखता से शामिल करें। उनके भोजन में फलों के साथ हरी सब्जियों की भी पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए।
- अगर आपके घर में कोई बच्चा अस्थमा से पीड़ित है, तो उसे सही समय पर दवाएं दें।
- अगर आप त्योहार के दौरान इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगी तो आपका पूरा परिवार स्वस्थ और सुरक्षित रहेगा।

GJ Advertisers 9179009179

mj
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों की विशाल रेंज
शुभ नक्षत्रों का योग बनाएगा आपकी
हर खरीदी को समृद्ध महावीर ज्वेलर्स के साथ
शुभ धनतेरस
महावीर ज्वेलर्स
पुराना बस स्टैंड, दुर्ग , फोन नं. 0788-2210704

विशेषज्ञों ने कहा ग्रीन पटाखे पर्यावरण को पहुंचाते हैं कम नुकसान, कुछ खामियां भी

रंग बिरंगी आतिशबाजी से गूंजेगा आसमान! दिवाली पर 'ग्रीन पटाखे' की हो सकती है धमाकेदार वापसी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

इस बार दिवाली में ग्रीन पटाखे की डिमांड देखने को मिल रही है। इस डिमांड को देखते हुए बाजार भी पूरी तरह से तैयार है। बाजार में इस बार आसमानी आतिशबाजी और रंग बिरंगी रोशनी वाले पटाखे काफी देखने को मिल रहे हैं।

रही बात ग्रीन पटाखों की तो उन्हीं पटाखों को बाजार में बेचने की अनुमति दी जा रही है, जो शासन के तय मानकों को पूरा करते हैं। उन्हीं के प्रोडेक्शन और बिक्री की अनुमति दी जाएगी। केंद्र सरकार ने भी ग्रीन आतिशबाजी के पक्ष में अपना समर्थन दिया है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

पांच साल के लंबे इंतजार के बाद सुप्रीम कोर्ट भी दिवाली अन्य त्योहारों पर ग्रीन क्रैकर्स (पर्यावरण-अनुकूल पटाखे) जलाने की अनुमति दे सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रीन क्रैकर्स से निकलने वाला पार्टिकुलेट मैटर (कण) पारंपरिक पटाखों की तुलना में 20-30% कम होता है, फिर भी यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। साथ ही, यह भी चिंता जताई जा रही है कि केवल ग्रीन क्रैकर्स के इस्तेमाल को लागू करना मुश्किल साबित हो सकता है। सीएसआईआर-नेशनल एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) के अनुसार, ग्रीन क्रैकर्स को बनाने में कुछ खास बदलाव किए जाते हैं। इनमें पटाखे के खोल का आकार छोटा किया जाता है, राख का इस्तेमाल खत्म कर दिया जाता है, और सामग्री का उपयोग कम किया जाता है। साथ ही, धूल को दबाने वाले एडिटिव्स (योजक) का इस्तेमाल किया जाता है ताकि उत्सर्जन कम हो सके। दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध में ढील देने, खासकर 'ग्रीन क्रैकर्स' को लेकर पर्यावरण कार्यकर्ता और सरकारी अधिकारी आमने-सामने हैं। जहां पर्यावरण कार्यकर्ता भवरीन कंधारी और सुनील दहिया इसे दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में हुई प्रगति को खतरे में डालने वाला कदम बता रहे हैं, वहीं दिल्ली सरकार और सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के पूर्व प्रमुख दीपांकर साहा का मानना है कि केवल ग्रीन क्रैकर्स के इस्तेमाल को सख्ती से लागू करना ही समाधान है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से दिवाली और गुरुपर्व पर एक-एक घंटे के लिए ग्रीन क्रैकर्स जलाने की अनुमति मांगी है, और बिक्री की अनुमति देने के लिए भी तैयार है। यह पूरा मामला सार्वजनिक स्वास्थ्य की चिंता से ज्यादा धार्मिक भावनाओं से प्रेरित लग रहा है, जिससे स्वच्छ हवा की लड़ाई में 10 साल पीछे जाने की आशंका है।

क्या होते हैं ग्रीन पटाखे?

आसान भाषा में समझें तो ग्रीन पटाखे आम पटाखों के मुकाबले बहुत कम धुआं और आवाज करते हैं। इन्हें सीएसआईआर ने तैयार किया है। सामान्य पटाखे जहां 160 डेसीबल तक शोर करते हैं, वहीं ग्रीन पटाखे सिर्फ 110 से 125 डेसीबल तक ही आवाज करते हैं। इसके अलावा इन पटाखों से धुआ नहीं निकलता है। उल्टा इनमें डस्ट रिपेलेंट भी डाला जाता है, जिससे जलने के बाद ये आसपास की धूल को खींच लेते हैं, यानी इन पटाखों से नॉइस और एयर पॉल्यूशन नहीं होता है।

ग्रीन पटाखे 3 तरह के होते हैं

- **स्वास :** इसमें से बहुत महीन पानी की बूंदें निकलती हैं जो धूल को खींच लेती हैं।
- **सफल :** इसमें सुरक्षित मात्रा में एलुमिनियम होता है और आवाज भी कम होती है।
- **स्टार :** इनमें न तो सल्फर होता है, न पोटेशियम नाइट्रेट, इसलिए धुआं बहुत कम निकलता है।

इस बार 304 मिलीमीटर ज्यादा बारिश से जलाशयों में 100% से ज्यादा पानी, गर्मी में नहीं होगी पेयजल व निस्तारी संकट

पिछले साल पूरे सीजन में 736.1 मिली औसत बारिश हुई थी इस बार 1041 मिमी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

इस साल की मानसूनी बारिश ने पिछला रिकार्ड तोड़ दिया। पिछले साल की तुलना में 304 मिलीमीटर बारिश ज्यादा हुई है। एक जून से अक्टूबर 15 तक वर्ष 2024 को दुर्ग जिले में 736.1 मिलीमीटर बारिश हुई थी जबकि इस सीजन में 1041 मिलीमीटर बारिश हुई है। पिछले साल मौसम विभाग के हिसाब से 984.4 मिलीमीटर औसत बारिश होनी चाहिए थी लेकिन औसत बारिश 25 प्रतिशत कम थी। इस बार औसत बारिश प्रतिशत 102 प्रतिशत रहा। ऐसे में जलाशयों में 100 प्रतिशत से ज्यादा जलभराव हो गया है। जिससे आने वाली गर्मी में ट्विनसिटी को पेयजल संकट से नहीं जूझना पड़ेगा। तालाबों को भी निस्तारी के लिए भरपूर पानी दिया जा सकेगा।

- पिछले साल मौसम विभाग के हिसाब से 984 .4 मिलीमीटर औसत बारिश होनी चाहिए थी लेकिन औसत बारिश 25 प्रतिशत कम थी

इस तरह चला सीजन में बारिश का दौर

मानसूनी बारिश का सीजन जून में शुरू होता है लेकिन इस बार मई में ही दुर्ग जिले में जमकर बारिश हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक आमतौर पर बारिश 15 जुलाई के बाद ही प्रारंभ होता था। अगस्त महीने में कम बारिश जरूर हुई लेकिन सितंबर में अच्छी बारिश ने कमी पूरी कर दी। मौसम की विदाई का दौर अक्टूबर में शुरू हो जाता है इसलिए बारिश कम होती है। इस बार एक अक्टूबर से अब तक 70 मिलीमीटर औसत बारिश हो चुकी है। पिछले साल 31.2 मिलीमीटर ही बारिश हुई थी। इस तरह 124 प्रतिशत अधिक बारिश इस महीने में हो चुकी।

खेती के अनुरूप गिरा पानी

सालों बाद ऐसा मानसून आया कि इस बार खेतों में फसल पकने के लिए जलाशयों से पानी छोड़ने की जरूरत नहीं पड़ी। मौसम विज्ञान एचपी चंद्रा बताते हैं कि सितंबर के अंतिम व अक्टूबर महीने में बारिश ज्यादा नहीं हो पाती। इस बार पहले आठ- दस दिन के गैप में अच्छी बारिश हुई। फिर यह अवधि चार से पांच दिन में सिमट गई। समय के हिसाब से खेती के अनुरूप बारिश हुई है।

तांदुला, गोंदली और खरखरा जलाशयों में 100 प्रतिशत पानी

टिवनसिटी को तांदुला जलाशय और खरखरा जलाशयों में पानी मिलता है। गोंदली और खपरी जलाशय और ये दोनों जलाशयों से भी दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलता है। निस्तारी के लिए भी गर्मी के दिनों में तालाबों के लिए पानी छोड़े जाते हैं। इस गर्मी में इन जलाशयों में 100 प्रतिशत जलभराव हुआ है।

पेयजल व निस्तारी तालाब में भरे जा सकेंगे पानी

दुर्ग व भिलाई के लोगों को तांदुला जलाशय से पानी मिलता है। तांदुला जलाशय में पानी कम पड़ने पर खरखरा जलाशय का पानी शिफ्ट किया जाता है। हर साल गर्मी में इन जलाशयों की क्षमता से करीब 70 प्रतिशत पानी रहता है। उसके बाद भी पेयजल व तालाब निस्तारी के लिए भरे जाते हैं। इस बार पेयजल और तालाबों को भरने के लिए पर्याप्त पानी मिलने की ज्यादा उम्मीद बंधी है।

जलाशयों में 100 प्रतिशत जलभराव

जलाशयों से हर साल धान फसल को पकाने के लिए पानी छोड़ा जाता है। इस बार जरूरत ही नहीं पड़ी। इसलिए जलाशयों में 100 प्रतिशत जलभराव है। गर्मी के दिनों में पेयजल और निस्तारी के लिए भरपूर पानी रहेगा।

एसके पांडेय, ईई जलसंसाधन विभाग

रोशनी बाहर नहीं, मन के भीतर जलाएं दीये, रिश्तों और सुकून से रौशन होती है असली दीपावली

खुशियों की दीपावली: मन की अंधियारी दूर करने का समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि मन के अंधकार को मिटाने और आत्मा में उजाला भरने का अवसर है। आज यह जरूरी है कि हम इसे दिखावे या प्रदूषण का उत्सव न बनाएं, बल्कि सादगी, करुणा और प्रेम का पर्व बनाएं। जब हम दूसरों के जीवन में रोशनी बाँटते हैं, तभी सच्चा सुख और सुकून प्राप्त होता है। दीपावली का असली अर्थ है, हर मन में शांति, हर घर में प्रेम और हर समाज में समरसता का प्रकाश।

दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं, दीपक जलाते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयां बांटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहरकर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है, केवल दीवारों और आंगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है? आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है।

दीपावली अब अकसर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार, ईर्ष्या, अहंकार, असंतोष और असहनशीलता, को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झांकें, संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाजार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है। दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी समय है।

जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए, पुरानी शिकायतें, मतभेद, कटुता और तनाव। हर दीपक यह याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है, बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान, एक क्षमा का भाव, एक प्रेमपूर्ण संवाद, यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं।

खुशियों के बीच रखें ध्यान, प्रदूषण पर रहे कंट्रोल

आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज भागदौड़, सामाजिक दबाव, कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्योहारों को भी हमने एक 'इवेंट' बना दिया है, फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलता है। आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियां ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव, हर बच्चा और हर बुजुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है।

असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती मां के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप, प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं, और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है। दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है, वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं, जो किसी प्रिय को खो चुके हैं, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे। दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो।

तमसो मा ज्योतिर्गमय यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर

हमारे शास्त्र कहते हैं, 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश

जलता है, तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है। त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है, वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है। आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को 'समावेशिता का पर्व' बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें, जाति-धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता, ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके, किसी गरीब को भोजन दे दे, किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे, किसी बीमार को सहारा दे, तो वही दीपावली सबसे उज्ज्वल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा, दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे।

दीपावली का त्योहार व्यापारियों के लिए केवल आर्थिक नहीं नैतिक भी होना जरूरी है

दीपावली व्यापार का भी पर्व माना जाता है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं। लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा।

हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि 'दीपावली केवल संपन्नता का नहीं, संयम का भी प्रतीक है।' इसलिए अत्यधिक उपभोग, दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि 'थोड़े में भी बहुत' कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम, संतोष और एकता है, वहां हर दिन दीपावली है।

आज जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प ले, कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा। कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का, कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा। कभी-कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएं। आत्मचिंतन के कुछ क्षण, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है। दीपावली का अर्थ केवल 'दीप' नहीं, 'आवली' अर्थात श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुंचता है। यही मानवता का मूल संदेश है, एक दीप दूसरे को जलाए, एक दिल दूसरे को रोशन करे। तभी यह संसार अंधकार से मुक्त हो सकेगा। अंततः, इस दीपावली पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि अपने विचारों, व्यवहारों और समाज को भी प्रकाशित करेंगे। शोर और प्रदूषण से दूर, सरलता और स्नेह से भरी दीपावली ही सच्चे अर्थों में 'खुशियों और सुकून की दीपावली' होगी। यही दीपक भारत की संस्कृति का प्रतीक बनेगा, जहां रोशनी केवल बिजली से नहीं, बल्कि इंसानियत से फैलती है।

तैयारी : रोजाना हजारों पर्यटकों की आमद को देखते हुए जानवरों के कैज में भी पेंटिंग

सर्दियों के लिए संवर रहा मैत्रीबाग फुलवारियों में मौसमी फूलों की बहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

सर्दियों के मौसम के करीब आते है मैत्रीबाग की रौनक बढ़ाने की तैयारी शुरु हो गई है। बारिश के चार माह बाद ठंडी के खुशगवार मौसम में यहां आने वाले हजारों सैलानियों के लिए प्रकृति से रुबरु होना एक रोमांचकारी अनुभव होगा। पर्यटकों को लुभाने के लिए प्रबंधन ने मैत्री गार्डन और चिड़ियाघर को आकर्षक तरीके से संवारने की कवायद शुरु कर दी है। लोगों को खूबसूरत मौसमी फूलों की इंद्रधनुषी रंगत के साथ वन्य प्राणियों की अधिक चंचलता दिखाई देगी।

उल्लेखनीय है बरसात के मौसम में मैत्रीबाग बैरौन था। चार महीने के बारिश के मौसम के चलते मैत्रीबाग आने वाले पर्यटकों की आमद कम रही वहीं पानी, कीचड़ और बरसाती खरपतवारों ने भी यहां की सुंदरता को कम कर दिया था। अब वर्षा का मौसम विदाई की ओर है और ठंडी के आते ही फिर से एक बार भिलाई दुर्ग सहित अंचल के सैलानियों की भीड़ बढ़ेगी। इसे देखते हुए उद्यानिकी विभाग ने पर्यटकों को रिझाने के लिए मैत्रीबाग को संवारना शुरु कर दिया है। ठंडी में यहां रोजाना दो से ढाई हजार लोग आते हैं। रविवार को सैलानियों की तादाद 5 हजार पहुंच जाती है। उद्यानिकी विभाग द्वारा यहां फुलवारियों और जू दोनों को आकर्षक बनाने की कवायद की जा रही है। ठंडी में खिलने वाले फूलों के पौधों को लगाने क्यारियां तैयार की जा रही हैं। इनमें सभी वेरायटी के गुलाब, डहेलिया, गेंदा, पैंजी, आस्टर, कैलेंडूला, पिटूनिया, फ्लास्क, सालविया आदि दो दर्जन से अधिक मौसमी फूलों के पौधे लगाए जाएंगे। इनके लिए छोटी छोटी क्यारियों के साथ नर्सरी लगाई जा रही है। मिट्टी को पलट कर कंपोस्ट खाद डालने का काम चल रहा है। मैत्रीबाग प्रभारी डां. एनके जैन ने बताया कि क्यारियों का काम पूरा होते ही रोज गार्डन, कैंडल गार्डन, संकर लान व झील के निकट कारीडोर आदि चारों ओर अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में यह सभी मौसमी फूलों के पौधे लगा दिए जाएंगे। इनमें दिसंबर के अंत तक फूल खिलने लगेंगे। बीच बीच में शो प्लांट्स भी लगाने के साथ सभी लांनों को संवारा जा रहा है। गैंदा आदि कुछ फूलों के बीज मैत्रीबाग में ही तैयार किए जाते हैं।

फ्लावर शो भी रहेगा आकर्षण का केंद्र

स्कूली बच्चों की पिकनिक टीमों की धूम

आने वाले ठंडी के मौसम में मैत्रीबाग नन्हों पर्यटकों से गुलजार होगा। खुशनुमा मौसम के चलते परीक्षाओं के पूर्व भिलाई दुर्ग के अलावा आसपास के शहरो से यहां स्कूली बच्चों की पिकनिक टूरों का सिलसिला शुरु हो जाता है। नौनिहाल यहां खाते पीते हुए झूलों फिसलनपट्टी आदि का मजा लेते हुए खूबसूरत जानवरो व परिंदों का नजारा लेते हैं। हर साल हजारों बच्चे यहां ठंड के मौसम में आते हैं।

चिड़ियाघर के केजों की भी पेंटिंग

मैत्रीबाग में फुलवारियों के साथ चिड़ियाघर को भी निखारा जा रहा है। पक्षियों और जानवरों के कैज की पेंटिंग की जाएगी। एनक्लोजर के सामने नेम प्लेट भी अपडेट किए जाएंगे। मेन गेट में पेंटिंग की जाएगी। इसके अलावा चिड़ियाघर में बरसात के मौसम में चारों तरफ उगे घास और खरपतवारों की भी सफाई कराई जा रही है। पेयजल की सुनिश्चितता व प्रसाधन को भी स्वच्छ रखे जाने कर्मियों को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि नव वर्ष पर 31 दिसंबर और फरवरी में फ्लावर शो में यहां पचास हजार लोग आते हैं।

वीटीपी और इंटकवेल में देरी, चार करोड़ बढ़ गई लागत, स्टोरेज बढ़ाने 4 नई पानी टंकी बनेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

रिसाली निगम में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के प्रस्ताव नामंजूर होते जा रहे हैं। जिसकी वजह से वीटीपी निर्माण में देरी हो रही। इस देरी की वजह से वीटीपी की लागत 4 करोड़ रुपए और बढ़ गई। पहले वीटीपी के लिए 128 करोड़ रुपए खर्च का प्रावधान किया गया था लेकिन अब यह बढ़कर 132 करोड़ रूपए तक जा पहुंची है। मौजूदाहालात को देखते हुए रिसाली निगम की पेयजल के लिए भिलाई निगम पर ही निर्भरता रहेगी। लोगों को पेयजल संकट से उबारने के लिए निगम ने अब पानी का स्टोरेज बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। स्टोरेज बढ़ाने के लिए चार नई पानी टंकी बनाएंगे।

तकनीकी कारणों से अटकते रहा निर्माण

इस तरह बढ़ती गई वीटीपी की लागत

रिसाली निगम गठन के बाद तत्कालीन आयुक्त आशीष देवांगन ने पहले 100 करोड़ से वीटीपी बनाने का प्रस्ताव तैयार किया। टेक्नीकल समस्या आई और यह प्रस्ताव राज्य ने नामंजूर करते हुए संशोधित प्रस्ताव मांगा। संशोधित प्रस्ताव फिर से भेजा गया तब इसकी लागत 110 करोड़ तक हो गई। वर्तमान निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने वीटीपी के लिए 128 करोड़ का प्रस्ताव तैयार करवाया। इस बार भी टेक्नीकल समस्या आड़े आई। अब सप्ताहभर हुए हैं कि 132 करोड़ रुपए से वीटीपी निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया है।

30 एमएलडी क्षमता की वीटीपी व इंटकवेल

रिसाली निगम में अमृत मिशन फेस-2 के अंतर्गत 30 एमएलडी फिल्टर प्लांट के लिए वीटीपी और इंटकवेल निर्माण की योजना बनी है। इस फिल्टर प्लांट के लिए पानी की उपलब्धता मरोदा स्थित डेम से होनी है। इस निर्माण कार्य के लिए स्थल चयन भी कर लिया गया है। कलेक्टर दुर्ग ने 29 मार्च 2025 को तकनीकी कार्य के लिए एक जांच कमेटी भी बना दी है। जिसमें तांदुला जलसंसाधन विभाग, रिसाली निगम और बीएसपी नगर सेवा विभाग पांच अधिकारियों को शामिल किया गया है।

4 नई पानी टंकी बनेगी

वीटीपी व इंटकवेल का हमने सप्ताहभर पहले की संशोधित प्रस्ताव राज्य को भेजा है। जिसमें लागत 132 करोड़ की है। देरी होने की वजह से पहले ही 15 वें वित्त आयोग मद से चार नई पानी टंकी बनाएंगे। इन टंकियों को भरने भिलाई निगम से अतिरिक्त पेयजल की मांग रखेंगे।

-मोनिका वर्मा,
आयुक्त रिसाली निगम

1.50 लाख की आबादी को पेयजल संकट

वीटीपी और इंटकवेल निर्माण होने से 1.50 लाख की आबादी को पेयजल संकट से निजात मिल सकती है। यह कार्ययोजना आने वाले 25 सालों के हिसाब से बनाई गई है। निगम के अंतर्गत 40 वार्ड हैं। इनमें ज्यादातर वार्ड श्रमिक एरिया वाले हैं। मौहारीभाठा वार्ड 15, बीआरपी कालोनी वार्ड 16, शिवपारा स्टेशन मरोदा वार्ड 17, एचएससीएल कालोनी वार्ड 18, विजय चौक स्टेशन मरोदा वार्ड 19, शंकरपारा स्टेशन मरोदा वार्ड 20, सूर्यानगर वार्ड 21, मैत्रीकुंज रिसाली वार्ड 22, अवधपुरी वार्ड 26, नेवई भाठा वार्ड32 से 34, डुडेरा वार्ड 35, 36, जोरातराई, पुरैना के वार्ड में पेयजल संकट बना हुआ है।

हर गर्मी में 20 लाख रुपए से किराए का ले रहे टैंकर

रिसाली निगम के स्वयं के वीटीपी नहीं होने की वजह से हर गर्मी में किराए का टैंकर लेना पड़ता है। 20 टैंकर इस बार किराए से ली गई थी और उस पर 20 लाख रुपए खर्च किए। निगम के पास 10 टैंकर भी है। वहीं अमृत मिशन जल योजना के तहत पानी की बर्बादी रोकने के लिए लोगों के घरों में मीटर लगाए गए हैं लेकिन इसे इसलिए चालू नहीं कर पाए कि वीटीपी व इंटकवेल ही नहीं बना सके।

SHRI KHATU SHYAM JYOTISH

15 वर्षों से आपकी सेवा में

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

पं. रविकांत शर्मा / पं. एस. के. शास्त्री

हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
"ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
"जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान"

ऑफिस आने पर मात्र ₹101/- फोन से परामर्श केवल ₹251/-

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया,
शादी के लिए माता-पिता को मनाना

जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान

पं. एस. के. शास्त्री
जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष समाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान - संतान योग
- दुकान, बच्चो के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण

बुकिंग के लिए संपर्क करें : +91 7470674060

असुविधा से बचने के लिए आपॉइंटमेंट लेकर ही मिलें

नोट : मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना आवश्यक है।

पोलसाय पारा चौक के पास, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र :- पं. रविकांत शर्मा एवं पं. एस. के. शास्त्री : +919755964567

धनतेरस

धन, स्वास्थ्य और सौभाग्य का पर्व - मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की आराधना से घर-आँगन में आती है समृद्धि

दीपावली से पहले आने वाला धनतेरस पर्व हर वर्ष कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। यह दिन मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की उपासना को समर्पित होता है। मान्यता है कि इस दिन घर की सफाई, दीपदान और शुभ वस्तुओं की खरीदारी से जीवन में धन-धान्य, आरोग्य और सुख-समृद्धि की वृद्धि होती है। देशभर के बाजारों में इस अवसर पर रौनक छा जाती है — लोग नए बर्तन, सोना-चाँदी, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ खरीदकर इस पर्व की खुशियाँ मनाते हैं।

"धनतेरस" शब्द दो भागों से मिलकर बना है — 'धन' अर्थात संपत्ति, समृद्धि और 'तेरस' अर्थात त्रयोदशी तिथि। यह तिथि कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी होती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, समुद्र मंथन के समय इस दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। धन्वंतरि देव को आयुर्वेद और चिकित्सा का अधिष्ठाता देवता माना जाता है। इसी कारण धनतेरस का दिन स्वास्थ्य की रक्षा और चिकित्सा के सम्मान का भी प्रतीक है। इसी दिन मां लक्ष्मी भी समुद्र मंथन से प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन को धन और लक्ष्मी की प्राप्ति का शुभ अवसर माना गया है। यही कारण है कि दीपावली की शुरुआत धनतेरस से मानी जाती है।

धनतेरस का धार्मिक और सामाजिक महत्व

धनतेरस केवल धन-संपत्ति का नहीं, बल्कि सौभाग्य और आरोग्य का पर्व भी है। भारतवर्ष में यह पर्व गृहस्थ जीवन में स्थिरता और समृद्धि के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दिन घरों में दीपक जलाने, बर्तन खरीदने और लक्ष्मी पूजन की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। धनतेरस पर दीया जलाना मृत्यु और रोग रूपी अंधकार को दूर करने का प्रतीक माना जाता है। संध्या के समय घर के बाहर 13 दीपक जलाने की परंपरा है, जिससे परिवार में सकारात्मक ऊर्जा और शांति का वातावरण बना रहता है।

भगवान धन्वंतरि की पूजा – स्वास्थ्य की रक्षा का व्रत

धनतेरस पर विशेष रूप से भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाती है। भगवान धन्वंतरि आयुर्वेद के जनक माने जाते हैं।इस दिन आरोग्य और दीर्घायु की कामना से लोग औषधियाँ, तुलसी पौधा या तांबे का बर्तन खरीदते हैं। मान्यता है कि जो व्यक्ति भगवान धन्वंतरि की पूजा करता है, उसे रोगों से मुक्ति और दीर्घ जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

खरीदारी का महत्व – धनवृद्धि का संकेत

धनतेरस के दिन खरीदारी करना अत्यंत शुभ माना गया है। लोग इस दिन सोना-चाँदी, वाहन, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ, फर्नीचर, घर-गृहस्थी के सामान और यहां तक कि संपत्ति तक खरीदते हैं।

परंपरागत विश्वास के अनुसारः सोना-चाँदी खरीदना मां लक्ष्मी की कृपा का प्रतीक है। तांबे या पीतल के बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है क्योंकि ये दीर्घायु और सुख का संकेत हैं। नए बर्तन घर में लाना समृद्धि और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है। नया वाहन या घर खरीदना धन और सफलता में वृद्धि लाता है। धार्मिक विश्वास के साथ-साथ यह पर्व आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

व्यापारियों के लिए यह दिन नए खाता-बही और व्यवसायिक आरंभ का प्रतीक होता है। बाजारों में इस दिन सबसे अधिक बिक्री होती है, इसलिए यह दिन व्यापार जगत का दीपावली उद्घाटन दिवस कहा जा सकता है।

क्या करें – धनतेरस पर शुभ कार्य

घर की साफ-सफाई और सजावट करें। मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की पूजा करें। दीपक जलाकर घर के कोनों में रखें, ताकि नकारात्मकता दूर हो। सोना, चाँदी, बर्तन या स्वास्थ्य संबंधी वस्तुएँ खरीदें। जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र या धन का दान करें। संध्या के समय 13 दीपक जलाएँ, यह मृत्यु और दुर्भाग्य से रक्षा करता है।

क्या न करें – सावधानियाँ

धनतेरस के दिन कर्ज लेना या देना अशुभ माना जाता है। किसी से कटु वचन या झगड़ा न करें। टूटी-फूटी वस्तुएँ या पुराने बर्तन घर में न रखें। रात्रि में झाड़ू-पोछा न करें, इसे दरिद्रता का प्रतीक माना गया है। अनावश्यक या दिखावे की खरीदारी से बचें; केवल उपयोगी और शुभ वस्तुएँ ही खरीदें।

पूजा विधि और मंत्र

शुभ मुहूर्त में पूजा स्थल पर लाल या पीला वस्त्र बिछाएँ। मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा स्थापित करें। दीपक, धूप, चन्दन, अक्षत और पुष्प से पूजन करें।

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025
[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

प्रतिबंध के बाद भी बिक रही मांगुर मछली, कार्रवाई का असर नहीं

सेहत से खिलवाड़ : 25 साल पहले लगाया गया प्रतिबंध, इसके बाद भी बिक रही मछली

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

मत्स्य पालन विभाग ने मांगुर मछली को प्रतिबंधित कर रखा है। बाजार में अवैध रूप से आने वाली इस मछली को लेकर लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। बावजूद इसके यह मछली मार्केट में यह बिकने के लिए पहुंच रही है। इसे चोरी-छिपे बेचा जा रहा है। बता दें कि मत्स्य विभाग द्वारा पिछले दो महीने से लगातार इसे लेकर अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई भी की जा रही है, बावजूद इसके बाजार में यह मछली लगातार पहुंच रही है। इस आक्रामक प्रजाति की मछली को भारत सरकार ने जैव विविधता बॉयो डायवर्सिटी और स्थानीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र इको सिस्टम को होने वाले गंभीर नुकसान के कारण वर्ष 2000 में प्रतिबंधित किया था। जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों इस मछलियों को किसी तालाब में डालने से पहले ही पकड़ा गया था। बताया जाता है कि थाइलैंड की मांगुर मछली एक अत्यंत आक्रामक और मांसाहारी मछली है। यह अन्य मछलियों, यहां तक कि स्थानीय प्रजातियों को भी खा जाती है, जिससे जलीय जैव विविधता को गंभीर खतरा होता है।

एनजीटी ने थाइलैंड मांगुर मछली पर लगा रखा है प्रतिबंध

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने मांगुर मछली की खरीदी-बिक्री और पालन पर प्रतिबंध लगा रखा है। सरकार का निर्देश है कि जहां भी इस तरह की प्रतिबंधित मछलियां पाई जाती हैं, उन्हें तुरंत नष्ट कर दिया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि ये आक्रामक प्रजातियां हमारे जल निकायों में प्रवेश न कर पाए और हमारे स्थानीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखा जा सके। इस मछली की तस्करी की वजह यह है कि यह किसी भी तरह के पानी में आसानी से जीवित रह सकती है। यहां तक कि बेहद प्रदूषित और गंदे पानी में भी तेजी से बढ़ती है। कम लागत और कम समय में अधिक ग्रोथ मिलने के कारण इसका पालन एक बहुत ही आकर्षक व्यवसाय माना जाता है।

थाई मछली को माना गया है जानलेवा, कैंसर का खतरा

विशेषज्ञों की मानें तो थाई मांगुर को खाना जानलेवा माना गया है। यह मछली कैंसर जैसी घातक बीमारी की वजह बन सकती है। भारत में इस मछली की बिक्री पर बैन लगा हुआ है। कई जगहों पर प्रतिबंध के बावजूद इस मछली को बेचा जाता है, लेकिन लोगों को इसे भूलकर भी नहीं खाना चाहिए। ऐसा करना उनके लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। यह मछली न केवल इंसानों की सेहत के लिए खतरनाक है, बल्कि यह जलीय जीवों को भी गंभीर नुकसान पहुंचाती है। इसके सेवन से शरीर में हानिकारक टॉक्सिन्स प्रवेश करते हैं, जो गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। यही कारण है कि इसे कार्सिनोजेनिक फिश यानी कैंसरकारक मछली भी कहा जाता है।

स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक

इस मछली को स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद खतरनाक माना गया है। इसके बाद भी यह मछली बाजारों में धड़ल्ले से बिकने के लिए पहुंच रही है। ये मछली ड्रेनेज और गंदे पानी में भी ज़िंदा रह सकती है। पानी की क्वालिटी को बुरी तरह प्रभावित करती है। यह मछली इकोसिस्टम को असंतुलित करती है। लोकल प्रजातियों को खत्म कर देती है। राज्य के अधिकांश जिलों में लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। पिछले दिनों दुर्ग जिले में इसकी खपत की जानकारी के बाद विभागीय जांच के बाद कार्रवाई की गई। मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मांगुर मछली सेहत के लिए हानिकारक है। इस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। जिले में नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। लोगों को भी जागरूक किया जा रहा है। दो महीने में कई कार्रवाई की गई है। इसके अलावा नियमित रूप से बेचने वालों को इसकी जानकारी दी जा रही है। इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा रहा है। ताकि लोग इसका सेवन ना करें। नहीं इसे बेचें।

दुर्ग निगम का निर्णय : संपत्तिकर दाताओं के लिए राहत भरी खबर

जलकर के 2400 रुपए साल में देने के बजाए तीन महीने में देने होंगे 600 रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

नगर निगम दुर्ग के 60 वार्डों में रहवासी संपत्ति करदाताओं के लिए अच्छी खबर है, अब उन्हें नलकर के 2400 रुपए साल में एक साथ देने की जरुरत नहीं है। निगम हर तीन महीने में 600 रुपए की वसूली करेगा। यह सुविधा जल्द ही लागू होगी। इसे लेकर राजस्व समिति की बैठक में निर्णय लिया गया है। यह भी स्पष्ट किया गया कि फिलहाल जलकर के 200 रुपए प्रतिमाह के हिसाब संपत्तिकर दाताओं से लिए जाते हैं। वहीं जो संपत्तिकर के दायरे में नहीं आते, उनसे 60 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से 720 रुपए लिए जाते हैं। अब उन्हें हर तीन महीने में शुल्क देने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि टैक्स को लेकर उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी उठानी न पड़े। करदाता यदि चाहे तो वह एक साथ एक साल का भी जलकर जमा करा सकता है। बैठक में बोरसी में मुख्यमंत्री स्वालंबन योजना के अंतर्गत बनाई गई 75 दुकानों और 104 चबूतरों के आवंटन को निरस्त करने का प्रस्ताव लाया गया। इसमें कहा गया कि दुकान आवंटन के बाद भी उनका उपयोग नहीं किया जा रहा। तय नियम और शर्तों का पालन नहीं हो रहा, इसे देखते हुए तत्काल आवंटन निरस्त किया जाए।

राजस्व समिति के फैसले के बाद इसे अब एमआईसी में रखा जाएगा

अवैध कॉलोनियों में करदाताओं की होगी पहचान

निगम ने राजस्व बढ़ाने को लेकर अवैध कॉलोनियों में सर्वे कराने का निर्णय लिया है। इसमें करदाताओं की पहचान की जाएगी। उनसे स्वविवरणी भराई जाएगी। टैक्स का निर्धारण कर वसूली की जाएगी। बैठक में कहा गया कि संपत्तिकर और जलकर की एक साथ वसूली होगी। सिकोला भाठा व नयापारा मार्केट में दुकानों के बाहर अवैध व्यवसाय करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। इंदिरा मार्केट में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पार्षद कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, विजयंत पटेल, ललिता ठाकुर, गोविंद देवांगन, बबिता यादव, जीतू महोबिया, रामचंद्र सेन, सविता साहू और थानसिंह यादव सहित अन्य मौजूद थे।

प्रगति नगर मैदान बोरसी में रखी जाएंगी 25 से ज्यादा गुमटियां

बैठक में चर्चा के दौरान कहा गया कि फुटकर व्यापारियों के लिए बोरसी जोन कार्यालय के पास बनेगी गुमटी। करीब 25 गुमटियों का निर्माण किया जाएगा, जिसे शिक्षिक बेरोजगारों को आवंटित किया जाएगा। बैठक में पूर्व में बने हुए पोटियाकला अटल आवास का सत्यापन करने का निर्णय लिया गया। अवैध निवासियों को बेदखल कर पात्र हितग्राहियों को सुपुर्द किया जाएगा। बैठक में राजस्व बढ़ाने को लेकर अन्य विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। राजस्व प्रभारी चंद्रशेखर चंद्राकर ने बताया कि राजस्व समिति की बैठक में जो निर्णय लिए गए है उन्हें महापौर परिषद की बैठक में मेयर अल्का बाघमार के समक्ष रखा जाएगा।

बीएसपी में नवीन सुरक्षा समाधान पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र की इस उत्कृष्ट सहभागिता और प्रभावी प्रदर्शन के लिए उसे 'क्यूसीएफआई भिलाई चैप्टर कन्वेंशन 2025'में 'सेफ्टी सर्कल में सर्वाधिक सहभागिता पुरस्कार'से सम्मानित किया गया।

- 83 पंजीकृत टीमों में से 81 टीमों ने लिया भाग

83 पंजीकृत टीमों में से 81 टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए नवीन सुरक्षा समाधान प्रस्तुत किए। इसमें 400 से अधिक कर्मचारियों और ठेका कार्मिकों,जिनमें 81 अधिकारी भी शामिल थे। यह आयोजन एचआरडीसी के चार हॉलों में संपन्न हुआ,जिसमें आठ विशेषज्ञों की मूल्यांकन समिति ने दो चरणों में प्रतियोगिता का आकलन किया। टीमों का मूल्यांकन 100 अंकों के पैमाने पर किया गया।

विजेता टीमों के मिले पुरस्कार

स्ट्रक्चर्ड मेंटरिंग के माध्यम से टीमों ने जोखिम कारकों की पहचान की, 150 से अधिक सुरक्षा सुधार प्रस्तावित किए तथा उनमें से 120 को सफलतापूर्वक लागू भी किया। इससे संयंत्र में जोखिम में उल्लेखनीय कमी आई तथा समग्र सुरक्षा प्रदर्शन में दृश्यमान सुधार दर्ज किया गया। सुरक्षा गतिविधियों में कर्मचारियों की सहभागिता पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया गया,जबकि विजेता टीमों को क्रमशः 25,000,15,000 और 10,000 रुपयों के पुरस्कार प्रदान किए गए।

धनतेरस में झाड़ू का बढ़ा महत्व, इसलिए इसकी डिमांड ज्यादा

हेमचंद यादव विवि दुर्ग के अपर संचालक और कुलपति को हिंदू युवा छात्र मंच ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

हिन्दू युवा छात्र मंच ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के अपर संचालक एवं कुलपति सचिव को ज्ञापन सौंपा जिसमें डॉ. खूबचंद बघेल कॉलेज में प्राचार्या एवं कुछ शिक्षकों द्वारा की जा रही गंभीर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अनियमितताओं के विरुद्ध तत्काल जांच और कड़ी कार्यवाही की मांग की गई है। संगठन ने बताया कि कॉलेज में प्राचार्या के लगातार अनुपस्थित रहने से प्रशासनिक कार्य अव्यवस्थित हो गए हैं तथा विद्यार्थियों के साथ अन्याय करते हुए बिना विषय निर्धारण के परीक्षा एवं वायवा लिए गए और परीक्षा के बाद भी कई विद्यार्थियों को अनुपस्थित दिखाया गया।

विद्यार्थियों की शिकायतों पर कोई सुनवाई न होने और प्राचार्या द्वारा विद्यार्थियों से मिलने से इंकार किए जाने के कारण हिन्दू युवा छात्र मंच ने यह विषय विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष उठाया है। संगठन ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी प्राचार्या एवं शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही

की जाए तथा अन्यायपूर्वक अनुपस्थित दिखाए गए विद्यार्थियों के परिणाम पुनः जारी किए जाएं। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर ठोस कार्यवाही नहीं की गई तो हिन्दू युवा छात्र मंच उग्र आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। यह जानकारी देते हुए छात्र संगठन के जिला संपर्क प्रमुख प्रिंस तिवारी ने बताया कि ज्ञापन देने के लिए जिला प्रभारी आलोक खापर्डे एवं जिला संयोजक नीरज देवांगन, राज गुप्ता, शिवांश वैष्णव, कमल रणदीवे, अंकित दुबे, हर्ष पद्मावर, ओमी पटेल, शिबू सोनी, आयुष देशमुख, विकास तांडी, जागेश्वर ठाकुर सहित हिन्दू युवा छात्र मंच के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साहू समाज के कृष्णा साहू बने उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ बोरी

ग्राम नवागांव पुरदा मे ग्रामीण साहू समाज की बैठक में कृष्णा साहू ने उपाध्यक्ष का चुनाव लड़ कर विजय प्राप्त की। चुनाव कराने के लिए परिक्षेत्रीय साहू संघ के अध्यक्ष डेरहा राम साहू पहुंचे थे। चुनाव प्रक्रिया समाज पार से हुई। जिसमे नवागांव में पांच पार में 10 लोगो को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष चयन किया गया। ग्रामीण साहू समाज मे अध्यक्ष पद के लिए रामेश्वर साहू को निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए चयन किया गया उपाध्यक्ष के लिए दो उम्मीदवार थे। कृष्णा साहू को 8 और विपक्ष को 2 वोट प्राप्त हुए। बता दे कि कृष्णा साहू इससे पहले भी ग्रामीण साहू समाज उपाध्यक्ष तथा परिक्षेत्रीय साहू संघ पुरदा के युवा संयोजक रह चुके हैं।

कोर्ट में पुलिस नहीं कर पा रही है समय पर चालान प्रस्तुत

सरकारी अस्पतालों में रुकी एक माह से 257 एमएलसी व 51 पीएम रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सरकारी अस्पतालों में रेडियोग्राफर का ऐसा टोटा हो गया है कि कोर्ट में पुलिस विभाग को चालान प्रस्तुत करने में दिक्कतें आने लगी है। जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल सुपेला सहित 9 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पिछले एक माह से 257 एमएलसी और 51 पोस्ट मार्टम रिपोर्ट रूका पड़ा है। खास बात यह है कि पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एमएलसी रिपोर्ट ऑनलाइन जनरेट करना है। ये रिपोर्ट पुलिस विभाग के मीडियापीआर पोर्टल में जनरेट करना है लेकिन दोनों की रिपोर्ट नहीं मिल पा रही है।

पुलिस विभाग को इस तरह हो रही है दिक्कतें

साक्ष्य संकलन में परेशानी

1 पुलिस विभाग के लिए किसी भी एमएलसी प्रकरण या हत्या के मामले में साक्ष्य संकलन करने में पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्रमुख आधार होता है। डॉक्टरी रिपोर्ट कोर्ट में एक मुख्य डिविडेंस के रूप में होती है। इसके अभाव में संबंधित थाने में मामले पेडिंग में हो गए हैं।

90 दिवस में चालान पेश है करना

2 पुलिस विभाग को एमएलसी प्रकरणों में 60 दिन हत्या मामलों में 90 दिन के भीतर कोर्ट में चालान प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। महीनेभर से रिपोर्ट नहीं मिलने से 30 दिन ऐसे ही निकल गए। शेष दिनों में चालान पेश नहीं कर पाए तो मामले का खात्मा हो सकता है। पुलिस विभाग की छवि भी धूमिल हो सकती है।

जल्द ही कर लेंगे पूरी

जिला अस्पताल से पीएम रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। एमएलसी प्रकरण ही पेंडिंग हैं। वर्क लोड डॉक्टरों पर ज्यादा है। दो-तीन दिन में इसे पूर्ण करवा लेंगे।

-डॉ. एके मिंज, सिविल सर्जन जिला अस्पताल दुर्ग

इस तरह अस्पतालों में पीएम और एमएलसी प्रकरण रूके

अस्पताल	एमएलसी	पीएम
जिला अस्पताल	42	08
सिविल अस्पताल सुपेला	121	30
चंदूलाल मेडिकल कॉलेज	01	04
सीएचसी अहिवारा	05	00
सीएचसी बोरी	19	00
सीएचसी धमधा	07	02
सीएचसी पाटन	04	03
सीएचसी कुम्हारी	20	00
सीएचसी निकुम	01	00
सीएचसी पाटन	03	01
सीएचसी झीट	01	00

नोटः ये लंबित रिपोर्ट 24 सितंबर तक की है।

जिला अस्पताल में 42 एमएलसी और 8 पोस्टमार्टम रिपोर्ट रुकी

दुर्ग जिला अस्पताल में सबसे ज्यादा एमएलसी प्रकरण व पोस्टमार्टम किए जाते हैं। जिला अस्पताल में पिछले एक महीने से 42 एमएलसी प्रकरण रूका पड़ा है। यहां 8 मामले की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी डंप हैं। एक महीने से जिला अस्पताल में एक भी रेडियोलॉजिस्ट नहीं हैं। जिसकी वजह से पहले की रिपोर्ट में हस्ताक्षर करने वाले डॉक्टर नहीं हैं और आने वाली रिपोर्ट तैयार नहीं हो पा रही है।

सिविल अस्पताल सुपेला में सबसे ज्यादा एमएलसी व पीएम रूका

लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में सबसे ज्यादा एमएलसी रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट रूका हुआ है। इस अस्पताल में 121 एमएलसी केस और 30 पोस्टमार्टम रिपोर्ट रूके हुए हैं। इस अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर नहीं है। जो डॉक्टर पीएम ड्यूटी कर रहे हैं वे भी रिपोर्ट तैयार करने में देरी कर रहे हैं।

जिले के 9 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 94 एमएलसी डंप

पुलिस विभाग द्वारा जिस थाना क्षेत्रों में घटना-दुघर्टना या हत्या होती हैं वहां से संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ये प्रकरण जाते हैं। जिले में 9 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं जहां संबंधित थाने से मामले भेजे गए हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में 94 एमएलसी प्रकरण रूके पड़े हैं। इसी तरह 11 पोस्टमार्टम रिपोर्ट पुलिस विभाग को नहीं मिली है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सबसे ज्यादा उतई में लंबित हैं। यहां 33 एमएलसी केस और 3 पोस्टमार्टम रिपोर्ट सीएचसी ने नहीं दिया है।

नहीं मिल रही रिपोर्ट

नए कानून 2023 में आईसीजेएस पोर्टल पुलिस विभाग, जेल, अभियोजन, एफएसएल सहित स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं का डाटा आदान-प्रदान करने बनाया गया है। जिसके तहत मीडीयापीआर पोर्टल में पीएम रिपोर्ट, एमएलसी रिपोर्ट ऑनलाइन जनरेट किया जाना है। एक महीने से लगातार एमएलसी व पीएम रिपोर्ट भेजे जा रहे हैं लेकिन संबंधित अस्पतालों द्वारा निर्देशों का परिपालन नहीं हो पा रहा है। जिसकी वजह से साक्ष्य संकलन व समय अवधि में चालान पेश करने में दिक्कतें आ रही है। हमने कलेक्टर को इस संबंध में पत्र लिखा है।

-विजय अग्रवाल, एसएसपी

प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लिया स्कूली बच्चों ने

कुम्हारी। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 2025–26 के अंतर्गत सामाजिक अंकेक्षण प्रश्नावली एवं सहायक सामग्री, संकेतन एवं लर्निंग आउटकम संबंधी अनुलग्नक का निरीक्षण पीएम श्री सेजस, कुम्हारी में किया गया। जिसमें हाई एवं हायर सेकेंडरी हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के लिए अंकेक्षण में पीएम श्री अहिवारा प्राचार्य उत्तम साहू एवं शाला प्रबंधन विकास समिति अध्यक्ष आलोक दुबे ,पालक एवं शिक्षाविद बी. एल. यदु , संकुल समन्वयक अजय सिंह , अश्विनी देशलहरे वार्ड क्रमांक एक पार्षद जल प्रभारी नगर पालिका परिषद कुम्हारी, सुनीता कुर्रे जनप्रतिनिधि बसंत साहू पलक जीवन विद्या प्रबोधक शामिल हुए। जिसमें हिंदी मीडियम के 399 और इंग्लिश मीडियम के 297 बच्चे उपस्थित थे। बच्चों द्वारा बढ़ चढ़कर इस प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मिडिल के अंकेक्षण टीम की लीडर अपर्णा मून प्रधानपाठक सेजस अहिवारा एवं एसएमडीसी के सुजीत यादव, उमेश्वरी साहू शिक्षा समिति अध्यक्ष नगर पालिका कुम्हारी शामिल थे। मिडिल में बच्चों की दर्ज संख्या 306 रही।

त्यौहार की सारी खुशियाँ अब बजट में
D Mart
Daily Discounts Daily Savings
शॉप ऑनलाइन**
DMart ready
GET IT ON Google Play
Download on the App Store
अतिरिक्त जीएसटी बचत के साथ**
फूड एण्ड ग्रोसरी
₹45* सिर्फ लूज चीनी 1 किलो
₹59* सिर्फ लूज वाडा कोलम चावल 1 किलो
₹81* सिर्फ लूज बिरयानी चावल 1 किलो
₹32* सिर्फ लूज गेहूं आटा 1 किलो
₹123* सिर्फ लूज मूंगफली 1 किलो
₹101* सिर्फ लूज मूंग दाल 1 किलो
₹75* सिर्फ लूज चना दाल 1 किलो
₹101* सिर्फ लूज लातूर तुअर दाल 1 किलो
₹49* सिर्फ लूज पतला पोहा 1 किलो
₹79* सिर्फ लूज चावल पापड 1 किलो
₹79* सिर्फ लूज रोस्टेड पोहा 1 किलो
₹59* सिर्फ प्रीमियम गुड 900 ग्राम मूल कीमत ₹90
₹43* सिर्फ प्रीमिया मैदा 1 किलो मूल कीमत ₹62
₹47* सिर्फ प्रीमिया रवा 1 किलो मूल कीमत ₹67
₹87* सिर्फ प्रीमिया बेसन 1 किलो मूल कीमत ₹118
₹26* सिर्फ मकई पोहा 400 ग्राम मूल कीमत ₹40
₹40* सिर्फ नारियल 1 पीस
₹439* सिर्फ काजू 500 ग्राम मूल कीमत ₹702
₹385* सिर्फ स्वाद पिस्ता 400 ग्राम मूल कीमत ₹550
₹363* सिर्फ स्वाद बादाम 500 ग्राम मूल कीमत ₹503
₹269* सिर्फ मिक्स ड्रायफ्रूट 500 ग्राम मूल कीमत ₹407
₹326* सिर्फ गोल्डन डिलाइट्स असोर्टेड ड्रायफ्रूट्स 300 ग्राम मूल कीमत ₹652
₹351* सिर्फ गोल्डन मोमेंट असोर्टेड ड्रायफ्रूट्स 300 ग्राम मूल कीमत ₹702
₹420* सिर्फ फेस्टिव डिलाइट कलेक्शन प्रीमियम ड्रायफ्रूट्स 400 ग्राम मूल कीमत ₹840
₹445* सिर्फ फेस्टिव कलेक्शन प्रीमियम ड्रायफ्रूट्स 400 ग्राम मूल कीमत ₹890
दिवाली स्पेशल
₹92/₹149* सिर्फ टी लाइट कैण्डल 30/50 पीस मूल कीमत ₹110/₹180
₹149* से आगे दिवाली एलइडी डेको लाइट्स
₹55* सिर्फ क्ले दिया 4 पीस पैक मूल कीमत ₹60
₹55* से आगे दिवाली गन
₹33/₹79* सिर्फ इलायची ग्रीन ईको 10 ग्राम/25 ग्राम मूल कीमत ₹53/₹123
₹239* सिर्फ इंडियन किशमिश 500 ग्राम मूल कीमत ₹391
गिफ्ट आर्टिकल्स
1 खरीदो 1 पाओ मुफ्त बेला वीटा युनिसेक्स परफ्यूम गिफ्ट पैक 4 पीस x 20 मि.ली. मूल कीमत ₹649
55% छूट मूल कीमत पर नटराज विशेष ड्रायफ्रूट गिफ्ट पैक (सभी श्रेणी)
35% छूट मूल कीमत पर बिकाजी रिश्ते स्वीट एन्ड नमकीन गिफ्ट पैक (सभी श्रेणी)
12% छूट मूल कीमत पर हल्दीराम्स स्वीट एन्ड नमकीन गिफ्ट पैक (सभी श्रेणी)
35% छूट मूल कीमत पर कैडबरी सेलिब्रेशन्स गिफ्ट पैक (मूल कीमत ₹50 से ऊपर की सभी श्रेणी पर)
25% छूट मूल कीमत पर फरेरो रोचर (मूल कीमत ₹185 से ऊपर की सभी श्रेणी पर)
₹210* सिर्फ अमूल अवसर काजू कत्री 200 ग्राम मूल कीमत ₹230
1 खरीदो 1 पाओ मुफ्त आकाश सोहन पापडी 400 ग्राम मूल कीमत ₹150
1 खरीदो 1 पाओ मुफ्त हल्दीराम्स बेसन लड्डू 500 ग्राम मूल कीमत ₹320
₹99* सिर्फ नाकोडा रसगुल्ला टीन 1 किलो मूल कीमत ₹240
त्यौहार के लिये फैशन
₹199* से आगे गर्ल्स फ्रॉक
₹399* से आगे गर्ल्स फैशन फ्रॉक
₹199* से आगे गर्ल्स टॉप
₹79* से आगे बॉय्ज एण्ड गर्ल्स टी शर्ट
₹399* से आगे बॉय्ज कार्गो पैण्ट
₹199* से आगे लेडीज लॉन्ग कुर्तीज
₹199* से आगे गर्ल्स जीन्स
₹299* से आगे बॉय्ज एण्ड गर्ल्स कुर्ता
₹185* से आगे किड्स शूज
₹199* से आगे बॉय्ज शर्ट
₹199* से आगे बॉय्ज एण्ड गर्ल्स डेनीम
₹99* से आगे लेडीज दुपट्टा
₹199* से आगे लेडीज एंकल कॉटन स्ट्रेच लेगिंग्ज
₹599* से आगे कुर्ती सेट
₹99* से आगे लेडीज टी शर्ट
₹149* से आगे लेडीज फैन्सी टॉप
₹349* से आगे लेडीज जीन्स
₹74* से आगे लेडीज स्लिपर
₹279* से आगे लेडीज सैण्डल्स
इलेक्ट्रिकल अप्लायन्सेज
₹129* से आगे ट्यूब लाइट
ECOLINK Philips Crompton BAJAJ
₹130* सिर्फ एवरेडी AA और AAA बैटरीज 10 पीस मूल कीमत ₹180
₹399* से आगे ड्राय आयरन
Philips BAJAJ USHA Crompton
₹299* से आगे ब्रांडेड एक्सटेंशन बोर्ड और पावर स्ट्रिप
GM Goldmedal
₹39* से आगे एलईडी 9 वॉट
₹499* से आगे इलेक्ट्रिकल केटल
BAJAJ Philips
₹1,749* से आगे इलेक्ट्रिकल मिक्सर
₹1,395* से आगे इलेक्ट्रिकल न्यूट्री ज्यूसर
बेड एण्ड बाथ
₹935* सिर्फ कारपेट मॉडर्न 120 सेमी x 180 सेमी मूल कीमत ₹1,115
₹249* सिर्फ वेलस्पन बाथ टावल 100% कॉटन 70 सेमी x 140 सेमी मूल कीमत ₹285
₹149* सिर्फ सिंगल बेडशीट 140 सेमी x 225 सेमी मूल कीमत ₹170
₹149* सिर्फ पर्दे 112 सेमी x 150 सेमी मूल कीमत ₹230
₹399* सिर्फ फायबर तकिया 40 सेमी x 60 सेमी 2 पीस मूल कीमत ₹500
किचनवेयर
₹209* सिर्फ स्टील कॉम्बो सेट 6 पीस मूल कीमत ₹420
₹92* से आगे सिरेमिक मग सेट 6 पीस
₹185* सिर्फ मैम्पस स्टील कैसेरोल 1.1 ली मूल कीमत ₹756
₹99* से आगे ग्लास सेट 6 पीस
₹1,489* सिर्फ बटरफ्लाय स्टेनलेस स्टील कुकर कर्व 3 ली मूल कीमत ₹3,646
₹1,119* से आगे पिजन नॉन-स्टिक रेड गिफ्ट सेट 7 पीस
₹99* सिर्फ दाल कंटेनर सेट 1400 मि.ली. 3 पीस मूल कीमत ₹160
₹1,589* सिर्फ पिजन एल्युमीनियम कुकर 2 ली/3 ली/5 ली कॉम्बो 3 पीस मूल कीमत ₹3,195
₹399* सिर्फ प्लास्टिक बिग कंटेनर 5ली/7ली/10ली/15ली सेट 4 पीस मूल कीमत ₹550
₹129* सिर्फ प्लास्टिक कंटेनर सेट 7 पीस मूल कीमत ₹155
₹199* से आगे कैसेरोल 2100 मि.ली.
₹399* से आगे मेलामाइन डिनर सेट 20 पीस
₹99* सिर्फ फ्लेक्सी लंच बॉक्स
डेली एसेंशिअल्स
₹1,949* सिर्फ सफोला एक्टिव ऑइल जार 12.75 किलो मूल कीमत ₹2,805
₹572* सिर्फ अमूल घी रिफील 1 लि. मूल कीमत ₹650
₹394* सिर्फ नटराज कैलिफोर्निया बादाम 500 ग्राम मूल कीमत ₹599
₹475* सिर्फ नटराज काजू 500 ग्राम मूल कीमत ₹699
₹459* सिर्फ नटराज पिस्ता 400 ग्राम मूल कीमत ₹699
₹165* सिर्फ गिट्स गुलाब जामुन मिक्स बॉक्स 500 ग्राम मूल कीमत ₹217
₹93* सिर्फ मैगी मसाला नूडल्स 560 ग्राम मूल कीमत ₹120
₹224* सिर्फ हल्दीराम्स भुजिया सेव 1 किलो मूल कीमत ₹275
₹99* सिर्फ सायकल ऑल इन 1 अगरबत्ती 191 पीस मूल कीमत ₹150
1 खरीदो 1 पाओ मुफ्त डाबर आल्मंड हेयर ऑइल 485 मि.ली. मूल कीमत ₹350
₹199* सिर्फ मैसूर सैंडल साबुन 450 ग्राम मूल कीमत ₹243
₹258* सिर्फ कोलगेट स्ट्रांग टूथपेस्ट 500 ग्राम मूल कीमत ₹350
1 खरीदो 1 पाओ मुफ्त निविया बॉडी मिल्क नरिशिंग लोशन 600 मि.ली. मूल कीमत ₹760
₹229* सिर्फ स्टेफ्री सेक्युअर XL पैड्स 40 पीस मूल कीमत ₹275
₹266* सिर्फ फियामा सेलिब्रेशन्स पैक जेल बार 4x125 ग्राम प्रति पीस मूल कीमत ₹449
₹250* सिर्फ गुडनाईट गोल्ड फ्लॅश रिफिल 4x45 मि.ली. प्रति पीस मूल कीमत ₹325
₹199* सिर्फ ओडोनिल एयर फ्रेशनर मिस्टीक 4x72 ग्राम प्रति पीस मूल कीमत ₹310
₹159* सिर्फ गाला झाड़ू XL मूल कीमत ₹210
₹499* से आगे मेन्स एथनिक कुर्ता
₹299* से आगे मेन्स शॉर्ट कुर्ता
₹499* से आगे मेन्स जॉगर्स एण्ड कार्गो
₹279* से आगे मेन्स कैज्युअल शूज
₹99* से आगे मेन्स फैन्सी टी शर्ट
₹199* से आगे मेन्स फॉर्मल एण्ड कैज्युअल शर्ट
₹349* से आगे मेन्स फॉर्मल ट्राउजर
₹349* से आगे मेन्स फैशन जीन्स
₹449* से आगे मेन्स कॉटन चीनोज
25% छूट मूल कीमत पर सभी ब्रांडेड मेन्स अंडरगारमेंट्स
लगेज
₹1,560* सिर्फ एरिस्टोक्रेट सिडनी प्लस ट्रॉली बैग 39 सेमी x 55 सेमी x 24 सेमी मूल कीमत ₹10,000
₹1,499* सिर्फ सफारी एसर नियो ट्रॉली बैग 38 सेमी x 55 सेमी x 23 सेमी मूल कीमत ₹7,199
₹699* सिर्फ सफारी ड्रिफ्टर डफ़ल बैग 56 सेमी x 26 सेमी x 30 सेमी मूल कीमत ₹1,999
₹699* सिर्फ एरिस्टोक्रेट उपहार एयर बैग 50 सेमी x 24 सेमी x 28 सेमी मूल कीमत ₹1,750
₹699* सिर्फ प्रायोरिटी हायकिंग बैग मूल कीमत ₹995
न्यूनतम 9% छूट
सिटी मॉल, रायपुर : 6262000236 • रिंग रोड, रायपुर : 0771-2262922 • नेशनल हाइवे-6, भिलाई : 9752574902/9752098603
अंबाडी नगर, भिलाई : 6269500098 • पोटियाकला दुर्ग, भिलाई : 9630804906 • राजनांदगांव : 6269500166
**सिर्फ रायपुर और भिलाई में उपलब्ध
उत्पादों के चित्र केवल प्रतिनिधित्व उद्देश्यों के लिए हैं और वास्तविक उत्पादों से भिन्न हो सकते हैं। • उत्पाद की पेशकश स्टाक रहने तक वैध। • ऑफर्स स्थान के अनुसार भिन्न हो सकते हैं। • इस विज्ञापन में दिखाये गये ब्रांड के संबंधित ब्रांड के मालिक के स्वामित्व में हैं।
प्रबंधन के पास अपने विवेक से कीमतों में बदलाव, छूट देने का और उत्पादों को बेचने का अधिकार सुरक्षित हैं। • **सभी प्रभावित वस्तुओं पर जीएसटी बचत डीमार्ट और ऑनलाइन में घटाए गए विक्रय मूल्य के रूप में लागू की गई है। • नियम और शर्तें लागू। • *खुदरा बिक्री मूल्य। • # 1 वस्तु
Impulse/10/25

खबर संक्षेप

पीएम स्वनिधि योजना से हितग्राही को मिला लाभ

कुम्हारी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनांतर्गत गुरुवार को बैंक ऑफ महाराष्ट्र से सूरज कुमार गुप्ता को पंद्रह हजार रुपए का ऋण मिला। विदित हो कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनांतर्गत अब पथ विक्रेताओं को प्रथम चरण में पंद्रह हजार रुपए, द्वितीय चरण में पच्चीस हजार रुपए तथा तृतीय चरण में पचास हजार रुपए का ऋण दिया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज सूरज कुमार गुप्ता को प्रथम चरण में यह ऋण प्रदान किया गया।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेतराम चंद्राकर एवं मिशन मैनेजर शरद कुमार सिंह ने बताया कि सही समय पर ऋण भुगतान करने वाले हितग्राहियों को द्वितीय एवं तृतीय चरण का लाभ भी मिलेगा। पथ विक्रेताओं को द्वितीय चरण का भुगतान करने के पश्चात क्रेडिट कार्ड का भी लाभ मिलेगा। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति मीना वर्मा ने समस्त पथ विक्रेताओं को योजना का लाभ लेने का आव्हान किया है। चेक वितरण के दौरान सुधा वर्मा रुचि त्रिपाठी एवं भागवत साहू भी उपस्थित रहे।

नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष ने की फुटकर व्यापारियों से मुलाकात

दुकान आवंटन के नाम पर कांग्रेसी भ्रम फैला रहे, सब नियमानुसार हुआ : भाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

छुटे व्यापारियों को भविष्य में दुकान आबंटन होगा तो उन्हें प्राथमिकता के साथ दी जाएगी

नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने फुटकर व्यापारियों से मुलाकात कर आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी पाटन नगर में दुकान आबंटन को लेकर केवल भ्रम फैलाने का काम कर रही है और दुकानों का आवंटन नगर पंचायत द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है।उन्होंने कहा कि इसके लिए पीआईसी में प्रस्ताव पास किया गया, सूचना निकाली गई और चयन समिति ने चयन किया है। जिसमें कांग्रेस के पार्षद भी थे।

उन्होंने कहा कि कई परेशानियों के साथ व्यवसाय कर रहे फुटकर व्यापारियों को दुकान का आबंटन प्राथमिकता के साथ किया गया हैं। ऐसे अभी और भी दुकान है जिनका आबंटन भविष्य में होना है। कुछ व्यापारी साथी अभी छूट गए होंगे उनको हम प्राथमिकता में रखे है और भविष्य में दुकान आबंटन होगा तो उन्हें प्राथमिकता के साथ दुकानें दी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि नगर में प्रसिद्ध वार्ड 3 में हनुमान तालाब, वार्ड 4 में राजीव सरोवर, वार्ड 4 में इंडोर स्टेडियम, वार्ड 5 में रावण की मूर्ति, वार्ड 9 में स्ट्रैल गार्डन, वार्ड 13 में क्रिकेट स्टेडियम, वार्ड 13 में भरेंगा तालाब सहित अन्य गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्य का जांच कराकर दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी। नगर क्षेत्र में जितनी भी शासकीय जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है, उसको जल्द से जल्द नोटिस देकर वापस लिया जाएगा व ठोस कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा सोनी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष रानी बंछोर, सभापति केवल देवांगन, जितेन्द्र निर्मलकर, नेहा वर्मा, देवेंद्र ठाकुर, पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन, अन्नपूर्णा पटेल, सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक, योगेश सोनी, बाबा वर्मा, अवधेश ठाकुर, विजयकांत बंछोर, चिरंजीव देवांगन, लोकेश पटेल सहित फुटकर व्यापारियों में जयप्रकाश देवांगन, प्रमोद ठाकुर, नीरज देवांगन, धन्ना देवांगन, शिवा सिन्हा, सुखनंदन देवांगन, चंद्रशेखर यादव, ओमप्रकाश देवांगन, रोशन धीवर सागर सोनी एवं सभी फुटकर व्यापारी उपस्थित रहे।

अंचल की खबरें

सांसद खेल महोत्सव में हुए रोमांचक मुकाबले

जामगांव आर। ग्राम पंचायत नवागांव में सांसद खेल महोत्सव 2025 प्राथमिक शाला नवागांव में संपन्न हुआ। महोत्सव के अतिथि कविता साहू सरपंच, छगनलाल साहू उपसरपंच, अभिषेक सेन बूथ अध्यक्ष भाजपा नवागांव,लेखराम साहू पंच मंचसीन रहे। सांसद खेल महोत्सव में फुगड़ी मे प्रथम मुस्कान गेड़ी मे प्रथम सूर्या दौड़ मे प्रथम तामेश्वर कुर्सी दौड़ प्रथम ऋतू साहू ने प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

भाजपा युवा नेता अभिषेक सेन ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव 2025 खेल प्रतिभाओं को मंच देकर प्रतिभाओं को पहचान दिलाकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है गांव में खेल संस्कृति को विकसित करने और युवाओं में अनुशासन टीम भावना और आत्मविश्वास का संचार करने में सांसद खेल स्वर्णिम अवसर है। इस अवसर पर सरपंच कविता साहू, छगनलाल साहू उपसरपंच, अभिषेक सेन बूथ अध्यक्ष व मीडिया प्रभारी, लेखराम साहू पंच, मोनिषा साहू, रविशकुमार मंडल शिक्षक, चंद्रशेखर देवांगन संकुल समन्वक बेल्हारी, भीषमकुमार साहू रोजगार सहायक नवागांव, चुम्मनलाल साहू, पंकज यादव, उदय साहू, दिलीप नेताम, देवराज साहू, ऋषभ, सुभाष साहू, उमेश साहू सहित समस्त स्कूली बच्चों उपस्थित रहे।

बुजुर्गों का बना वयवंदन कार्ड, मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

सेलूद। ग्राम पंचायत औंधी में 70 से अधिक आयु के नागरिकों का आयुष्मान वयवंदन कार्ड बनाने शिविर लगाया या। बी ई ईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि बुजुर्गो के स्वास्थ्य के प्रति केंद्र सरकार ओर राज्य सरकार द्वारा 70 उम्र से ऊपर सभी लोगों का आयुष्मान वयवंदन कार्ड बनाया जा रहा है इसमें शासन द्वारा मान्यता प्राप्त अस्पतालों ओर शासकीय अस्पतालों में कुल 5 लाख रुपये तक निशुल्क इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि बीपीएल सूची के हितग्राहियों को 5 लाख तक इलाज की शासन सुविधा उपलब्ध कराई जाती है किन्तु वयवंदन कार्ड योजना में सभी राशन कार्ड संवर्गो के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है क्योंकि केंद्र सरकार ओर राज्य सरकार चाहती है कि 70+ सभी वर्गो की विभिन्न बीमारियों की उपचार निशुल्क हो ओर लोगों को उनके बुढ़ापे में कोई असुविधा ना हो। निशुल्क उपचार बड़े सभी अस्पतालों ओर विशेषज्ञ चिकित्सकों का मार्गदर्शन सलाह बुजुर्ग व्यक्तियों को मिलेगी। यहां निवासरत 70 से अधिक उम्र के कुल 96 व्यक्तियों में 32 की मृत्यु हो गई है वहीं आज 20 लोगों का कार्ड बनाया गया। कार्यक्रम में सरपंच परदेशी राम देशलहरे,उप सरपंच दीपक चंद्राकर, एल एच व्ही आर विश्वास, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक जितेन्द्र पटेल,जे एस ए कुमारी मीरा साहू, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजिका नीना चक्रवती, मितानिन कुमुद ठाकुर,डेरहिन यादव, सचिव सुलोचना चंद्राकर, ग्रामीण जन लेखन चंद्राकर, गोपाल चौधरी, प्यारे लाल चंद्राकर, कुंज लाल ,दशरू लोहार उपस्थित थे।

एचआईवी जागरुकता पर कार्यक्रम आयोजित

उतई। दाऊ उत्तम साव शासकीय महाविद्यालय मचांदुर में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 11 से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे एचआईवी जागरुकता कार्यक्रमों के अंतर्गत एचआईवी जागरुकता पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी विकास कुमार टांडेकर ने एचआईवी एड्स संक्रमण होने के कारणों, लक्षणों एवं बचाव के तरीकों पर प्रकाश डाला, साथ ही स्वयंसेवकों ने एचआईवी जागरुकता संबंधित शपथ भी ग्रहण की। द्वितीय सत्र में महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ आइडियाथौन 2025 अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. नीलम द्वारा विद्यार्थियों को स्टार्टअप्स एवं जमीनी नव प्रवर्तकों के नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की योजनाओं के बारे में आवश्यक बातें समझाई गई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता मेहुरिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्राध्यापक वर्षा वर्मा, जागृति चंद्राकर, मुकेश सिन्हा, डॉ. रामेश्वरी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा में उपस्थित रहे।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। पूरे शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग, शॉप नंबर 64बी, प्रिया श्रृंगार सदन के सामने अपने शोरूम रेड एंड व्हाइट कलर के लिए जाना माना सुप्रसिद्ध शॉप ओम ज्वेलर्स में दीपावली के अवसर पर विशेष डिस्काउंट एवं विशेष छूट अपने सभी कस्टमर को दिया जा रहा है। जहां आपको एडवांस बुकिंग करने पर तत्काल जितना ग्राम सोना उतना ग्राम चांदी फ्री एवं शादी के गहनों की शॉपिंग पर डिस्काउंट के साथ इंपोर्टेड वॉच एवं इंपोर्टेड टूरिस्ट बैग तत्काल प्रदान की जाती है। श्री ओम ज्वेलर्स के संचालक सोनी ने बताया कि धनतेरस से लेकर लक्ष्मी पूजा तक दिवाली में भीड़ होने की वजह से ग्राहकों को विस्तार से डिजाइन दिखाने में सुविधा होती है। अपने ग्राहकों को भीड़ भाड़ से बचने के लिए धनतेरस से पहले बुकिंग करें एवं धनतेरस के शुभ मुहूर्त पर अपने मनपसंद जेवर घर ले जाएं। हमारी शॉप में टोटल हॉलमार्क गहने जिसमे 6 अंकों का huid कोड ही जेवर उपलब्ध होती है जो 100% विश्वनीयता पर खरा रहती है। पूरे क्षेत्र में सबसे कम मेकिंग चार्ज पर गहने प्रदान की जाती है। हमारी शॉप में कम कीमत से अधिक कीमत की गहने उपलब्ध हैं जिसमें हर फैमिली के बजट अनुरूप गहने उपलब्ध मिलती है। जहां सोने का हार चोकर नेकलेस 5 ग्राम से स्टार्ट है। सोने की अंगूठी, झुमका, ऐयरिंग, डबल कुंडा, फैंसी लॉकेट, मंगलसूत्र, टॉप्स 2 ग्राम से शुरू है। हमारे शॉप में 916 हॉलमार्क 833 हॉलमार्क 750 हॉलमार्क के गहने उपलब्ध है एवं चांदी में डायमंड सेट हार सेट 925 के सिल्वर बैंकॉक के इंपोर्टेंट वॉच न्यू डिजाइन उपलब्ध है। साथ ही पायलों की विस्तृत रेंज जैसे नई वैरायटी के करधन, पायल, बैंगल्स, हाथ फूल, बिछिया, चैन, लॉकेट की एक से बढ़कर एक वैरायटी उपलब्ध है। वहीं हमारे शॉप में टोटल ओपन डिस्प्ले होने की वजह से मनपसंद गहने खरीदने में सुविधा होती है। सभी प्रकार के चेक, ऑल एटीएम एवं क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट की सुविधा है। आशा है बेहतरीन से बेहतरीन डिजाइन लेने के लिए आज ही ओम ज्वेलर्स जरूर पधारे।

भारती विवि ने मनाया 'एक दीप राष्ट्र के नाम' उत्सव

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.एन.तिवारी के निर्देश पर दीपावली पूर्व उत्सव का आयोजन किया गया । पहली कडी मे फार्मेसी संकाय द्वारा 15 अक्टूबर को आरंभिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक परिधानों में विविध प्रतियोगिताओं में भाग लेकर दीपोत्सव के उल्लास को और भी विशेष बना दिया। पूरे परिसर में आनंद, उमंग और उत्सव का वातावरण व्याप्त रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शशालिनी चन्द्राकर (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. वीरेन्द्र कुमार स्वर्णकर रजिस्ट्रार, प्रभजोत सिंह भुई (उपाध्यक्ष) उपस्थित थे । दुसरे दौर में शिक्षा विभाग एवं लाइफ साइंस विभाग तथा आई.क्यू.एस.सी. के संयुक्त तत्वाधान में ₹एक दीप राष्ट्र के नाम ₹ समारोह दिनांक 16.10.25 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. घनश्याम साहू तथा एकेडमिक्स प्रमुख डॉ. आलोक भट्ट द्वारा माँ सरस्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया । इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भारत के मानचित्र को दीपों से सजाकर यह संदेश दिया कि – "हमारा देश सदैव उज्जवल, स्वस्थ , प्रगतिशीलऔर समृद्ध रहे।" इस अनोखे दीपोत्सव में विश्वविद्यालय के सभी अध्यापकगण , गैर शैक्षणिक कर्मचारियो एवं विभिन्न विद्यार्थीगण ने बड़ी संख्या मे प्रतिभागिता दी । कार्यक्रम में डॉ. अजय सिंह, डॉ. नीतू श्रीवास्तव लाइफ साइंस विभाग), डॉ. मंजू साहू सह-प्राध्यापक, शिक्षा विभाग) एवं श्रीमती हेमलता चंद्राकर विशेष रूप से उपस्थित रहे । कार्यक्रम का सफल समन्वयन डॉ. मंजू साहू एवं श्रीमती हेमलता चंद्राकर ने किया, सह-समन्वयक के रूप में श्रीमती नीलम त्रेहान एवं श्रीमती नीतू साहू की भूमिका रही।कार्यक्रम की संकल्पना डॉ. स्वाति पाण्डेय एवं डाक्टर नीतू श्रीवास्तव की थी।उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त विभाग के प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने दीप प्रज्वलित कर अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। व्यंजन निर्माण प्रतियोगिता -प्रथम समूह में प्रथम स्थानः प्रेर्णा, साक्षी, पूरवा, तुलसी साहू ,द्वितीय स्थानः महीनूर, माही नेवेन्द्र, लखिल देशमुख ,तृतीय स्थानः द्रितीय समूह में प्रथम स्थान रिया रानू हेमवर्ण नंदिनी बहरा एवं सेजल चंद्राकर , द्वितीय स्थान आकाश ने प्राप्त किया।

कांती ज्वेलर्स में दिपावली का धमाका ऑफर

भिलाई। सिरसा रोड चांदनी चौक कोहका भिलाई में संचालित कांती ज्वेलर्स में ग्राहकों के लिए दिपावली के शुभ अवसर पर उपहारों की बरसात एवं दिवाली धमाका ऑफर दिया जा रहा है। ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि खुशियों के रंग कांती ज्वेलर्स के संग के तर्ज पर ग्राहकों के लिए कई प्रकार के आकर्षक उपहारों का ऑफर दिया जा रहा है। कांती ज्वेलर्स 17 वर्षों से ग्राहकों की सेवा में लगा हुआ है। 22 सितंबर से 25 हजार की खरीदी पर लक्की ड्रा कूपन दिया जा रहा है। कूपन का ड्रा 1 जनवरी 2026 को खोला जाएगा जिसमें विशेष आकर्षक उपहार ग्राहकों को दिया जाएगा। कांती ज्वेलर्स की स्वर्ण एवं चांदी संचय योजना के तहत 1 हजार, 2 हजार, 5 हजार के 12 माह के आसान किस्तों में उपलब्ध है। जमा करने से 1 माह छूट मिलेगा। कांती ज्वेलर्स में डायमंड, सोना, चांदी के आकर्षक डिजाइन के गहने उपलब्ध है साथ ही राशि रत्न भी उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए कांती ज्वेलर्स दुकान में संपर्क किया जा सकता है।

जातिवाद और सामाजिक विषमताओं को भुलाकर एकजुटता का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जामगांव खण्ड अंतर्गत सेलुद मण्डल में विजयादशमी उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। स्थानीय विश्रामगृह के समीप आयोजित इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। इस दौरान स्वयं सेवको पर पुष्प वर्षा की गई । वहीं घर के बाहर दीप जलाकर ग्रामीणों ने स्वयं सेवको का अभिवादन भी किया।

मुख्य समारोह में शस्त्र पूजन और भारत माता की सामूहिक प्रार्थना हुई। अध्यक्षता भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त जवान आशीष कुमार ने की। मुख्य वक्ता संजय शर्मा (संघ चालक) पाटन ने अपने उद्बोधन में कहा कि-"संघ जीवन का अर्थ केवल संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण है। उन्होंने पंच परिवर्तन के तौर पर सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक समरसता, आत्म जागरण ,कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण को अपनाने का आह्वान किया । इस अवसर पर मंडल पालक दिलीप देशपांडे, मंडल, कार्यवाह कालेश्वर शुक्ला, मुख्य शिक्षक विकाश बारले जिला समग्र ग्राम विकास प्रमुख हलधर महमल्ला, खण्ड कार्यवाह उमाशंकर साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू, महामंत्री कृष्ण कुमार साहू, महेश्वर बंछोर, शत्रुघ्न देवांगन पुष्कर साहू, रमेश देवांगन, जयंत साहू, योगेश सोनवानी, विक्रम वर्मा, रितेश देवांगन, मनोज कलिहारी, सुलभ, तारेंद्र बंछोर, योगेश सोनवानी, रमेश देवांगन, शुभम सोनवानी, चंद्रप्रकाश मांडले, भावेश यदु आदि शामिल थे। कार्यक्रम में विशेष रूप से सरस्वती शिशु मंदिर की प्राचार्य पलक बंछोर उनके सहयोगी शिक्षिकाओ ने विशेष सहयोग किया। आभार खेमलाल साहू ने व्यक्त किया । विजय दशमी उत्सव में दर्शक के रूप में भाजपा की महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष दिव्या कलिहारी मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर, ग्राम सेलूद की पूर्व सरपंच खेमिन साहू, केशव बंछोर ,टामन साहू, भोला साहू, अर्जुन बंछोर पीताम्बरी साहू, ललिता साहू, शालिनी बघेल सहित अनेक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जन

छात्राओं को मिली सरस्वती साइकिल

अंडा। सेजस विद्यालय चंदखुरी में छत्तीसगढ़ शासन शिक्षा विभाग द्वारा सरस्वती नि शुल्क सायकल योजनांतर्गत सत्र 2025-26 नवमी कक्षा के 35 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। इस दौरान शिखा मिश्रा प्राचार्य, रश्मि पाठक, व्याख्याता रमा दिल्लीवार, बी आर जोशी, प्रकाश चेलक व्याख्याता, भूपेन्द्र साहू सदस्य सेजस विद्यालय, दुष्यंत चंद्राकर शिक्षाविद, पंचगण मनीष निर्मलकर, भूपेन्द्र सिन्हा, नंदिनी गायकवाड़ और राकेश गायकवाड़ , राजेश ठाकुर, संतु निषाद, दिलीप ठाकुर पालकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

रेल परिचालन में भिलाई मार्शलिंग यार्ड की रही अहम भूमिका

चालक दल व ट्रेन मैनेजर संयुक्त विश्राम गृह नवीनतम भवन का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के भिलाई मार्शलिंग यार्ड (बीएमवाई) में चालक दल व ट्रेन मैनेजर संयुक्त विश्राम गृह विस्तारित नवीनतम भवन का लोकार्पण राजीव कुमार बरनवाल, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, एवं दयानंद, मंडल रेल प्रबंधक / रायपुर के द्वारा किया गया। रायपुर - 17 अक्टूबर को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के भिलाई मार्शलिंग यार्ड (बीएमवाई) में चालक दल व ट्रेन मैनेजर संयुक्त विश्राम गृह विस्तारित नवीनतम भवन का लोकार्पण राजीव कुमार बरनवाल , प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, द.पू.म.रेलवे एवं दयानंद, मंडल रेल प्रबंधक / रायपुर मंडल के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ । इस गरिमामयी समारोह में श्री अनुराग तिवारी, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (परिचालन)/ रायपुर मंडल एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थिति रहे। रेल परिचालन में भिलाई मार्शलिंग यार्ड (बीएमवाई) का शुरू से ही अहम भूमिका रही है। यह एक ऐसा केंद्र बिंदु रहा है, जहां से सभी दिशाओं में गाड़ियों का संचालन होता है, साथ ही यहाँ से बहुत से गाड़ियों का प्रारम्भ भी होती है। सभी दिशाओं से गाड़ियों का आगमन व प्रस्थान मतलब है कि अन्य क्रू पॉइंट्स / डिवीज़न से चालक दल का यहाँ आना और विश्राम करके वापिस गाड़ी ले कर जाना भी होता है । वर्तमान में चालक दल कर्मी व ट्रेन मैनेजर को इस विश्राम गृह में कुल 33 रूम ही प्रदान किया जा रहा था। दिन प्रति दिन ट्रेनों की संख्या में बढोतरी होते जा रहा । जिससे विस्तार की अवश्यकता थी । बीएमवाई विश्राम गृह का शुरू से उद्देश्य चालक दल कर्मी को उच्च स्तर विश्राम व भोजन प्रदान करते रहने का रहा है, जिससे ड्यूटी के बाद अच्छा विश्राम व भोजन आदि के बाद चालक दल कर्मी, पुनः वापसी की ड्यूटी के लिए तरोताजा हो कर , सुरक्षित ट्रेन संचालित कर सकते है । इसी तारतम्य में विस्तारित नवीनतम 12 रूम का सर्व सुविधा भवन के बन जाने बाद प्रतिदिन कुल 45 रूम, अन्य क्रू पॉइंट्स / डिवीज़न के चालक दल कर्मी व ट्रेन मैनेजर विश्राम ले लिए उपलब्ध हो गया है ।

धनतेरस एवं दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं...
Prem Enterprises
Krishna Sahu
India's 1st 4 Layer
PLASTO
SANITARY
PLUMBING
ELECTRICAL
MACHINERY
& many more
PREM ENTERPRISES
SANITARYWARE, PIPE & FITTINGS,
PUMP & ELECTRICALS
नगद खरीदो
सस्ता
खरीदो
Gada Chowk, Laxmi Market, Kohka Road, Bhilai (C.G.) Mob.: 8871561006

सिटी स्पोर्ट्स

वास्तु के अनुसार पूजा का सामान किस दिशा में नहीं रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सभी चीजों को सही दिशा में नियमित रूप से रखने का विधान है। अब ऐसे में घर में पूजा का

सामान किस दिशा में रखने से लाभ हो सकता है। वास्तु में दक्षिण दिशा को यमराज की दिशा माना जाता है। इस दिशा में पूजा का सामान रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है और घर में अशुभ प्रभाव आ सकते हैं। इसके अलावा अगर आप पूजा-पाठ का सामान दक्षिण-पश्चिम दिशा में रख रहे हैं तो यह दिशा भी शुभ नहीं माना जाता है। इस कोण को स्थिरता और पितरों से संबंधित माना जाता है। यहां पूजा का सामान रखने से घर के सदस्यों के स्वास्थ्य और समृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। पूजा का सामान आप भूलकर भी घर की आग्नेय कोण यानी कि दक्षिण-पूर्व दिशा में भूलकर भी न रखें। इन दिशाओं को अशुभ माना जाता है। बाथरूम के पास वाले जगह में भी पूजा का सामान नहीं रखना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। सीढ़ियों के नीचे की जगह को भी वास्तु में अच्छा नहीं माना जाता है। यहां पूजा का सामान रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ सकता है और काम में कभी भी सफलता नहीं मिलती है।

पूजा का सामान का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूजा का सामान पवित्रता, शुभता और सकारात्मकता का कारक माना जाता है। इसलिए

पूजा के सामान को कभी भी अपवित्र स्थान पर नहीं रखना चाहिए। इससे पूजा की पवित्रता और शुद्धि खत्म हो जाती है और व्यक्ति को पूजा का शुभ परिणाम नहीं मिलता है। पूजा का सामान हमेशा सही दिशा में रखें।

ऑफिस डेस्क पर लक्ष्मी चरण रखने के नियम जरूर जानें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस डेस्क पर कुछ खास चीजें रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और आपके काम में सफलता मिलती है। इन चीजों को सही दिशा में रखना भी जरूरी है। यहां कुछ चीजें बताई गई हैं जिन्हें आप अपनी ऑफिस डेस्क पर रख सकते हैं। वहीं ऑफिस डेस्क पर कुछ ऐसी चीजें जिन्हें रखने की मनाही होती है। इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। साथ ही व्यक्ति के कार्यक्षेत्र में भी बाधाएं आने लग जाती है। अब ऐसे में क्या ऑफिस डेस्क पर क्या लक्ष्मी जी के चरण रख सकते हैं। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

लक्ष्मी चरण, जिन्हें लक्ष्मी पादुका भी कहा जाता है, देवी लक्ष्मी के पैरों के निशान हैं। इन्हें धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। लक्ष्मी चरण सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक हैं। इन्हें डेस्क पर रखने से ऑफिस में सकारात्मक माहौल बनता है और नकारात्मकता दूर होती है। लक्ष्मी चरण को धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इन्हें डेस्क पर रखने से व्यापार और काम में वृद्धि होती है और सफलता मिलती है। लक्ष्मी चरण को शांति और स्थिरता का प्रतीक भी माना जाता है। इन्हें डेस्क पर रखने से मन शांत रहता है और काम में एकाग्रता बढ़ती है। आपको बता दें, ऑफिस डेस्क पर लक्ष्मी जी के चरण हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में होने चाहिए। यह दिशा धन और समृद्धि के लिए शुभ मानी जाती है। इसलिए आप अपने ऑफिस डेस्क पर लक्ष्मी चरण रख सकते हैं।

ऑफिस डेस्क पर लक्ष्मी चरण किस तरह रखना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, लक्ष्मी चरण को सही दिशा में और सही तरीके से रखने से घर और ऑफिस में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। लक्ष्मी चरण को हमेशा अपने बैठने की दिशा में रखें। इसका मतलब है कि जब आप कुर्सी पर बैठे हों तो आपके सामने की ओर लक्ष्मी चरण होने चाहिए। लक्ष्मी चरण को डेस्क के ऊपरी बाएं कोने में रखें। यह स्थान धन और समृद्धि का प्रतीक है। इससे व्यक्ति के जीवन में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो सकती है।

आपके आहार में शामिल करना होगा प्रमुख तत्व, दिखेगा असर

हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है इन विटामिन की कमियों से, लाइफ स्टाइल में भी कीजिए बदलाव

हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं, जिसका जोखिम भी पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ता हुआ देखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को हृदय की सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कम उम्र के लोगों में भी हृदय रोग और हार्ट अटैक के मामले देखे जा रहे हैं, जो निश्चित ही बड़े जोखिम की तरफ संकेत है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय की सेहत पर सबसे ज्यादा असर हो रहा है, कम उम्र से ही सभी लोगों को इसपर ध्यान देते रहने की आवश्यकता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय रोग का जोखिम सबसे अधिक हो सकता है, शरीर में कुछ विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी के कारण भी इस रोग का खतरा बढ़ सकता है। हृदय रोगों के बढ़ते वैश्विक जोखिमों को लेकर लोगों को अलर्ट करने और बचाव के

तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए हर साल 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि किन विटामिन्स की कमी हृदय के लिए नुकसानदायक हो सकती है, जिसे आहार के माध्यम से प्राप्त करना बहुत आवश्यक है?

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

हार्वर्ड टीएच चेन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के विशेषज्ञों ने बताया, हृदय रोग की रोकथाम के लिए सबसे जरूरी है कि आहार की पौष्टिकता का ध्यान रखा जाए। आहार में फलों और सब्जियों, साबुत अनाज, नट्स, मछली, पोल्ट्री जैसी चीजों को सेहत के लिए काफी लाभकारी पाया गया है।

विटामिन-डी की कमी हो सकती है समस्याकारक

अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है उनमें दिल के दौरे, कंजेस्टिव हार्ट फेलियर, परिफेरल आर्टरी डिजीज और स्ट्रोक जैसी समस्याओं के विकसित होने का जोखिम अधिक हो सकती है। ये स्थिति उच्च रक्तचाप और मधुमेह के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है जिससे हृदय की सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है। आहार में विटामिन-डी की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

विटामिन बी-12 पर भी ध्यान देना जरूरी

विटामिन डी की ही तरह शोधकर्ताओं ने पाया कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन बी12 भी जरूरी है। इस

विटामिन की कमी कोरोनरी डिजीज, मायोकार्डियल इंफ्रक्शन, स्ट्रोक और अन्य संचार संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। विटामिन बी-12 की कमी शरीर में कई और भी प्रकार के जोखिमों का कारक हो सकती है, आहार में इस विटामिन वाली चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए। शरीर में फोलेट की कमी से हृदय रोग (सीवीडी) का खतरा बढ़ सकती है। सीवीडी, हृदय या रक्त वाहिकाओं की बीमारियों को संदर्भित करती है। फोलेट की कमी की स्थिति में शरीर में आयरन की मात्रा कम होने लगती है।

पहली बार करने जा रहें योगासन तो भूल से भी न करें ये गलतियां

योग सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। मानसिक और शारीरिक सेहत को बनाए रखने के लिए योगासन का नियमित अभ्यास करना चाहिए। योगाभ्यास हर उम्र के लोगों के लिए लाभकारी है। किसी भी तरह की बीमारी हो, योग से राहत दिलाती है। योग के महत्व को समझते हुए लोग आजकल यूट्यूब या ऑनलाइन वीडियो देखकर योगाभ्यास करने लगे हैं। लेकिन अगर आप पहली बार योगासन करने जा रहे हैं तो कुछ बातों को ध्यान में रखने की जरूरत है। योगाभ्यास करते समय कुछ बेसिक गलतियों के कारण योग का असर उल्टा पड़ सकता है। योग करते समय कुछ छोटी छोटी गलतियों से बचना चाहिए। इसलिए पहली बार योग करते समय इन बातों का खास ख्याल रखें।

श्वास का ख्याल रखें

योग में श्वास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पहली बार योगासन करने वाले लोग अगर किसी प्रशिक्षक के मार्गदर्शन के बिना योगासन कर रहे हैं तो उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि आसन करते समय कभी भी मुंह से सांस न लें। आसन में कब श्वास लेनी है और कब श्वास छोड़नी है,

इसका भी पता होना चाहिए।

खाली पेट करें योग

पहली बार योग करने जा रहे हैं तो आपको ये पता होना चाहिए कि योग खाली पेट किया जाता है। नाश्ता या खाना खाने के बाद योगासन न करें। अगर सुबह योग करने का समय नहीं मिल पाता है तो ध्यान रखें कि जब भी योग करें, उससे कम से कम 3 घंटे पहले तक कुछ न खाया हो। वहीं योगासन करने के तुरंत बाद खाना मत खाएं। बल्कि शरीर को थोड़ा आराम दें फिर भोजन करें।

योग के लिए कपड़े

योग करते समय आपको आरामदायक कपड़े पहनने चाहिए। टाइट कपड़े पहनने से शरीर की मांसपेशियों में खिंचाव व ऐंठन होने के दौरान कपड़े फटने का डर रहत है। वहीं तंग कपड़ों के कारण आप एकाग्रता के साथ योग पर ध्यान नहीं लगा पाते।

वार्म अप करें

योग या वर्कआउट करने से पहले वार्म अप करना चाहिए। पहली बार योग कर रहे हैं तो आपको इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि सीधे मैट पर बैठ कर आसन की मुद्रा नहीं लेनी है, बल्कि शरीर को सक्रिय करने के लिए पहले वार्म अप करना है।

मुश्किल और गलत योग न करें

पहली बार योग करने जा रहे हैं तो साधारण और बेसिक योगासनों से शुरुआत करें। मुश्किल योगासन न करें, इससे आपको चोट लगने का खतरा भी हो सकता है। वहीं सही से जानें कि किसी योगाभ्यास के लिए सही आसन क्या है। गलत मुद्रा में न बैठें।

पराठा खाकर बढ़ेगा नहीं बल्कि कम होगा वजन, इन टिप्स को करें फॉलो

जब भी हम वजन घटाने की कोशिश करते हैं, तो लोग हमें कई राय देते हैं। वेट लॉस के लिए क्या खाना चाहिए और क्या खाना छोड़ देना चाहिए, इस बारे में आपको बेशक बहुत जानकारी मिल जाएंगी लेकिन किसी भी जानकारी या टिप पर गौर करने से पहले आपको एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेनी चाहिए। अक्सर वेट लॉस के लिए लोग घर के बने पराठों को पूरी तरह छोड़ देते हैं और फैंसी डाइट को फॉलो करने में लग जाते हैं। उनका ऐसा मानना होता है कि पराठा खाने से वजन बढ़ता है लेकिन क्या वाकई ऐसा है? क्या वाकई पराठा खाने से आपका वजन बढ़ सकता है, इस बार में एक्सपर्ट से जानते हैं। यह जानकारी डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट सिमरन कौर दे रही हैं।

वजन कम करने के लिए ऐसे खाएं पराठा

एक्सपर्ट की मानें तो वजन घटाने के लिए पराठे को छोड़ना सही नहीं है। अगर आप इसे सही तरीके से बनाकर, सही मात्रा में सही समय पर खाती हैं, तो इससे वजन नहीं बढ़ेगा। पराठा बनाने के लिए अगर आप खूब सारे तेल का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे बेशक वजन बढ़ सकता है। इसलिए पराठा रिफाइंड ऑयल में नहीं, बल्कि देसी घी या फिर रीजनल ऑयल में बनाएं और इसे भी अधिक मात्रा में न लगाएं। पराठे में आलू की स्टफिंग भरने के बजाय पनीर, टोफू और गोभी जैसी हेल्दी स्टफिंग ट्राई करें। इससे शरीर को प्रोटीन भी मिलेगा और वजन भी नहीं बढ़ेगा। पराठे को हमेशा लंच या ब्रेकफास्ट में खाएं। डिनर में पराठा अवॉइड करें क्योंकि इसमें रोटी से ज्यादा कैलोरी होती हैं। पराठे के साथ चटनी या फिर दही खाएं। इससे मील बैलेंस होता है।

वेट लॉस करने के लिए एक्सपर्ट की सलाह

एक्सपर्ट के मुताबिकस वेट लॉस के लिए सिर्फ पराठा नहीं, बल्कि आप घर का बना कोई और खाना भी खा सकते हैं। घर के बने खाने से आमतौर पर वजन नहीं बढ़ता है। वेट गेन के पीछे पूरा कैलोरी इनटेक, लाइफस्टाइल और भी कई सारे फैक्टर होते हैं। ऐसे में बैलेंस मील लेने की कोशिश करें और लाइफस्टाइल को भी हेल्दी बनाएं।

पाना चाहते हैं मनचाहा जीवनसाथी तो सोमवार के दिन करें ये उपाय

देवों के देव महादेव को बहुत दयालु माना जाता है। कहा जाता है कि शिवलिंग पर सिर्फ एक लोटा जल चढ़ाने से ही महादेव प्रसन्न हो जाते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। शिव जी को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए सोमवार का दिन सबसे उत्तम माना जाता है। इस दिन शिव जी के भक्त व्रत रखते हैं और विधि-विधान से पूजा करते हैं। कुंवारी लड़कियां भी मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए सोमवार के दिन व्रत रखती हैं। ज्योतिष शास्त्र में शिव जी से जुड़े ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जिससे न केवल मनचाहा जीवनसाथी मिलता है बल्कि हर मनोकामना भी पूरी होती है।

चढ़ाएं केसर मिश्रित दूध

यदि आपके विवाह में देरी हो रही है तो सोमवार के दिन शिवलिंग पर केसर मिश्रित जल चढ़ाएं। इससे शिव जी प्रसन्न होते हैं और जल्द ही शुभ शादी के योग बनने लगते हैं।

मनचाहा जीवनसाथी पाने उपाय

यदि आप मनचाहा जीवन साथी पाना चाहते हैं तो गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरितमानस में शिव-पार्वती विवाह के प्रसंग को सोमवार के दिन पढ़ें। साथ ही शिव जी से

कार्नर न्यूज

वास्तु के नियमों से आप दूर कर सकते हैं मकान से जुड़ी परेशानियां

अपने घर को किराए पर देने से पहले इन वास्तु टिप्स का रखें ध्यान, तनावमुक्त होकर बने रहेंगे मालिक

शहरी क्षेत्रों में मकान किराए पर देना बेहद आम बात है। ऐसे कई लोग होते हैं, जिनके पास अतिरिक्त प्रापर्टीज होती हैं। ऐसे में वे उसे किराए पर देना पसंद करते हैं, जिससे उनकी कुछ अतिरिक्त कमाई हो सके। साथ ही साथ, उनकी प्रापर्टी की देख-रेख करने वाला भी कोई हो। यकीनन यह एक बेहद अच्छा विचार है।

कई बार यह देखने में आता है कि किराए पर रहने के लिए जो भी व्यक्ति आता है, वह जल्द ही घर खाली कर देता है या फिर वह समय से किराया देने में समर्थ नहीं हो पाता है। ऐसा कई बार कुछ वास्तु दोष के कारण भी हो सकता है। लेकिन इससे मकान मालिक और किराएदार दोनों को ही परेशानी का सामना करना पड़ता है। आपके साथ यह समस्या ना हो, इसके लिए जरूरी है कि आप वास्तु के कुछ छोटे-छोटे नियमों को अपनाएं।

मुख्य द्वार पर दें ध्यान

किसी भी घर में पॉजिटिविटी मेन गेट से ही आती है, इसलिए उस पर खासतौर पर ध्यान दिया जाना चाहिए। हमेशा कोशिश करें कि आपके घर का मुख्य द्वार सुंदर हो। आप उस पर समय-

समय पर पॉलिश या पेंट जरूर करवाते रहें। इसके अलावा, मुख्य द्वार पर बन्दनवार भी लगाई जा सकती है। इससे घर में पॉजिटिविटी आती है और किराएदार व मकान मालिक के बीच के आपसी रिश्ते मधुर रहते हैं।

करवाते रहें मेंटेनेंस

कई बार ऐसा होता है कि मकान मालिक अपने घर में पुरानी व टूटी-फूटी चीजें (घर की इन 4 चीजों को कभी न रखें खाली) एक तरफ रख देते हैं। उन्हें लगता है कि घर किराए पर देना है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। जब आप अपने घर को किराए पर दे रहे हैं तो ऐसे में पुरानी व टूट-फूटी किसी चीज को वहां पर नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा, अगर घर में कोई चीज टूटी या बेकार हो चुकी है तो उसे तुरंत रिपेयर करवा दें। अन्यथा इससे घर में नेगेटिविटी फैलने लगती है और इससे किराएदार को आर्थिक हानि भी हो सकती हैं।

चेक करें पानी के नल

जब आप अपना घर किराए पर दे रहे हैं तो उससे पहले आपको बाथरूम व सभी पानी के नल जरूर चेक करने चाहिए। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि आप जिस घर को किराए पर दे रहे हैं, उसमें पानी के नल लीक ना करते हों। अगर ऐसा होता है तो इससे किराएदार का ना केवल मन बैचेन रहता है, बल्कि उसे पैसों का नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इतना ही नहीं, उसे बिजनेस या व्यापार में घाटा (व्यापार में आ रही बाधाओं के लिए ज्योतिष उपाय) हो सकता है या फिर उसकी नौकरी भी जा सकती है।

अगर अपना घर दें किराए पर

कई बार ऐसा होता है कि लोग जिस घर में रहते हैं, उसी का कोई एक हिस्सा किराए पर देते हैं। अगर आप भी अपने घर के किसी पोर्शन को किराए पर दे रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि आप साउथ वेस्ट का हिस्सा अपने पास ही रखें। इसे कभी भी भूल से भी किराएदार को नहीं देना चाहिए, अन्यथा इससे उसके मालिक बनने के चांसेस काफी बढ़ जाते हैं।